जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 08 प्रभात जालोर, बुधवार 16 अप्रैल, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दिन भर गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ कर ई.डी. ने कल फिर बुलाया है

इस बार राउज़ एवेन्यु कोर्ट में ई.डी. द्वारा दर्ज चार्ज शीट में सुमन दुबे और सैम पित्रोदा का नाम भी जोड़ा गया है। पहले मोतीलाल वोहरा आदि का नाम भी एफआईआर में शामिल था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। गुजरात में राहुल के प्रवेश और भाजपा को गुजरात से उखाड़ फैंकने तथा कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने के व्यक्त तथा घोषित किये गये उनके इरादे के बाद, गांधी परिवार के खिलाफ एक राजनैतिक तूफान खड़ा कर दिया गया है।

ईडी ने "नैशनल हैरल्ड" केस में राहुल तथा सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट पेश कर दी है, तथा इसके साथ ही, गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को एक जमीन घोटाला केस में, ईडी ने पूछताछ के लिये तलब किया है। आज दिनभर उनसे पूछताछ की गई तथा उन्हें कल फिर बुलाया गया है।

माँ-बेटे के खिलाफ राउज़ एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी गई है। इस चार्जशीट में सुमन दुबे तथा सैम पित्रोदा के नाम भी शामिल हैं। इससे पहले, एफआईआर में मोतीलाल वोरा तथा कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम भी शामिल थे। अदालत अब आरोप तय करेगी, इसके बाद, ट्रायल शुरु होगा, जिसमें दोनों पक्षों के गवाह अदालत के समक्ष अपने बयान देंगे। इसके बाद , केस अपने अन्त की ओर बढ़ेगा, जिसमें गांधी परिवार को जेल की सजा हो सकती है। सजा होने की स्थिति में, गांधी परिवार को उच्चतर अदालत में जाना होगा।

- अब कोर्ट, चार्ज शीट में जिनका नाम है, उनके खिलाफ आरोप पढ़कर सुनाएगा तथा मुकदमा शुरु होगा तथा दोनों तरफ के गवाहों के बयान होंगे तथा हो सकता है, गांधी परिवार के लोग (राहुल व सोनिया) केस हार जायें। फिर, इन दोनों को जेल भी भेजा जा सकता है तथा दोनों हाई कोर्ट में अपील करेंगे, यानी यह मुकदमा कई सालों तक चल सकता है।
- अतः, सवाल यह उठता है, इस मुकदमे का क्या मकसद है। कानून के जानकार लोगों का, जो गांधी परिवार से सहानुभूति रखते हैं, कहना है कि ई.डी. के हरकत में आने का एक ही ध्येय है, राहुल गांधी के लिये दिक्कतें बढ़ाते रहना।

इस केस पर नज़दीक से नजर रखने वाले कानूनविज्ञों का कहना है कि यह केस सालों तक खिंच सकता है।

"नैशनल हैरल्ड" केस में राहुल तथा सोनिया गांधी दोनों ही जमानत पर हैं। केस की सुनवाई 25 अप्रैल को होनी है। शनिवार को ईडी ने 661 करोड़ रु. की अचल सम्पत्तियाँ का कब्जा लेने के नोटिस जारी कर दिये थे।

कांग्रेस-नियंत्रित "एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के खिलाफ मनीलॉन्डरिंग के आरोपों की जाँच के सिलसिले में, ये सम्पत्तियाँ नवम्बर, 2023 में अटैच कर दी गई थीं।

ये नोटिस, जिनमें सम्बंधित परिसर खाली करने के लिये कहा गया था, दिल्ली की सम्पत्तियों, मुम्बई के बाँद्रा इलाके की सम्पत्तियों तथा लखनऊ की विश्वेश्वर रोड पर स्थित एजेएल भवन पर चस्पा कर दिये गये थे।

इन बिल्डिंगों में बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग पर स्थित ऐतिहासिक नैशनल हैरल्ड बिल्डिंग भी शामिल है।

गांधी परिवार ने इस सब कार्यवाही पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन अभिषेक सिंह तथा अन्य ने इसे राजनैतिक दुश्मनी की संज्ञा दी है।

जब 'यंग इंडियन' नामक एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक का पूर्व कांग्रेस पार्षद अजमेर में गिरफ्तार

अजमेर, 15 अप्रैल (कासं)। कर्नाटक और अजमेर जिला पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए मंगलवार को अजमेर से कर्नाटक के कांग्रेसी नेता व पूर्व पार्षद कबीर खान को गिरफ्तार किया है। केन्द्र सरकार द्वारा पारित किए गए वक्फ बिल 2025 के विरोध में कबीर खान द्वारा हिंसा भडक़ाने के लिए सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया गया था। कर्नाटक पुलिस खान को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

जिला पुलिस अधीक्षक अजमेर एसपी वंदिता राणा ने बताया कि कर्नाटक पुलिस से सूचना मिली थी कि कांग्रेसी नेता व पूर्व पार्षद कबीर खान अजमेर में छुपा हुआ है। जिस पर एसपी के निर्देश पर पुलिस आरोपी की गतिविधियों पर नज़र रखे हुए थी। कर्नाटक पुलिस ने अजमेर पुलिस की मदद से आदर्श नगर थाना क्षेत्र से आरोपी कबीर खान को गिरफ्तार किया।

- वक्फ बिल पर हिंसा भड़काने का वीडियो सोशल मीडिया पर जारी करने पर कर्नाटक पुलिस ने कार्यवाही की।

एसपी राणा ने बताया कि वक्फ बिल को लेकर कांग्रेसी ने खान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर युवाओं को सड़कों पर उतरने, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने तथा कानून के विरोध में जान की कुर्बानी देने जैसे भडक़ाऊ संदेश दिए थे। वायरल वीडियो में बसों और ट्रेनों में आग लगा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आप बोइंग कम्पनी से हवाई जहाजों की डिलिवरी लेना बंद करें'

चीन ने अपनी एयरलाइन्स को आदेश दिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिका के साथ अपने ट्रेड वॉर को और बढ़ाते हुए, चीन ने कथित तौर पर अपनी एयरलाइन्स से कहा है कि अमेरिका के एविएशन दिग्गज बोइंग से जेट विमानों की डिलीवरी लेना बंद करें। इससे राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को एक स्पष्ट संकेत गया है कि बीजिंग उनके फरमानों के आगे झुकने वाला नहीं है।

जनवरी में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद से, दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ एक-दूसरे पर टैरिफ लगाने के युद्ध में फँसी हुई हैं, जिसमें अमेरिका अब चीन से आयात पर 145 प्रतिशत तक का शुल्क लगा रहा है।

एक मिसाल कायम करते हुए, बीज़िंग ने वॉशिंगटन की तथाकथित गैरकानूनी "दादागिरी" पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और अमेरिकी आयात पर 125 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया है।

भारत जो दावा करता है कि वो विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, के विपरीत, चीन ने अन्तर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर स्थापित विश्व के वाणिज्य व व्यापार के सिस्टम के अनुसार काम करने का निर्णय लिया है।

- चीन ने अमेरिका को सीधा मैसेज दिया है कि चीन अमेरिका के आदेशों के आगे घुटने नहीं टेकेगा
- चीन ने भारत से एकदम विपरीत सोच दिखाई है तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर स्थापित विश्व के वाणिज्य व व्यापार के सिस्टम के अनुसार काम करने का निर्णय लिया है।
- चीन ने साथ ही, अपनी एयर लाइन्स पर यह भी प्रतिबंध लगाया है कि ये कंपनियाँ अब हवाई जहाज में काम आने वाले सामान व पाट्र्स भी अमेरिका की कंपनियों से खरीदना बंद करें।
- चीन द्वारा अमेरिका द्वारा लगाये गये टैरिफ (125 प्रतिशत) के जवाब में उठाये गये इन कदमों से अमेरिका में निर्मित हवाई जहाज व उनके पाट्र्स खरीदना काफी महंगा सौदा हो गया है।
- अमेरिका ने जरुर चीन पर लगाये गये टैरिफ की सूची से चीन में निर्मित स्मार्ट फोन, सैमिकण्डक्टर्स व कम्प्यूटर्स को निकाल कर, चीन को राहत पहुँचाने की कोशिश की है।

इस मामले से परिचित लोगों का हवाला देते हुए ब्लूमबर्ग न्यूज़ ने आज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्टालिन ने राज्य सरकारों के अधिकारों को भी चुनावी मुद्दा बनाने की ठानी

विधानसभा में बोलते हुए उन्होंने, एक तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज कुरियन जोज़फ, शिक्षाविद् व वाइस चांसलर के. अशोक व स्टेट प्लानिंग कमिशन के वाइस चेयरमैन एम. नागनाथन सदस्य हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। तमिलनाडु विधानसभा के लिए राज्य के मुख्यमंत्री और द्रमुक के चीफ एम.के. स्टालिन राज्यों की स्वायत्तता पर एक बड़ा मुद्दा उछाला है, यह आईडिया अन्य विपक्ष शासित राज्यों के लिए भी अपीलिंग है। मंगलवार को स्टालिन विधानसभा में एक बयान में उन्होंने स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि राज्यों के अधिकारों का क्षरण हो रहा है और उन्हें अपने मूल अधिकारों के लिए भी लड़ना पड़ता है।

स्टालिन ने कहा, डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व में हमारे संविधान निर्माताओं ने देश का राजनैतिक और प्रशासनिक ढांचा तैयार किया। उन्होंने इसे एक राज्य नहीं बल्कि राज्यों का संघ बनाया था और संघवाद के नियमों का अनुसरण किया था।"

- समिति यह अध्ययन करके कि, कैसे स्टेट गवर्नमैंट के अधिकारों को कनकरंट लिस्ट में डाल कर, राज्य सरकार को कमज़ोर किया गया है और अब कैसे पुनः इन विषयों को पुनः केवल राज्य सरकार की सूची में ही "रिस्टोर" किया जाये।
- इस दिशा में स्टालिन ने तमिलनाडु के पूर्व मु.मंत्री करूणानिधि की 1969 में दिखाई दूर दृष्टि व हिम्मत को बधाई दी, क्योंकि वह पहला राज्य बना, जिसने राज्य व केन्द्र के अधिकारों की समीक्षा करने के लिए न्यायाधीश पी.वी. राजामन्नार की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति बनाई थी।

राज्य सरकारों के लिए स्वायत्तता की एक बड़ी पिच बनाते हुए उन्होंने इसे चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास किया और सुप्रीम कोर्ट के एक रिटायर्ड न्यायाधीश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की, जो केन्द्र व राज्य से सम्बंधित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मानसून में सामान्य से अधिक बारिश होगी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। देशभर में भीषण गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। इस बीच मौसम विभाग ने बारिश को लेकर एक बड़ी घोषणा की है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार मानसून में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अल नीनो की स्थिति बनने से भी इनकार कर दिया है। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार देश में मानसून के दौरान अच्छी बारिश होगी। हालांकि मौसम विभाग ने जलवायु परिवर्तन को लेकर भी चिंता जताई है, जिसके तहत बारिश के दिनों की संख्या घट रही है जबकि भारी बारिश की घटनाएं बढ़ रही हैं। मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इसकी

- मौसम विभाग ने यह घोषणा की साथ ही क्लाइमेंट चेंज पर चिंता जताई व कहा कि बारिश के दिन घट रहे हैं पर भारी बारिश की घटनाएं बढ़ रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खड़गे की पहल पर, आर.जे.डी. की टीम ने तेजस्वी के नेतृत्व में, कांग्रेसाध्यक्ष से मुलाकात की

छोटी-मोटी बातें, जैसे कांग्रेस को गुजरात में नहीं पटना में अधिवेशन रखना चाहिये था, तो बातचीत में निपट गईं, राहुल गांधी की उपस्थिति में

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिये चुनावी रणनीति पर चर्चा करने की दिशा में पहल करते हुये, आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) अध्यक्ष तेजस्वी यादव तथा मनोज कुमार झा को आमंत्रित किया।

कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा यहाँ उनके निवास पर आयोजित इस मीटिंग में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल तथा आरजेडी के दोनों शीर्षस्थ नेता उपस्थित थे।

मीटिंग की जानकारी देते हुये, कांग्रेस प्रमुख ने "एक्स" पर एक पोस्ट में कहा, "आज बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ हमारी मीटिंग हुई तथा हमने "महागठबंधन" को मजबूत करने के विषय में चर्चा की।

- पर, तेजस्वी यादव द्वारा उठाया गया मुद्दा कि कांग्रेस जमीनी स्थिति देखकर, सीटों का बंटवारा करे, पर सहमति शायद अभी नहीं बनी। तेजस्वी ने कहा कि पिछली बार, कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, पर, केवल 19 सीटों पर विजयी हुई थी, पर, आर.जे.डी. 144 सीटों पर लड़ी थी, तथा 75 सीटें उसने जीती थीं। कांग्रेस की स्ट्राइक रेट काफी कमज़ोर है। अतः, उसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की जिद छोड़नी चाहिये।
- पर, कांग्रेस इस तर्क से सहमत नहीं है तथा राहुल गांधी बिहार में बहुत अच्छे परिणाम की आशा कर रहे हैं। इसीलिये पिछले तीन माह में, तीन बार बिहार की यात्रा कर चुके हैं।
- कांग्रेस का कहना है, नरेन्द्र मोदी व नीतीश कुमार भी, आर.जे.डी. के जंगल राज की बात जोरों से कर रहे हैं, अतः बिहार में आर.जे.डी. की अपील सीमित है, अतः कांग्रेस को ज्यादा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहिये।

कांग्रेस के कुछ वर्गों का पार्टी का यह निर्णय चर्चा का विषय बना हुआ है कि एआईसीसी अधिवेशन गुजरात में किया गया, बिहार में नहीं। दरअसल, पार्टी अधिवेशन ऐसे राज्य में ही किया जाता रहा है, जहाँ इस साल के अंत में चुनाव होने हों। इस संबंध में पार्टी की सोच को स्पष्ट करते हुये, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अधिवेशन का आयोजन बिहार में करने से हमारे ताकतवर मित्र दल आरजेडी तक एक गलत संकेत जाता। हम बिहार में भाजपा से आरजेडी के साथ मिलकर लड़ेंगे, जबकि गुजरात में, हमें अकेले के दम पर भाजपा से लड़ना है।

बिहार के आसन्न विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुये, खड़गे ने कहा कि बिहार में सत्ता परिवर्तन तो निश्चित रूप से होगा।

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन पर प्रहार करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "इस समय, बिहार में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुर्शिदाबाद दंगा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं

नयी दिल्ली, 15 अप्रैल। वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के विरोध के बीच, पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में भड़की हिंसा मामले की जांच अदालत की निगरानी में कराने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं की गई हैं। अधिवक्ता शशांक शेखर झा द्वारा दायर याचिकाओं में से एक में शीर्ष अदालत की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आग्रह किया गया है। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा एक अन्य याचिका में शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के गठन की मांग की गई है।

- इन याचिकाओं में दंगा भड़काए जाने की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत से संबंधित घटना के संबंध में पश्चिम बंगाल सरकार से स्थिति रिपोर्ट मांगने, जान-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभी विश्व के अधिकांश देश ट्रम्प की टैरिफ यातना से स्तब्ध से खड़े है

पर, भारत, पहला देश बना, जो ट्रम्प के कंपन को लांघ कर पुनः स्टॉक एक्सचेंज में धन वर्षा की ओर बढ़ा है

-अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। मंगलवार को भारत के शेयर बाज़ार ट्रम्प टैरिफ के बाद की उथल-पुथल से उबरे और इनमें तेजी से सुधार आया। डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित अभूतपूर्व टैरिफ नीति ने वैश्विक वित्तीय बाज़ारों को हिला दिया था, जिससे कई प्रमुख वैश्विक केन्द्र अभी तक उबर नहीं पाए हैं।

इसके विपरीत, भारतीय शेयरों की कीमतों में तेज वृद्धि ने भारतीय स्क्रिप के बाज़ार मूल्य में लगभग 19 लाख करोड़ रूपये जोड़े हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा टैरिफ कॉल के मद्देनज़र भारतीय इक्विटी से पूँजी की निकासी के बावजूद ऐसा हुआ है।

ट्रम्प टैरिफ की घोषणा के बाद, वैश्विक बाज़ार डूब गए थे, पर मंगलवार को भारतीय बाज़ार 2 प्रतिशत से अधिक ऊपर उठ गए। इसके विपरीत, प्रमुख वैश्विक बाज़ार अभी भी ट्रम्प के पूर्व टैरिफ स्तरों से 3 प्रतिशत से अधिक नीचे हैं। इससे भारत उथल-पुथल से पूरी तरह से उबरने वाला पहला देश बन गया है।

यह रिकवरी और भी ज्यादा उल्लेखनीय है, क्योंकि पिछले छह महीनों से शेयर बाज़ार में धीमी वृद्धि हुई है। साथ ही, अमेरिका में जो कुछ घटा, उसके बाद विदेशी निवेशकों ने भी भारतीय बाज़ारों से पैसा निकाला है। विदेशी निवेशकों ने पिछली दो तिमाहियों में 16 बिलियन डॉलर निकाले थे और इससे स्थानीय बाज़ारों पर दबाव पड़ा था।

हालांकि, जब से ट्रम्प टैरिफ की घोषणा की गई है, भारत में एक अलग स्थिति सामने आई है। शुरुआत में बाज़ार गिर गए थे, लेकिन यह जल्दी से ठीक हो गए, क्योंकि यह महसूस किया गया कि अमेरिका के प्रति भारत का "एक्सपोज़र" न्यूनतम था और विश्व के अन्य देशों में क्या होता है, भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन इस पर अत्यधिक निर्भर नहीं था।

- गत मंगलवार को भारत के स्टॉक एक्सचेंज में शेयर्स की कीमत में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई, उन दिनों की तुलना में जब ट्रम्प ने टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की थी। जबकि विश्व में अन्य देशों में अभी 3 प्रतिशत की गिरावट है, शेयर वैल्यूज़ में।
- इस अद्‌भुत अनुभव का कारण है, भारत का उद्योग अपनी "डॉमैस्टिक डिमांड" पर निर्भर है तथा अमेरिका का एक्सपोज़र काफी कम है।
- दूसरी ओर भारत ने अमेरिका को चुनौती देने के बजाय, मिल बैठकर बातचीत करने की नीति अपनाई।
- चीन ने डब्ल्यु.टी.ओ. का भरपूर लाभ उठाया, छोटे-विकासशील देशों को "दबाकर", अब, यह छवि चीन के खिलाफ भारी पड़ रही है। एक बार तो चीन का आर्थिक आधिपत्य इतना था कि उसे विश्व की फैक्टरी कहा जाने लगा था।
- पर, अगर भारत को इस अवसर का लाभ लेना है तो उद्योगों व माइन्स के लिये भूमि उपलब्ध कराने में जो भी रोड़े हैं, उन्हें हटाना होगा, साथ ही आज की परिस्थिति के अनुसार, "लेबर लॉज़" में उचित परिवर्तन करना होगा।

सामान्य पतन के दृश्य के बीच, भारत के बाज़ार अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था की ताकत पर ठीक हो गए हैं। घरेलू माँग मजबूत है और भारतीय कंपनियाँ देश भर के उपभोक्ताओं से बढ़ती माँग का लाभ उठाने की उम्मीद करती हैं।

मौलिक रूप से, निवेशक घरेलू बाज़ार और ट्रम्प के लगाए टैरिफ से निपटने में भारत के रुख पर भरोसा कर रहे हैं। ट्रम्प टैरिफ से सीधे टकराने की बजाय भारत ने सुलह का रुख अपनाया है और अमेरिका के साथ एक व्यापक व्यापार समझौते पर काम करने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमरनाथ यात्रा का रजिस्ट्रेशन शुरु

श्रीनगर, 15 अप्रैल। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी। अमरनाथ जाने वाले श्रद्धालु देश भर की 533 बैंक शाखाओं में रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड और हैल्थ सर्टिफिकेट जरूरी होगा। इस बार श्रद्धालु पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू और कश्मीर बैंक, यस बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं में रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। जम्मू और कश्मीर में भी 20 शाखाएं हैं जहां रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

- यात्रा 3 जुलाई से शुरु हो रही है तथा 13 से 70 साल के लोग रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन शुल्क 150 रुपये है तथा 13 से 70 साल तक के लोग ही रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। श्रद्धालु पहलगाम या बालटाल में से किसी भी रास्ते से यात्रा कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मन की दुर्बलता से भयंकर और कोई पाप नहीं। –विवेकानंद

क्रिकेट में अब स्टाइल, तकनीक व कलात्मकता नहीं रही

क्रिकेट, जो परंपरा से जुड़ा खेल माना जाता रहा है, वह अब पूरी तरह बदल गया है। अब उसे कोई 'जेन्टलमैन्स गेम' भी नहीं कहता। क्रिकेट अब कला का नहीं ताकत का प्रदर्शन है। इस रविवार को जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग के बैंगलुरु और जयपुर के बीच मैच में यही देखने को मिला। क्रिकेट के लंबे टेस्ट मैचों में अब किसी की दिलचस्पी नहीं रह गई है और न किसी के पास इतना धैर्य और समय है कि पांच दिनों तक खेल का आनंद लिया जा सके और खेल की तकनीक और शुद्धता को सराहा जा सके। टेस्ट क्रिकेट में धैर्य, मानसिक मजबूती और रणनीति की परीक्षा होती थी। स्पिन गेंदबाज़ी, टाइमिंग, और 'वेट एंड वॉच' शैली का बोलबाला था। उस दौर में खिलाड़ी सिर्फ़ रन बनाने के लिए नहीं, बल्कि क्रिकेट को एक कला की तरह निभाने के लिए जाने जाते थे। आज के क्रिकेट में, खासतौर पर टी20 फॉर्मेट में, ताकत और तेज़ी का बोलबाला है। बड़े-बड़े छक्के, हेलीकॉप्टर शॉट्स, और स्लॉग स्वीप जैसे ताकतवर स्ट्रोक आम हो गए हैं। बल्लेबाज़ी में ज्यादा 'हिटिंग पावर' और फिटनेस की जरूरत है। गेंदबाज़ी में भी स्पीड और वैरिएशन ज़रूरी हो गया है। फील्डिंग का स्तर भी ऐसा हो चला है कि जहां हर खिलाड़ी को सुपरमैन जैसा बनना पड़ता है। जिम ट्रेनिंग, न्यूट्रिशन और फिटनेस कल्चर का भी इसमें आ गया है और क्रिकेट के खिलाड़ी अब मानो एथलीट बन गए हैं। आज के क्रिकेट कोच भी खिलाड़ी को रैपिड स्कोरिंग और पॉवर हिटिंग पर ट्रेन करते हैं। स्टाइलिस्ट बल्लेबाज़ी की जगह अब फंक्शनल बैटिंग सिखाई जाती है। अब हर खिलाड़ी के पास डेटा एनालिस्ट, स्ट्रेंथ ट्रेनर, और परफ़ॉर्मेंस कोच होते हैं, जो शुद्ध सौंदर्य से ज़्यादा नतीजों पर ध्यान देते हैं। यह क्रिकेट में आया ऐसा बदलाव है जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। यह बदलाव एक भूचाल की तरह आया था जिसने समूचे खेल का चरित्र बदल कर रख दिया। अब तो लोग भूल ही गये हैं कि इस बदलाव का उत्प्रेरक ऑस्ट्रेलियाई मीडिया दिग्गज केरी पैकर था जिसने 'वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट' शुरू करके एक ऐसी क्रांति रच दी जिसने क्रिकेट को नए रूप में स्थापित ही नहीं किया बल्कि इसके भविष्य को भी नये सिरे से परिभाषित और मनोरंजन का एक नया बाजार खड़ा कर दिया। पैकर का क्रिकेट में प्रवेश ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट मैचों के लिए विशेष प्रसारण अधिकार हासिल करने की उसकी महत्वाकांक्षा से शुरू हुआ था। स्थापित क्रिकेट प्रतिष्ठान से प्रतिरोध का सामना करते हुए, उसने 1977 में अपनी खुद की 'वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट' प्रतियोगिता शुरू कर एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया। इस कदम से क्रिकेट जगत में न केवल हलचल मच गई, बल्कि इस खेल के प्रतिमान ही बदल दिये जिसका नतीजा हम आज टी20 जैसे मैचों में देख रहे हैं। केरी पैकर क्रांति ने क्रिकेट पर एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी, जिसने खेल को खेलने, देखने और उससे पैसा कमाने के तरीके को मौलिक रूप से बदल दिया और क्रिकेट 'जेन्टलमेन्स गेम' नहीं रहा, वह पूर्णतः व्यावसायिक हो गया। खिलाड़ियों के लिये जो कभी अंशकालिक काम था, वह उनका एक व्यवहार्य कैरियर विकल्प बन गया। अब तो टीमों के लिए खिलाड़ियों की खरीद की जाती है। खिलाड़ियों को नये मिले प्रचार ने उन्हें सेलिब्रिटी की ऊंचाइयां प्रदान की। इससे खेल पर हुआ असर सबके सामने है। पिछले जमाने में सुबह से शाम तक पांच दिन, बीच में एक दिन छुट्टी, और दो-दो पारी खेलने के बाद भी मैच ड्रॉ हो जाते थे। तब जीवन ठहरा हुआ था। किसी को कोई जल्दी नहीं थी। मैदान पर मैच देखने वालों को भी नहीं और देश के कोने-कोने में कानों पर ट्रांज़िस्टर लगाए कॉमेंट्री सुनने लाखों लोगों को भी। अब टीमें एक-एक बार बीस-बीस ओवर खेलती है और मैच का फैसला हो जाता है।

सफेद कपड़ों और लाल गेंद का स्थान रंगीन कपड़ों, फ्लड-लाइट्स और सफेद गेंद द्वारा ले लिए जाने के बाद क्रिकेट के दर्शकों का इस खेल का अनुभव पूरी तरह बदल गया है। फ्लड-लाइट्स से संभव हुए डे-नाइट मैचों ने टेस्ट क्रिकेट शेड्यूल में भी क्रांति ला दी, जिससे मैदान पर दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ने के इंतजाम हुए और वैश्विक टेलीविजन दर्शक उस ओर आकर्षित हुए। निजी मुनाफे के प्रसारणकर्ताओं ने क्रिकेट को टेलीविजन-अनुकूल खेल के रूप में पहचान बना दी। कलात्मक क्रिकेट के खेल को एक तमाशे में परिवर्तित कर दिया गया जिससे कि उसके टीवी प्रसारण अधिकार बेच कर मुनाफा कमाया जा सके। यह मुनाफा क्रिकेट के खेल से नहीं बल्कि टीवी प्रसारणों के दौरान बीच में दिखाये जाने वाले विज्ञापनों से तथा उसकी अन्य फ्रैंचाइजी बेच कर कमाया जाता है। इसकी शुरुआत इस मासूम दावे के साथ हुई थी कि टीवी प्रसारण से क्रिकेट आम जनता तक पंहुचाया जाएगा जिसमें भौगोलिक सीमाएं भी नहीं होगी। आज टेलीविज़न खेल के रूप में क्रिकेट की अपार लोकप्रियता है, जिससे इसकी पहुंच और राजस्व प्रवाह में अथाह वृद्धि हुई है और क्रिकेट संगठन सबसे अमीर संगठन बन गये हैं। 'वर्ल्ड सीरीज़ क्रिकेट' के मनोरंजन-उन्मुख क्रिकेट मॉडल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और बाद की टी20 लीगों के लिए आधार तैयार किया। पैकर के विज़न ने साबित कर दिया कि क्रिकेट एक रोमांचक खेल और एक आकर्षक व्यवसाय दोनों हो सकता है। पैकर की सफलता ने दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। 'वर्ल्ड सीरीज़ क्रिकेट' में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों वाली टीमें शामिल थीं, जिससे देशों की पारंपरिक सीमाएं मिट गईं। क्रिकेट अब बाज़ार के लिए खेला जाता है जिनमें सटोरिये भी शामिल होते हैं। प्रायोजकों के लोगो के साथ खिलाड़ियों की ब्रांडिंग से खेल विपणन में भी क्रांति आई है। क्रिकेट अधिकारियों के साथ पैकर की लड़ाई से महत्वपूर्ण संस्थागत परिवर्तन भी आया। कानूनी टकरावों के बाद अंततः समझौते हुए जिनसे पैकर के नवाचार पारंपरिक क्रिकेट संरचनाओं में समाहित कर लिए गये। इस बदलाव के समर्थक कहते हैंकि इसने नवाचार की शक्ति और बदलते समय के साथ अनुकूलन की अनिवार्यता प्रदर्शित होती है। पैकर के ज़माने में डिजिटल युग शुरू नहीं हुआ था, किन्तु यह सभी मानते हैं कि टेलीविजन से परे दर्शकों को जोड़ने के लिए क्रिकेट में डिजिटल परिवर्तन की नींव भी रखी गई। आज, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म दर्शकों के जुड़ाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे क्रिकेट की वैश्विक अपील और बढ़ जाती है। क्रिकेट में इस बदलाव ने प्रदर्शित किया कि परंपराएं और आधुनिकीकरण साथ-साथ चल सकते हैं। क्रिकेट प्रशासकों को बदलते परिदृश्य के अनुकूल अपने को ढालने के लिए मजबूर होना पड़ा। केरी पैकर क्रांति की स्थायी विरासतों में से एक हैं क्रिकेट का आधुनिक व्यावसायीकरण। क्रिकेट अब एक फलता-फूलता आकर्षक व्यवसायिक उद्यम बन गया है, जिसके कारण विज्ञापन और प्रायोजन को नया बाज़ार मिला है जिसमें प्रायोजकों के 'लोगो' के साथ खिलाड़ियों की ब्रांडिंग भी होती है। यह व्यापक व्यावसायिक साझेदारी अब खेल के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न हिस्सा है। 'वर्ल्ड सीरीज़ क्रिकेट' ने डिजिटल युग के लिए एक पुल का काम भी किया। पैकर की दूरदर्शिता टेलीविजन स्क्रीन की सीमाओं से आगे की थी, उसने क्रिकेट कवरेज के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की क्षमता को पहचाना था। 1970 के दशक के आखिर में जब इंटरनेट तब अपनी प्रारंभिक अवस्था में था, तब पैकर ने पारंपरिक माध्यमों से परे दर्शकों को जोड़ने पर जोर दिया, जिसने डिजिटल क्रांति की नींव रखी, जिससे बाद में क्रिकेट के उपभोग के तरीके बदल गये। उस दौरान शुरू किए गए सिद्धांत और नवाचार न केवल समय की कसौटी पर खरे उतरे, बल्कि आधुनिक क्रिकेट के लिए आधार भी बने हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), बिग बैश लीग (बीबीएल) और अन्य टी20 लीग के अस्तित्व का श्रेय स्वाभाविक हीपैकर की दूरगामी सोच को दिया जा सकता है। उसने दिखाया कि क्रिकेट का खेल एक सफल व्यवसाय भी हो सकता है। क्रिकेट में ऐसे बदलावों के आलोचक भी कम नहीं रहे हैं। परंपरावादियों ने इन बदलावों की निंदा की और उन्हें खेल की पवित्रता को नष्ट करने के रूप में देखा। आलोचकों का तर्क था कि क्रिकेट को वस्तु के रूप में पेश किया जा रहा है और लाभ के लिए इसके अंतर्निहित मूल्यों को छीना जा रहा है। ये चिंताएं बहुत हद तक तक वैध थीं, लेकिन नयी क्रांति की आंधी में सारे प्रतिरोध धराशायी हो गये।

क्रिकेट अब एक फलता-फूलता आकर्षक व्यवसायिक उद्यम बन गया है, जिसके कारण विज्ञापन और प्रायोजन को नया बाज़ार मिला है जिसमें प्रायोजकों के 'लोगो' के साथ खिलाड़ियों की ब्रांडिंग भी होती है। यह व्यापक व्यावसायिक साझेदारी अब खेल के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न हिस्सा है।

विश्व में खुली पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं के उभार और क्रिकेट में बदलाव के बीच रिश्ते का अध्ययन भी दिलचस्प होगा। संभव है आने वाले समय में शिक्षा के उच्च संस्थानों में से किसी का ध्यान इस तरफ जाए और इसकी खोज के लिए अकादमिक अध्ययन हो ताकि इस बदलाव को गहरे से समझा जा सके। इस बदलाव ने क्रिकेट में ही नहीं खेलों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ लाने का काम किया है। इसने परंपराओं को तोडा है, यथास्थिति को चुनौती दी है और व्यावसायिकता, नवाचार और वित्तीय समृद्धि के युग की शुरुआत की। क्रिकेट के खेल को वैश्विक तमाशा बनने की कहानी का यह भी संदेश है कि, पनपने के लिए, परंपराओं को बदलते समय के अनुरूप अपने को अनुकूलित करना होता है। लेकिन ऐसा सोचने वाले भी हैं कि जैसे फैशन में पुरानी चीज़ें लौटती हैं, वैसे ही क्रिकेट में भी एक समय पर लोग फिर से 'क्लासिक स्टाइल' को अपनाना शुरू कर सकते हैं। दर्शकों की नॉस्टैल्जिया की भूख इसमें मदद कर सकती है। मगर आज के युवा के पास यह नॉस्टैल्जिया नहीं है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

इतिहास खोदोगे तो मोती और कीचड़ दोनों निकलेंगे

महावीर सिंह

फरवरी, मार्च 2025 के महिने इतिहास के नाम पर भरपूर मनोरंजन के रहे। संभाल में पौराणिक काल के मंदिरों के लिए खुदाई चालू है। औरंगजेब की कब्र खुदते-खुदते बची है। बाबर और राणा सांगा का युद्ध पुनः लड़ा जा रहा है। अकबर के साथ साथ राजा मान सिंह, मिर्जा राजा जयसिंह व कई अन्य अकबर, औरंगजेब के समकालीन राजाओं की जबरदस्त धुनाई चल रही है। जिन्हें इतिहास का तनिक भी बोध नही, वो इतिहासवेत्ता बनकर मनोरंजन कर रहे हैं। अर्ध शिक्षित तथाकथित राजनेता व विद्रूप से लगने वाले दो बड़े धर्मों के धर्माचार्यों व तथाकथित सांस्कृतिक संगठनों के झंडाबरदारों ने एक-दूसरे पर चिल्लपो करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। टीवी वालों नें भी इनकी मुर्गा लड़ाई कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आखिर 24*7 चलने वाले चैनल्स उचित मानदंड वाली कितनी क सामग्री दिखा सकते है? उनकी भी मजबूरी है, धन एकत्रित करने के लिए, विभिन्न धार्मिक राजनीतिक आकाओं, धनदाताओं की इच्छयाओं का मान, जो रखना पड़ता है।

आगे बढ़ने से पहले कुछ प्रसिद्ध इतिहासकारों के इतिहास के सम्बन्ध में विचार जानना ठीक होगा। रोमिला थापर के अनुसार इतिहास अतीत की समझ व व्याख्या है। उनके अनुसार अतीत की यह समझ किसी की धारणाओं के, पूर्वाग्रहों,वर्तमानं परिपेक्ष के अनुसार नही होनी चाहिए। ई एच कार के अनुसार बिना जड़ (तथ्यों) के इतिहास व्यर्थ सामग्री है। इतिहासकार अतीत के तथ्यों को सजीवता प्रदान करता है। आर सी मजूमदार का मानना है कि इतिहास केवल प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित न हो। इरफान हबीब के अनुसार किताबें बदलने से या किसी के पूर्वाग्रहों से इतिहास नही बदलता। जवाहर लाल नेहरू के अनुसार इतिहास मनुष्य की बर्बरता से सभ्यता तक कि यात्रा है। वर्तमानं को समझने और भविष्य को गढने का साधन है। हेगेल के अनुसार इतिहास स्वतंत्रता की चेतना की प्रगति है। इतिहास वह मिट्टी नही जहां खुशियां उगती हों। खुशियों के दौर इतिहास के कोरे पने हैं। इतिहास अतीत की घटनाओं के कार्य-कारण की जांच करता है-- ऐसा किन कारणों से क्यों हुआ, उसके प्रभाव क्या रहे आदि-आदि।

इतिहास को दो भागों में बांट कर देखें तो एक भाग है सम्राटों, राजाओं, सामंतों का, उनकी रानियों, दरबारियों, राज पुरोहित व धार्मिक उच्चाधिकारियों की कहानियों का, अधिकारों का व उनके स्वार्थों, युद्धों का। दूसरा भाग है तत्कालीन समाजों के गठन, सामान्य मनुष्यों का वर्गीकरण, उनके माली हालातों का-उनके अधिकारों-दायित्वों व शोषण का- राज की ओर से उपलब्ध कराई गई सार्वजनिक सुविधाओं आदि का। इस प्रकार से इतिहास लिखने वालों को वाम पंथी कह कर, आजकल उनकी भी काफी मौखिक धुनाई टीवी चैनल्स पर होती है।

मुगल, भारत आने वाले कोई पहले विदेशी आक्रमणकारी या अपवाद नहीं थे। भारत पर प्राचीन काल से विदेशी आक्रमणकारियों के हमले होते रहे हैं। भारत की गंगा, यमुना व सिंघु घाटी की नदियों की सरसब्ज भूमि व फसलों के अनुकूल मौसम ने सदैव से ही बाहरी जनजातियों, कबीलों को आकर्षित किया है। ज्ञात इतिहास के अनुसार ईरान के राजा साइरस द्वितीय व डोरिअस प्रथम नें क्रमशः 550 व 518 ईसवी पूर्व आक्रमण किए। ईरानी शासकों नें उस समय के पश्चिमोत्तर भारत की राजनीतिक विश्रृंखलता का लाभ उठाया। इन क्षेत्रों के, तत्समय के सारे राजा अलग-अलग युद्ध कर हारे, अधीन हुए या राज्य खोए। सामूहिक रूप से युद्ध नहीं किया। गंधार, काबुल, बलूचिस्तान, हिंदुकुश पर्वत तक, सिंधु घाटी का क्षेत्र ईरानी साम्राज्य का भाग बन गया। शिक्षा का विश्वप्रसिद्ध केंद्र तक्षशिला, व्यापारिक महत्व का वर्तमानं पेशावर आदि शहर ईरानी अधिपत्य में थे।

ईरानी आक्रमणों के बाद मेसिडोनीइया के राजा अलेक्जेंडर (सिकन्दर) नें युनान, ईरान व रास्ते के समस्त राज्यों को परास्त कर, 326 इसवी पूर्व में भारत के उतरी, पश्चमी राज्यों पर आक्रमण किए। उसने पंजाब क्षेत्र में स्थित शक्तिशाली राजा पोरस, काश्मीर के राजा अभिसार को परास्त किया। गांधार जो वर्तमान पाकिस्तान के क्षेत्र में स्थित था उसके राजा को हराया। पंजाब, हरयाणा, राजस्थान क्षेत्र के कुछ अन्य राजाओं को हराया। अधीनता मानली उन्हें अपना क्षत्रप बना दिया। इन सब अपने अपने स्वार्थों, मतभेदों के कारण अलग-अलग लड़े और हारे। इन आक्रमणकारियों के अलावा, भारत में शक, कुषाण, हूण, तुर्क, मंगोल, अरब, अंग्रेज आदि अन्य विदेशी आक्रमणकारी भी। किन्तु कहानी कमोबेश सब की एक ही थी--उस समय के छोटे-छोटे राज्यों के राजाओं के अपने-अपने स्वार्थ थे, महत्वकांक्षाओं, प्रतिस्पर्धाओं, ईर्ष्याओं के कारण अलग-अलग लड़ते रहे और हारते रहे।

मौर्य साम्राज्य के कमजोर होने के बाद, शक या ईरानी-सीथियन मूल के जनजातीय लोग मध्य एशिया व युरोसियन घास के मैदानों से भारत आए थे। उनके आगमन का समय ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के आसपास माना जाता है। भारतीय राजाओं ने खानाबदोश शकों के खिलाफ सामूहिक रूप से युद्ध नहीं किया। विभिन्न राज्यों ने शकों के खिलाफ अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया दी। सात वाहन शासकों ने अवश्य शकों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उन्हें नर्मदा नदी से आगे नहीं बढ़ने दिया।

शकों के बाद उतरपश्चमी चीन व उज्बेकिस्तान क्षेत्र से कुषाण (काल 30 ईशा बाद से 375 ईसवी तक) भारत में आए। कुषाण शासकों ने शकों को पराजित किया। उनके कई क्षेत्रों को अपने साम्राज्य में शामिल किया। पेशावर, मथुरा उनके समय के प्रमुख नगर रहे। कला के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया। गांधार व मथुरा कला शैलियां उन्ही के काल में विकसित हुई। यहां की संस्कृति, धर्म पर काफी प्रभाव डाला। कुषाणों नें बौद्ध धर्म अपनाया और संरक्षण दिया। कुषाणों के प्रमुख शासकों में कनिष्क, विमा कडफिस और कुजुला कडफिस शामिल थे। कनिष्क नें कश्मीर में 72 ईस्वी में चौथी बौद्ध परिषद का आयोजन। शकों पर विजय की यादगार में, ईसवी वर्ष 78 में शक संवत चलाया, जो काल गणना के लिए भारत का सरकारी कलेंडर है। विमा कडफिस ने भारत में सोने के सिक्कों का प्रचलन किया।

5वी शताब्दी ईस्वी में, मध्य एशिया की ओर हूणों नें भारत पर आक्रमण किया। गुप्त साम्राज्य के राजाओं नें नें प्रारंभिक काल में इनका सामना किया किन्तु इनके आक्रमणों नें गुप्त साम्राज्य को छिन्न-भिन्न शक्तिहीन कर दिया। हूणों नें भारत के कई हिस्सों पर शासन किया। 8वी शताब्दी ईस्वी में इस्लामी धर्म मान ने वाले, अरब लोगों ने मोहमद बिन कासिम की अगुवाई में सिंध पर आक्रमण किया। अपना राज्य स्थापित किया। इस्लाम का प्रचार-प्रसार किया। 1005 से 1026 के बीच तुर्क शासक मोहमद गजनवी नें भारत पर 17 हमले किए थे। उनके हमलों का मुख्य उद्देश्य भारत की संपत्ति और संसाधनों को लूटना था। उन्होंने कई भारतीय राजाओं को परास्त किया। जयपाल, उसके पुत्र आनन्दपाल को पराजित किया। वर्ष 1021 में कनौज पर भी आक्रमण कर वहां के राजा को पराजित किया। 1025 में प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर को लूटा था। पंजाब, मुल्तान को गजनवी साम्राज्य का हिस्सा बनाया। गजनवी के हमलों नें भारत में इस्लामी शासन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई किन्तु उसने इस्लाम को थोपने के प्रयास नहीं किए।

मोहम्मद गौरी ने भारत के छोटे-छोटे राजाओं की आपसी ईर्ष्या, मिथ्या अहंकारों को पहचाना। इनका फायदा उठाकर उनको पराजित किया। सबसे पहले पंजाब पर कब्जा कर लिया। आईने अकबरी की कहानी के अनुसार, कनौज के जयचंद ने भी दिल्ली-अजमेर के राजा पृथ्वी राज के विरुद्ध सहायता के लिए मोहम्मद गौरी से सहायता ली किन्तु इसके अलावा उसका कोई प्रमाण समकालिक लेखन में नहीं मिलता। लोक कविता, कहानियों में जरूर संयोगिता स्वंयम्बर का उल्लेख होता आया है। गौरी नें दिल्ली-अजमेर के शासक पृथ्वी राज से 1191 में हारकर, फिर 1192 में तराइन की दूसरी लड़ाई में, पृथ्वीराज को परास्त किया। आंतरिक मतभेदों के चलते पृथ्वीराज चौहान को भारतीय राजाओं से गौरी के विरुद्ध अपेक्षित सहायता नही मिली। चंदावर के युद्ध में जयचंद को हराकर, कन्नौज राज्य को भी हथिया लिया। उसने भारत के कई हिस्सों पर अपने सूबेदारों के जरिए शासन किया । गौरी नें भारत में सल्तनत स्थापित की। उसने आने गुलाम कुतुब्दीन एबक को दिल्ली का सुल्तान बनाया। 15 मार्च 1206 को झेलम नदी के किनारे खोखर जाटों के कबीलाई लोगों ने उसकी हत्या कर दी। मुगल 16वीं शताब्दी ईस्वी में भारत आए और उन्होंने भारत में अपना साम्राज्य स्थापित किया। उनके प्रमुख शासकों में बाबर, हुमायूं, अकबर और शाहजहां शामिल थे।

बाबर 1519 से ही अपने घुड़सवारों के साथ भारत पर हमले कर रहा था। पंजाब में कुछ-कुछ स्थानों जैसे बाजोर, भीरा में पैर जमा चुका था। 1526 में पानीपत की पहली लड़ाई हुई, जिसमें उसने दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी को हराया। इतिहासकारों के भिन्न-भिन्न मत है कि लोदी के विरुद्ध कौन-कौन भारतीय राजा बाबर के सहायक थे। बाबर-राणा सांगा के खानवा युद्ध को लेकर वर्तमानं में कटु-अमर्यादित वाक युद्ध चालू है, उसको निष्पक्ष तरीके से देखा जाए तो निश्चिततः राणा सांगा अत्यंत बहादुरी से लड़े किन्तु वे हारे। राणा सांगा के साथ कुछ राजपूत राजा व दौलत खान आदि थे। दौलत खान को आशा थी बाबर उसकी सहायता कर वापिस लौट जाएगा किन्तु पानीपत के पहले युद्ध नें पाशा ही पलट दिया। वह तो भारत में जम गया। 15 मार्च 1527 का खानवा का युद्ध तलवार, भाले से युद्ध वाली शूरवीरता का युद्ध था ही नहीं। यह बारूद को उपयोग में लेने वाले तोप-बंदूकों से व तेज गति से दोड़ने वाले घोड़ों से लड़ा गया युद्ध था।

प्रश्न तो यह पूछने चाहिए कि भारतीय राजाओं के पास तोपें, बंदूकें क्यों नहीं थी? तत्समय के भारत के कोन कोन से राजा, राणा सांगा के साथ लड़े और कौन बाबर के सहयोगी या उदासीन रहे। बाबर जीत में उसका नेतृत्व कौशल भी था। उसने अपने सैनिकों के उत्साह हवर्धन करने के लिए, युद्ध क्षेत्र में शराब त्याग की घोषणा की।

18वीं शताब्दी ईस्वी में अंग्रेज भारत आए और उन्होंने भारत में अपना शासन स्थापित किया। उन्होंने भारत को अपनी उपनिवेश बनाया और 1947 तक शासन किया। इन सभी विदेशी ताकतों और शासकों ने भारत की संस्कृति, राजनीति और अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है। अगर हम इतिहास की मन की इच्छानुसार व्याख्या न करके, उस से सीखना चाहते है तो उन कमियों का विश्लेषण होना चाहिए जिनके चलते एक बाद एक विदेशी ताकतें आती रही और स्थानीय राजाओं को हराती रही।

इतिहास में तो अशोक महान के साथ चण्ड अशोक को भी पढ़ना पड़ेगा--एक अत्याचारी, बर्बर अशोक जो बौद्ध धर्म अपना कर विश्व विख्यात अशोक महान बना--आप पर निर्भर करेंगा, आप इन में से किसे अपना आदर्श बनाएंगे?? हर्ष नें बौद्ध धर्म को संरक्षण दिया किन्तु कुम्भ के मेले में अप्रिय घटनाएं हुई और बौद्धों का निष्क्रमण हुआ। यदि छुद्र मानसिकता का ही प्रदर्शन करना हो तो इस पर भी लड़ जा सकता है कि कुम्भ, राजा हर्षवर्धन के समय शुरू हुआ या आदि शंकराचार्य नें शुरू किया या यह समुद्रमंथन से जुड़ा हुआ है?? जजिया के नाम लड़ लो या टोडरमल के द्वारा किए भूमापन के क्रांतिकारी कदम की प्रशंसा कर लो। मुगलों के हरम पर बवाल मचा लो या फिर अकबर की धार्मिक सहिष्णुता में कुछ अच्छा देख लो। मुगलों के हरम में तो तत्कालीन कई राज्यों की राजकुमारियां थी। यह कोई अचंभे की बात भी नहीं। विश्वभर में कूटनीतिक आधार पर, राजपरिवारों में वैवाहिक सम्बन्ध होते रहे है। इसमें भारतीय राजाओं के राज्यों की और मुगल साम्राज्य, दोनों के हितो की पूर्ति हो रही थी। निःश्चित: औरंगजेब एक क्रूर, अत्याचारी शासक था, इतिहास में इस पर बहुत कुछ लिखा है, कोई भी पढ़ सकता है तो फिर अब क्या बवाल??

1950 से पहले भारत नाम की कोई राजनीतिक इकाई नहीं थी। गरीब, मजदूर, आम आदमी के अधिकार देने वाले और उनके संरक्षण के दायित्व तय करने वाला संवैधानिक राष्ट्र जैसा है वैसा भारत कभी नहीं था। हिमालय के दक्षिण में समुद्र तटों से घिरे भारत नाम के भौगोलिक भूभाग में अपवादों को छोड़कर, अनेकों छोटे-छोटे अत्याचारी, स्वेच्छाचारी, जनता का शोषण करने वाले शासकों के राज्य थे। यह अपने व्यक्तिगत लाभ-हानि-विद्वेषों के चलते लड़ते-भिड़ते रहते थे। इस लड़ने-भिड़ने में जनता का क्या हित था? जनता का तो अहित ही अहित था। शायद की किसी राजा के शासन में सार्वजनिक शिक्षा, उपचार की उचित व्यवस्थाएँ थी?? अशोक महान जैसे अपवाद तो गिने-चुने ही रहे हैं। स्वघोषित राष्ट्रवादी संगठनों द्वारा अशोक-हर्ष-अकबर-कई दूसरे अच्छे शासकों को आदर्श के रूप में क्यों नही प्रस्तुत किया जाता? गिने-चुने दो-चार राजाओं के चारों तरफ हिन्दू-मुसलमान करते रहते हैं।

इतिहास की दृष्टि से देखे तो, मध्य कालीन भारतीय समाज में जन्म से जाती, अस्पर्शयता, सतीप्रथा, दलितों के साथ अत्याचार, गैरबराबरी, शिक्षा पर एक छोटे से समूह का अधिकार व कुछ जातियों की शिक्षा तक पहुंच ही वर्जित, कर्म से कौशल के स्थान पर अनावश्यक पाखंडों जैसी बुराईयों पर कोई जन आंदोलन शायद भी हुआ?

भारत की जितनी आर्थिक लूट अंग्रेजों ने की उतनी किसी नें नही की। आर्थिक विषयों के जानकारों का मानना है कि मुगल काल में तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत की बहुत बड़ी हिस्सेदारी थी।

ऐतिहासिक दृष्टि से धर्मांतरण विचार करें तो चन्द्रगुप्त मौर्य ने जैन धर्म, अशोक-कनिष्क-हर्ष नें बौद्ध धर्म क्यो अपनाया? शायद उनको तत्समय के हिन्दू धर्म में बहुत कुछ अनावश्यक लगा होगा। अब तो सनातन गांव से लेकर सनातन राष्ट्र तक की घोषणाएं ही रही है। वैसे सनातन है क्या--वैदिक धर्म या पौराणिक धर्म या फिर कुछ ओर? आम आदमी को बड़ी कुर्बानियों के बाद, उसे अधिकार को देने वाला, उनका संरक्षण करने वाला, आज का संवैधानिक भारत मिला है। आज, जी-जान से उसकी रक्षा ही राष्ट्र धर्म है बाकी सब वर्चस्व व वोट के लिए स्वांग मात्र है।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

दक्षिण-पश्चिम कमान ने जयपुर में अपना 21वां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर। 15 अप्रैल 2005 को स्थापित हुई सप्त शक्ति कमान ने जयपुर में अपना 21वां स्थापना दिवस मनाया। सप्त शक्ति कमान भारतीय सेना की सातवीं और सबसे युवा कमान है। पिछले 21 वर्षों में सप्त शक्ति कमान ने सफलता की ऊंचाइयों को छूते हुए पश्चिमी सीमाओं पर मज़बूत सुरक्षा स्थापित की है।

सर्वदा विजयी भव के आदर्श के साथ इस कमान ने न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि ऑपरेशनल प्रिपेयर्डनेस और प्रोफेशनल एक्सीलेंस के उच्चतम मानकों को भी प्राप्त किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि सुदृढ़ प्रशिक्षण, नवीन तकनीकों को शामिल करने तथा नवीन तकनीकी एवं सामरिक प्रक्रियाओं के विकास से संभव हुई है। इन्हीं प्रयासों से, यह कमान भविष्य के युद्धक्षेत्र की चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए एक फ्यूचर-रेडी, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन, लीथल और एजाइल फोर्स के रूप में उभरी है। स्थापना दिवस के अवसर पर प्रेरणा

स्थापना दिवस पर प्रेरणा स्थल पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई।

स्थल पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया जिसमें देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। यह आयोजन कमान की मूल भावना में निहित वीरता और निःस्वार्थता का एक मार्मिक स्मरण था।

इस अवसर पर, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमान ने सभी रैंकों, पूर्व सैनिकों, रक्षा कर्मचारियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं और बधाई दी।

■ सप्त शक्ति कमान भारतीय सेना की सातवीं और सबसे युवा कमान है

उन्होंने कमान की इस गौरवशाली यात्रा में योगदान देने वाले सभी भूतपूर्व और वर्तमान सैनिकों के निस्वार्थ समर्पण, साहस और बलिदान की सराहना की। उन्होंने भारतीय सेना की सबसे युवा कमान को इतने कम समय में विशिष्ट पहचान, गौरवपूर्ण विरासत स्थापित करने तथा सफलता के शिखर पर पहुँचाने में उनके अहम योगदान को सराहा। अपने संबोधन में आर्मी कमांडर ने कहा कि कमान ने सेना की दूरदृष्टि के अनुरूप स्वयं को ढालते हुए, नई रणनीतियों को अपनाकर और मल्टी-डोमेन ऑपरेशनों के समन्वय के माध्यम से अपनी ऑपरेशनल प्रिपेयर्डनेस को सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने नई तकनीकों के समावेश की आवश्यकता पर बल देते हुए कमान द्वारा किए गए प्रयासों एवं इंफ्रास्टक्टर डेवलपमेंट से जुड़ी विभिन्न पहलों को रेखांकित किया।

आर्मी कमांडर ने कहा कि वेटरन्स और वीर नारियां कमान की निरंतर प्रेरणा और शक्ति रही हैं और उनका वेलफेयर कमान की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उनके कल्याण एवं सशक्तिकरण हेतु अब तक की गई पहलों तथा भविष्य में प्रस्तावित योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। आर्मी कमांडर ने कमान के प्रत्येक सदस्य से राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा हेतु स्वयं को पुनः समर्पित करने का आव्हान किया और नई चुनौतियों का अद्वितीय व्यावसायिकता एवं साहस के साथ सामना करने का संदेश दिया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे एक साथ मिलकर, एक ही उद्देश्य और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तथा हमारे लोकतंत्र की नींव को मजबूत करें और कमान के आदर्श-सर्वदा विजयी भव का दृढ़ता से पालन करें।

राशिफल

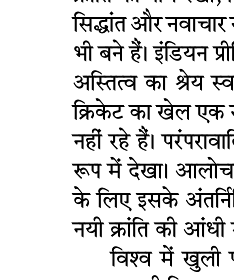

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 16 अप्रैल, 2025

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र गुरुवार प्रातः 5:55 तक, व्यतिपात योग रात्रि 12:18 तक, विष्टि करण दिन 1:18 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से गुरूवार प्रातः 05:55 तक है। राजयोग दिन 1:18 तक है। आज भद्रा दिन 1:18 तक है। आज संकष्ट चतुर्थी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:02 तक है। आज व्यतिपात पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:16 तक, शुभ 10:51 से 12:27 तक, चर 3:37 से 5:12 तक, लाभ 5:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:47

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। पारिवारिक परेशानियों के कारण तनाव रहेगा।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों का सहयोग मिल सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सार-समाचार

'गर्मी एवं हीटवेव से बचाव करें' यलो अलर्ट जारी किया

जालोर, (कासं)। भारतीय मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में गर्मी के चलते कई जिलों के रहवासियों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है,उसी को दृश्टिगत रखते हुए जिलेभर में कार्यरत/संचालित सभी प्रकार के संस्थानों को अपील जारी की गई हैं कि वे अपने प्रोजेक्ट/कार्यस्थल पर कार्यरत श्रमिकों के लिए गर्मी से बचाव के लिए विषेश उपाय व इंतजाम करें ताकि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर गर्मी का प्रभाव कम पड़ें। श्रम कल्याण अधिकारी जालोर मनोहर सिंह कोटड़ा ने बताया कि श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर ठंडे एवं स्वचछ पेयजल की उचित व्यवस्था की जावें। दोपहर 11 बजे से सायं 5 बजे तक गर्मी के अत्यधिक असर को देखते हुए कार्य के दौरान व्यवस्थित रूप से छाया की व्यवस्था की जावें अथवा विश्राम दिया जावें ताकि कोई कामगार बीमार न पडे। इस भंयकर गर्मी में श्रमिकों को समय पर भोजन लेने तथा नियमित विश्राम के लिए अवकाष दिया जावें। आवश्यकता होने पर श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए निकटतम हॉस्पीटल से संपर्क स्थापित कर श्रमिकों को आवष्यक मेडिकल सुविधाएं प्रदान की जावें। उन्होंने नियोजकों से अपील की हैं कि वे श्रमिकों व कामगार के लिए इन निर्देषों की पालना सुनिश्चित करें।

धानसा में डॉ.अम्बेडकर जयंती मनाई

जालोर, (कासं)। निकटवर्ती धानसा गांव में डॉ.भीमराव अम्बेडकर की 134 वी जन्म जयन्ती गाजे बाजे के साथ रवाना रैली निकाली गई। डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर निकाली गई रैली गाँव की मुख्य गली चौराहे से होते हुए भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर एक भव्य रैली निकाली गई। इस रैली में जय भीम के नारों के साथ बडी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रैली में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। प्रतिभागियों ने बाबा साहब की तस्वीरें और झंडे लेकर मार्च किया। उन्होंने सामाजिक समरसता, समानता और अधिकारों के लिए आवाज उठाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अंबेडकर के सामाजिक न्याय, शिक्षा और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढाना था। वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने की अपील की। रैली पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित रही। कार्यक्रम में के.डी ग्रुप के कुलदीप सिंह राठौड, रमेश तरीगर अध्यक्ष , दिपाराम मेघवाल,सुजाराम मेघवाल, डुंगाराम मेघवाल, महेन्द्र पालीवाल, समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।रैली में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। प्रतिभागियों ने बाबा साहब की तस्वीरें और झंडे लेकर मार्च किया।

स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

धोरीमना, (निसं)। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती सप्ताह के अंतर्गत विश्व हिन्दू परिषद्, सेवा भारती व आरोग्य भारती धोरीमना के तत्वाधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित हुआ। विहिप के प्रखण्ड मंत्री बीरबल जाणी ने बताया है कि सेवा है यज्ञ कुण्ड समिधा सम हम जले की भावना से बाबा साहब की जयंती के अवसर पर सेवा बस्ती में जाँच शिविर आयोजित किया गया। डॉ. भगवती पुनियाँ ने बताया कि बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन सहित अन्य जांचे आवश्यकता नुसार की गई और नि:शुल्क दवाईयाँ वितरित की गई। बडी संख्या में मातृशक्ति व बच्चे बुजुर्ग जाँच शिविर में पहुँचे।सेवा भारती की ओर से हरीश सोलंकी व अशोक सोनी उपस्थित रहें। उससे पूर्व तेजसिंह चौहान, अनिल सेठिया,मास्टर गिरधारीलाल कुलदीप व राणाराम राजपुरोहित के आथित्य में शिविर का शुभारम्भ हुआ।

डोटासरा व टीकाराम जूली का सर्किट हाउस में स्वागत किया

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली के पाली आगमन पर सर्किट हाउस में प्रदेश कांग्रेस सेवादल उपाध्यक्ष मोहन हटेला एवं सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में सेवादल कार्यकर्ताओं द्वारा सेवादल संगठन की ओर से केप व सूत की मला पहनकर सेवादल परम्परागत स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक भीमराज भाटी, जिला कांठोस अध्यक्ष अजीज दर्द, लोकसभा कांठोस प्रत्याशी एवं पूर्व राज्य मंत्री श्रीमती संगीता बेनीवाल, पूर्व सांसद बद्री राम जाखड़, पीसीसी सदस्य महावीर सिंह राजपुरोहित, पाली प्रभारी हिमपाल सिंह देवल, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीवराज बोराणा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर घनश्याम भाटी, गुलाब सोडा, आमीन अली रंगरेज, धनराज आर्य, गिरधारी लाल मीणा, धन्नाराम सरगरा, सोहनलाल पालीवाल, नेमाराम सुथार, इब्राहिम शाह सहित सेवादल पदाधिकारी ने स्वागत किया।

परिवेदनाओं की समीक्षा बैठक कल

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई एवं समस्याओं के त्वरित, गुणात्मक एवं सकारात्मक निराकरण के लिए व्यापक कार्यक्रम एकी.त परिवाद निवारण प्रणाली ''अटल जन सेवा शिविर'' के तहत 17 अप्रेल, गुरूवार को प्रात: 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के भारत निर्माण सेवा केन्द्र पर वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं की समीक्षा बैठक तथा जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित होगी। जानकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेश मेवाड़ा ने दी।

नरेगा कार्यों का समय परिवर्तित

जालोर, (कासं)। गर्मी को देखते हुए महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कार्यों का समय परिवर्तित कर प्रात: 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया। कलैक्टर-जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि जिले में गर्मी के मौसम को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कार्यों का समय तुरन्त प्रभाव से प्रात: 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक (विश्राम काल रहित) निर्धारित किया गया है। यदि कोई श्रमिक समूह समय से पूर्व निर्धारित टास्क के अनुसार कार्य पूर्ण कर लेता है तो वह कार्य की माप मेट के पास उपलब्ध मस्टरोल में अंकित टास्क प्रपत्र में करवाने के उपरांत एवं समूह के मुखिया के हस्ताक्षर उपरांत कार्यस्थल छोड़ सकता है।

हीट वेव के लिए प्रभारी नियुक्त

पाली, (नि.सं.)। हीट वेव व लू-तापघात संबंधी सूचनाओं के लिए जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट के 126 नंबर कक्ष कंट्रोल स्थापित है। अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह ने बताया कि जिला स्तर पर संचालित कन्ट्रोल रूम में अधिकारी व कार्मिक को नियुक्त किए समस्त अधिकारी/कार्मिक को निर्देशित किया गया है कि वे 10 अप्रैल 2025 से पूर्व में स्थापित कन्ट्रोल रूम के कार्य के साथ-साथ हीट वेव (लू-तापघात) संबंधित समस्त सूचनाओं का संकलन करेंगे। जिसके नियंत्रण कक्ष प्रभारी रामदयाल राठौड, मुख्य आयोजना अधिकारी, पाली दूरभाष एवं नियंत्रण कक्ष संख्या व कक्ष 126 रहेगा।

निर्धारित समय सीमा में कार्यों को पूर्ण करें : प्रदीप के. गावंडे

जालोर के कलैक्ट्रेट में कलैक्टर डॉ.प्रदीप के.गावंडे ने अधिकारियों की साप्ताहिक बैठक ली। फोटो राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बजट घोषणा वर्ष 2025-26 एवं बजट घोषणा वर्ष 2024-25 की क्रियान्वयन प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्वित्ती प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्यों को पूर्ण करें।

बैठक में जिला कलैक्टर ने बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के तहत जालोर शहर में रिंग रोड़ निर्माण कार्य, सरनाऊ में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना, केशवना-जालोर में घुमंतु-अर्द्धघुमंतु समुदाय के बच्चों के लिए छात्रावास निर्माण सहित विभिन्न बजट घोषणाओं के संबंध में बिंदुवार चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने की बात कही।

जिला कलैक्टर ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, युवा एवं खेल मामले विभाग, पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं को तय समय सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को ग्राम एवं ब्लॉक स्तर पर अटल जन सेवा शिविर के तहत आयोजित होने वाली जनसुनवाई के दौरान आमजन से प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करने की बात कही।

जिला कलैक्टर ने गर्मी के मौसम को देखते हुए क्षेत्र में सुचारू पेयजल, विद्युत एवं चिकित्सा व्यवस्था बनाएं रखने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिदंबरा परमार, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. गिरधर सिंह सोढा, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, आरसीएचओ डॉ. राजकुमार सहित कई जने उपस्थित रहे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित

जालोर, (कासं)। जल जीवन मिशन के तहत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की 34वीं बैठक जिला कलक्टर प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने ओटीएमपी एवं नर्मदा पेयजल परियोजना के प्रोजेक्ट का रिव्यू कर नर्मदा परियोंजना के अधीक्षण अभियंता लिच्छूराम चैधरी को लक्ष्यानुसार अधिकतम मासिक नल कनेक्शन जोड़ने के निर्देश दिए।

उन्होंने एफआर एवं ईआर कलस्टर के संवेदकों से प्रगतिरत उच्च जलाशय के निर्माण में लग रहे समय को कम करने के लिए टीम वर्क बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाईपलाईनों की समय पर टेस्टिंग का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कर पेयजल सप्लाई सुचारू करें ताकि अधिकतम नल कनेक्शन जोडे जा सके एवं ग्रामीण सड़कों की रिपेयरिंग का कार्य भी पूर्ण हो सकें।

डीडब्ल्यूएसएम के सदस्य सचिव पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता, वृत जालोर संजय शर्मा ने पूर्व बैठक की पालना रिपोर्ट की जानकारी देते हुए जल जीवन मिशन की प्रगति रिपोर्ट पीपीटी में प्रस्तुत कर बताया कि जिले में नर्मदा परियोजना के डीआर, ईआर, एफआर, सीलू-जैसला-भाटकी तथा ओटीएमपी योजनाओं के अंतर्गत जिले के 793 गांवों के घरों में कुल 3,17,283 नल कनेक्शन दिये जाने प्रस्तावित हैं, इसमें वृहद परियोजना अंतर्गत 3,03,982 लक्ष्य की तुलना में 1,32,809 तथा ओटीएमपी योजनाओं अंतर्गत 13,301 लक्ष्य की तुलना में 11,890 तक नल कनेक्शन जोडे. जा चुके है। बैठक में नर्मदा के अधीक्षण अभियंता लिच्छूराम चैधरी को बेहतर मोनिटंरिग करने के लिए निर्देशित देते हुए कहा कि संवेदक कंपनियों से आगामी मासिक प्लान तैयार करवाकर तद्नुसार कार्य पूर्ण करावेंख ताकि जन समुदाय की शिकायतो का समाधान किया जा सकें।

जिला कलैक्टर ने डीआई पाईप की जानकारी लेकर संवेदकों को निर्देशित किया कि एफआर कलस्टर में 36 उच्च जलाशयों को अभी तक शुरू ही नही किया है, वहाँ संवेदक श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। नर्मदा के अधीक्षण अभियंता द्वारा जिले में दो स्थानों पर विद्युत हाईटेंशन लाईन हटाने की जानकारी देने पर जिला कलक्टर ने डिस्कॉम के अधिशासी अभियंता एन.एल. सुथार को शीघ्र विद्युत हाईटेंशन लाईन हटाने के निर्देश दिए।

बैठक में अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिदम्बरा, वन विभाग से भंवरसिंह, शिक्षा विभाग से नवीश माथुर, कृषि विस्तार विभाग से रामलाल जाट, भू-जल विभाग से गणपतलाल, अधिशासी अभियंता व तकनीकी सहायक जितेन्द्र त्रिवेदी, अधिशासी अभियंता परियोजना खण्ड भीनमाल बलवीर सैनी, अधिशासी अभियंता एवं त.स. परियोजना दिलीप गोपलानी, जिला सलाहकार डीएसयू दीपक कुमार, आईएसए से कैलाश शर्मा, टीपीआई जेजेएम से बी.एस.यादव तथा पीएचईडी परियोजना के संवेदक एसपी यादव, एलएन यादव आदि मौजूद रहे।

डबोई के ग्रामीणों ने विरोध जताया

धोरीमना, (कासं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत डबोई राजस्व ग्राम पांडव नगर को ग्राम पंचायत बोर्ड चारणान में स्थानान्तरण करने से रोकने व मूल ग्राम पंचायत डबोई में यथावत रखने के संबंध में उपखंड अधिकारी भागीरथ राम बिश्नोई ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि जबकि यहां की स्थानीय राजनीतिक द्वारा अपनी व्यक्तिगत हित को फायदा लेने के लिए जानबूझकर बिना किसी ठोस आधार एवं ग्रामवासियों की बिना सलाह के बावजूद भी राजस्व ग्राम पंचायत पाण्डव नगर को डबोई ग्राम पंचायत से निकालकर बोर चारणान ग्राम पंचायत मे जोडकर ग्रामीणो साथ कुठाराघात किया जा रहा है जो सरासर गलत है इसीलिए शासन प्रशासन से को दृष्टियों को प्रथम दृष्टया नजदीकी होने के कारण एव जनभावना को ध्यान मे रखते हुए पहले वाली ग्राम पंचायत डबोई मे यथावत रखा जावे। पूरे ग्रामवासियो का जुडाव डबोई ग्राम पंचायत की और रहता है पूरा पांडव नगर डबोई मुख्यालय से दो किलोमीटर दायरे मे स्थित है। मूल ग्राम पंचायत डबोई मे वापिस सम्मिलित कर न्याय दिलवाने की अनुमति प्रदान कर वाये आपत्ति का शीघ्र निस्तारण नही किया जाता है । तीन दिन के बाद सम्पूर्ण ग्रामवासी उपखंड मुख्यालय के आगे अनिश्चितकालीन भूख हडताल पर बैठ जायेगे । जिसकी तमाम प्रकार की जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी । इस दौरान भीयाराम गोदारा समाज सेवी,चौखाराम मेघवाल वार्ड पंच, सुरेश कुमार विश्नोई वार्ड पंच, हनुमान राम आसू , सहित ग्रामीण सैकडो की संख्या में उपस्थित रहे।

गैबनशाह गाजी का उर्स मनाया

जालोर में हजरत गैबनशाह गाजी दरगाह के उर्स में जायरिनों की भीड़ उमड़ी। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर स्थित हजरत शहीद गैबनशाह गाजी रहमतुल्ला अलैह का दो दिवसीय सालाना उर्स मुबारक सोमवार रात्रि को बडे शान ए शौकत के साथ मनाया गया। जिसमें हिंदुस्तान के मशहूर फनकार अमन अफजल साबरी मुंबई (महाराष्ट्र) ने शिरकत कर या अली अली.... या नबी नबी व ख्वाजा का करम....के बेहतरीन कलामात पेश कर महफिल को खुशनुमा बना दिया । उर्स को लेकर जायरिनो की काफी भीड नजर आई।

दरगाह इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष मुजफ्फर अली ने बताया कि पहले दरबार ए गरीब नवाज अजमेर शरीफ के शाही कव्वाल अमजद हुसैन व असलम हुसैन ने सूफियाना अंदाज में अपने कलामात पेश किये। उसके बाद पगडी बंध कव्वाल इरफान तुफैल ने लोगों की पसंद के बेहतरी तराने कव्वाली के माध्यम से गुनगुनाये। उसके बाद हिंदुस्तान के मशहूर फनकार अमन अफजल साबरी ने बेहतरीन अंदाज में कलामात पेश कर रात भर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वही दरगाह के पगडीबंध कव्वाल ईरफान तुफैल ने भी गैबनशाह बाबा की शान में कई कव्वालिया पेश कर समा बांधा। इसके बाद अमन अफजल साबरी मुम्बई कव्वाल ने ईमाम हुसैन, आका ए रसूल व ख्वाजा गरीब नवाज की शान में एक से बढकर कव्वालिया पेश कर मोमिनो को अल सुबह तक बैठने पर मजबूर कर दिया । वही उर्स में आए हुए अतिथि कांग्रेस जिलाध्यक्ष भंवर लाल मेघवाल, वीरेंद्र जोशी महा सचिव कांग्रेस आहोर, पीर सिंह मंडल अध्यक्ष का मुजफर अली, मुमताज अली, आशिफ खोखर, गुलजार अली, शहजाद खान मेल नर्स प्रथम , नाहिद अली,मोहजिद मलिक ने साफा व माला पहनाकर बहुमान किया गया। रौनक ए महफिल गद्दी नसीम खादिम सैयद सलाउद्दीन संजरी, सैयद माहिर संजरी अजमेर शरीफ का गुलपोशी कर स्वागत किया। अलसुबह कुल की रस्म के साथ उर्स का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन नूर मोहम्मद ने किया।

इस मौके मुजफर अली, मुमताज अली, आशिफ खोखर, गुलजार अली, शहजाद खान, मोहजिद मलिक, नाहिद अली, रमजान खान,नवाब सिलावट, पिंटू भाई,बंटी भाई, अयूब शेख,मुश्ताक सिलावट,महबूब भाई,रसूल खान, मुश्ताक खान, आमीन मेहर, दरगाह कमेटी के सभी सदस्य सहित काफी संख्या में जायरीन मौजूद रहे।

विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित

पाली, (नि.सं.)। मंगलवार को जिला परिषद् सभागार में हुई जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) बैठक में लंबित मामलों के निस्तारण न होने पाली सांसद और वन नेशन-वन इलेक्शन की संयुक्त संसदीय समिति अध्यक्ष पीपी चौधरी ने खासी नाराजगी प्रकट की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि हर बैठक में पिछली बैठकों के लंबित मामले सामने आ आते हैं। तय की गई समय सीमा के बावजूद भी उस समस्या या मांग का निदान नहीं हो पाता है और अधिकारी हर बार कोई न कोई बहाना लेकर आ जाते हैं। क्या आप सभी अपने घरेलू कार्यों को भी इस तरह खींचते रहते हैं। अगर नहीं तो फिर सरकारी कामों में ऐसी ढिलाई क्यो, आपकी उदासीनता के कारण हजारों की संख्या में आम जनता प्रभावित होती हैं। सांसद चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के समठा विकास के लिए सभी अधिकारी सक्रिय रहकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना सुनिश्चित करें और तय समय सीमा में हर कार्य एवं समस्या का समाधान हो।

उन्होंने बैठक में कहा कि जल जीवन मिशन में हुए 125 करोड़ के घोटाले में जो भी लिप्त है, उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जावें। साथ ही अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कार्य समय सीमा में पूर्ण हो व गांव व ढाणियों मे रह रहे आमजन को निश्चित समय सीमा मे पेयजल उपलब्ध हो और यह भी सुनिश्चित करें कि पेयजल लाईन बिछाते समय गांव व शहरों मे सडक क्षितठास्त होने पर उसकी शीघ्र ही मरम्मत करवायें जिससे आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने बैठक मे जल जीवन मिशन के तहत अधिक से अधिक कनेक्शन जारी करने, पीएम आवास योजना (ग्रामीण) में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा कार्यां की मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए।

केन्द्रीय विद्यालय के नवीन भवन में चले सत्र: सांसद चौधरी ने केन्द्रीय विद्यालय के नवीन भवन से जुड़े लंबित कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर हाल में नवीन भवन में शिक्षा सत्र आरंभ हो। कोई भी समस्या आ रही है तो मुझे बिना देरी किए अवगत करवाया जाए ताकि उसके निदान हेतु मैं अपनी ओर से कार्यवाही कर सकूं। अभिभावकों और विशेष कर पाली जिले के विद्यार्थियों को राहत मिले, इस दिशा में चाहे शिक्षा विभाग हो या जलदाय विभाग, सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने गर्मी को मौसम को देखते हुए जलदाय विभाग एवं जल जीवन मिशन से जुड़े अधिकारियों को विशेष प्लान बनाने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को पेयजल के लिए परेशानी न उठानी पड़े। वहीं पशुओं के लिए पानी की समुचित व्यवस्था के भी निर्देश दिए। अवैध बजरी खनन को लेकर सांसद चौधरी ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आए दिन अखबारों में मामले प्रकाशित होते रहते हैं, ग्रामीणों की भी शिकायतें मिलती रहती हैं, इसके बावजूद भी अवैध खनन रूक नहीं रहा है। बैठक में मौजूद एसपी चुनाराम भाट को उन्होंने इस सबंध में ठोस कार्यवाही करने के दिशा-निर्देश दिए। वहीं पूरे जिले में रेलवे अंडर ब्रिज के जल भराव की समस्या सहित क्षितठास्त सड़कों, रपटों एवं पुलिया निर्माण, मुंडारा-देसुरी राजमार्ग सडक नवनिर्माण कार्य में देरी, घटिया निर्माण सामग्री के कारण पुलों में आई दरारें जैसे अनेक मुद्दों पर बिंदूवार चर्चा हुई।

पोस्टर का विमोचन किया

जालोर, (कासं)। जालोर के निर्माता व निर्देशक गोपाल देसाई तथा दिनेश राजपुरोहित एवं को-प्रोड्यूसर पूजा देसाई की हिन्दी फिल्म ऐकलो रबारी के पोस्टर का विमोचन कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित हुआ।

आयोजनकर्ता आशीष बोराणा ने बताया कि मंगलवार को मुंबई से एक्टर गोपाल देसाई जालोर पहुंचे व दिनेश राजपुरोहित, डॉ.रामेश्वरी चौधरी, हेमंत फिडौदा, डिम्पल, गर्वित फिडौदा, सात्विक, रामकिशोर, पुनमाराम देवासी, आशीष बोराणा, फिरोज खान, चारुल शर्मा व देवासी समाज छात्रावास जालोर के युवा बंधु सहित कई लोग कार्यक्रम मे शामिल हुए।

जानकारी के अनुसार देसाई व दिनेश राजपुरोहित इससे पहले भी कई राजस्थानी, गुजराती, तेलगु व अन्य रीजनल व हिंदी सिनेमा के फिल्मों का सफल निर्देशन कर चुके हैं।

जालोर में जिला कांग्रेस भवन का लोकार्पण व कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ

जालोर, (कासं)। जालोर जिला कांग्रेस के पुन: निर्मित कार्यालय राजीव गांधी भवन का लोकार्पण के प्रदेशाध्यक्ष गोविद सिंह डोटासरा व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने किया। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन श्री मलकेश्वर मठ में भी शिरकत की।

वैभव गहलोत, पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, पूर्व अध्यक्ष जन अभियोग निराकरण समिति पुखराज पाराशर, पूर्व विधायक संयम लोढा, जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, पाली विधायक भीमराज भाटी, रमिला मेघवाल, सरोज चौधरी, युवा कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर शूरा, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुमताज अली, प्रदेश महासचिव मोहन डागर, जिला सह प्रभारी हरिश परिहार, नैन सिंह राजपुरोहित, उम सिंह राठौड, लाल सिंह धानपुर, ईशराराम विश्नोई,शहजाद अली,भूराराम सीरवी,श्रवण पटेल,नत्थू खान, हिन्दू सिंह दूङ्गवा, जुल्फिकार अली,कल्याण सिंह बोकडा, जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत,भोमाराम मेघवाल, वीरेंद्र जोशी,सवाई सिंह चम्पावत, गलबराम मीणा,सेवादल जिलाध्यक्ष भेरूपाल सिंह,नगराध्यक्ष मुमताज अली,लक्ष्मण सिंह सांखला, बसंत सुथार, रमेश सोलंकी,चुन्नीलाल गहलोत,खसाराम मेघवाल,अनिल पंडत,सुरेश मेघवाल, सुरेश चौधरी, ममता जेन, सुष्मिता गर्ग, शीला चौधरी, सोनाराम मेघवाल, बस्तीमल चौहान, भवर सिंह बालावत,आम सिंह परिहार, जवानाराम परिहार, पीर सिंह मालपुरा, प्रेम सिंह मीठडी,आसुराम देवासी, शैतान सिंह धनानी,गोपाल देवासी सुल्तान खान भाटी, रामराम चौधरी, प्रवीण विश्नोई,मांगीलाल प्रजापत,महेंद्र सोनगरा, उम्मेद सिंह चारण, सुरेश माली,सुरेश कलमाडी, अब्दुल रज्जाक,ईश्वर सिंह बालावत सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सांसद चौधरी ने प्रेसवार्ता की

पाली, (नि.सं.)। सांसद पी.पी. चौधरी ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जो लोग लूट-खसोट करने में लगे हुए थे, उन्हें इस कानून के माध्यम से बाहर किया जा रहा है।

जोधपुर शहर के भीतरी क्षेत्र में विभिन्न मोहल्लों में धींगा गंवर की पूजा धूमधाम से हो रही है तथा साथ ही परकोटे के बाहरी क्षेत्रों में भी तीजणियों का उत्साह देखते ही बनता है। मसूरिया क्षेत्र में रामदेव भवन में कलावती पुरोहित, अंजू व्यास, आशा रामदेव, सरोज रामदेव, श्यामा, सरोज, श्वेता, ज्योति, सविता, वैशाली, आशिमा, संतोष, शीतल और मंजू सहित तीजणियों पारम्परिक तरीके से नखराली गणगौर पूजन में सहभागिता कर रही है।

हाजियों का प्रशिक्षण 20 को

जालोर, (कासं)। राजस्थान राज्य हज कमेटी की ओर से हज-2025 में चयनित हज यात्रियों को हज यात्रा के लिए प्रशिक्षण एवं आवश्यक टीकाकरण कार्यक्रम 20 अप्रेल को मदरसा अहले सुन्नत रजविया, एम.पी.रोड़ भीनमाल में आयोजित किया जाएगा।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि जालोर जिले से हज-2025 के लिए चयनित 22 हाजियों को हज यात्रा के दौरान किए जाने वाले विभिन्न गतिविधियों, टीकाकरण एवं व्यवस्थागत निर्देशों की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए जिला प्रभारी एवं सदस्य स्टेट हज कमेटी द्वारा 20 अप्रेल, 2025 को प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण सम्बंधित अधिक जानकारी सदस्य स्टेट हज कमेटी एवं जिला प्रभारी जालोर हाजी खां मेहर के मोबाईल नम्बर व कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड़, जालोर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।

पाली में 1111 परिंडे बांटे

पाली जिला कलेक्टर एल एन मंत्री ने जांगिड़ नवयुवक मंडल समिति के सहयोग से 1111 परिंडों के वितरण कार्य का शुभारंभ किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे परिंडा अभियान को भामाशाहों और समाजसेवी संस्थाओं का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस अभियान के तहत, जिले में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जा रहे हैं ताकि उन्हें गर्मी के मौसम में पानी मिल सके। जिला कलेक्टर एल एन मंत्री ने जांगिड़ नवयुवक मंडल समिति के सहयोग से जवाली ग्राम पंचायत के 1111 परिंडों के वितरण कार्य का शुभारंभ किया।

परिंडा अभियान के जिला सयोजक सोहनलाल भाटी ने बताया कि परिंडों का वितरण जांगिड़ नवयुवक मंडल समिति द्वारा जवाली ग्राम पंचायत में 1111 परिंडे वितरित किए गए। भामाशाहों का सहयोग सज्जन राज धरोलिया समाजसेवी ने 500 परिंडे जिला प्रशासन को सुपुर्द किए। जिला कलेक्टर एल एन मंत्री ने अपील की है कि इस अभियान के तहत जिले में एक लाख परिंडे आसानी से लगाए जा सकते हैं। समाजसेवी संस्थाओं की भागीदारी जांगिड़ नवयुवक विकास समिति जवाली के युवा अध्यक्ष गुलाब जांगिड़ लुंजा और अन्य सदस्यों ने इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई है। उद्देश्य पक्षियों को गर्मी के मौसम में पानी उपलब्ध कराना है और जिला प्रशासन और समाजसेवी संस्थाएं मिलकर काम कर रही हैं। इस अवसर पर महेन्द्र बोहरा, अर्जुन मेहता, विकास बुबकीय, सज्जन धरोलिया एवं जांगिड़ नवयुवक विकास समिति जवाली के युवा अध्यक्ष गुलाब जांगिड़ लुंजा, सचिव कृष्ण कुमार सांड, मौजूद रहे।

For Sale/eAuction: Fire Damaged WIP & FG Stock of Furniture (Woden & Iron Scrap) (As per List Attached) lying at Plot No.C-64A, M.I.A. (i.e Marudhar Industrial Area) Phase- II Basni Jodhpur Rajasthan -342005. Contact Person for Physical Inspection -Mr. Prem Singh Bhati-9928409222 Last Date For Inspection & EMD Deposit 21.04.2025 & Date Of E-auction-22.04.2025 (3PM), Auctioneer: Meenakshi Gupta- 9625137014 (Insurance Claim Material Will Be Sold On 'As Is Where Is', 'Whatever There Is 'And' No Complaint' Basis)
For More Details:
Support@Salvagemanagers.Com
www.Salvagemanagers.Com

सीकर कृषि उपज मंडी में स्ट्रीट लाइट के तारों में स्पार्किंग से आग लगी

आग लगने से दुकान में रखे फल-फ्रूट सहित लाखों का अन्य सामान जलकर राख हुआ

सीकर, (निसं)। शहर की कृषि उपज मंडी में देर रात अचानक आग लग गई। आग लगने से मंडी में अफरा-तफरी मच गई। आग की घटना कृषि उपज मंडी स्थित गौरी शंकर सुभाष चंद्र सैनी की फल-फ्रूट की दुकान में हुई, जिससे लाखों रुपए के फल-फ्रूट, फलों की सैकड़ों कैरट और अन्य सामान जलकर राख हो गया।

कृषि मण्डी में लगी आग के बाद धुंआ दूर तक दिखाई दिया।

- व्यापारियों ने कृषि मंडी का मुख्य गेट बंद कर आक्रोश जताया, मुआवजे व मंडी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग की

कृषि मंडी के व्यापारी गोविंद सैनी ने बताया कि बीते दिन दोपहर को स्ट्रीट लाइट के तार ठीक करने के लिए बिजली विभाग के कर्मचारी आए थे, लेकिन कर्मचारियों ने स्ट्रीट लाइट के तारों को सही तरीके से दुरुस्त नहीं किया। इसके बाद व्यापारियों ने तार ठीक कर रहे कर्मचारियों को तार सही से दुरुस्त करने की शिकायत की लेकिन कर्मचारियों ने व्यापारियों से अभद्र भाषा में बातचीत करते हुए तारों को सही ढंग से एक करने से मना कर दिया। इसके बाद देर रात करीब 12:30 बजे स्ट्रीट लाइट के तारों में शॉर्ट सर्किट के चलते आग भड़क गई। दुकान में आगे लगती देख मंडी के व्यापारी और मजदूर मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर ही आग बुझाने का प्रयास किया। व्यापारियों का आरोप है कि करीब आधे घंटे तक दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल विभाग की गाड़ी को बुलाने के लिए व्यापारी इंडस्ट्री एरिया स्थित दमकल विभाग के कार्यालय पहुंचे और कर्मचारियों को जगा कर मौके पर गाड़ियों के साथ लेकर आए। इसके बाद करीब एक दर्जन दमकल की गाड़ियों ने स्थानीय व्यापारियों की सहायता से आग पर काबू पाया। बिजली विभाग की लापरवाही के चलते पीड़ित दुकानदार सुभाष सैनी को लाखों रुपए के नुकसान का सामना करना पड़ा।

सुबह जब कृषि मंडी के अन्य व्यापारियों को आज की सूचना मिली तो मौके पर सैकड़ों की संख्या में व्यापारी और मजदूर पहुंच गए। मंडी व्यापारियों और मजदूरों ने पीड़ित व्यापारी को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कृषि मंडी में प्रदर्शन की सूचना पर बिजली विभाग के अधिकारी सुनील कुमार जांगिड़ और अधिशासी अभियंता संजीव पारीक घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने मौका मुआयना कर मामले की जानकारी ली, लेकिन व्यापारियों और मजदूरों ने मामले में पीड़ित व्यापारी को मुआवजा देने, लापरवाह बिजली विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और मंडी प्रशासन की ओर से व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग को लेकर कृषि मंडी का मुख्य गेट बंद कर दिया। कृषि मंडी के मुख्य गेट को बंद करने से करीब आधे घंटे तक मंडी में अनाज और फल फ्रूट व सब्जी लेकर आए किसानों व बाजार में खुदरा व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कृषि मंडी गेट बंद करने की सूचना पर उद्योग नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसके बाद बिजली विभाग के अधिकारी, कृषि मंडी सचिव सुमन बगड़िया व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों से समझाइस कर मंडी का मुख्य गेट खुलवाया।

कृषि मंडी फल फ्रूट व्यापार संघ के अध्यक्ष रतनलाल सैनी ने घटना को लेकर बिजली विभाग व कृषि मंडी प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कहा कि अगर पीड़ित व्यापारी को जल्दी उचित मुआवजा, दोषी बिजली विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई और मंडी प्रशासन की ओर से व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं दिया गया तो अनिश्चितकालीन मंडी व्यापार बंद किया जाएगा।

बिजली विभाग के संजीव पारीक ने हालात का जायजा जायजा लेते हुए घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मामले की पूरी तरह से जांच की जाएगी। वहीं कृषि मंडी के व्यापारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि पीड़ित दुकानदार को मुआवजा दिलाने का पास्ता बनाकर भेजा जाएगा। इसके साथ ही लापरवाही करने वाले कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर दिया गया है।

खाना बनाते समय गैस सिलेण्डर लिकेज होने से आग लगी, युवती व युवक की मौत

छह महिला-पुरुष गंभीर रूप से घायल, उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया

करौली, (नि.सं.)। गैस सिलेंडर लीकेज होने से हुए हादसे में एक युवती और एक युवक की घटना स्थल पर मौत हो गई और छह महिला-पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सुपुर्द किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बागुर वाली मस्जिद चटीकना स्थित एक मकान में खाना पकाते समय गैस सिलेंडर लीकेज होने से बड़ा हादसा घटित हो गया। हादसे में एक युवती मौसरिम पुत्री अशफाक उर्फ लाला और एक युवक नाजिम पुत्र इस्लामुद्दीन उर्फ टिल्लू की मौत हो गई। वहीं छह महिला-पुरुष झुलसकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक और घायलों को परिवारजन जिला चिकित्सालय लाये जहां दो लोगों को ड्यूटी चिकित्सक ने मृत घोषित कर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सुपुर्द कर दिया और घायलों को भर्ती कर उपचार जारी किया। मृतक और घायलों के परिवारजन ने जानकारी देते हुए बताया कि माफिया पुत्र शब्बीर, समीर पुत्र शब्बीर, मुमताज पुत्री शब्बीर, उजमा पुत्री शब्बीर, मनतशा पुत्र अशफाक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में हुये घायलों को लेकर परिजन अस्पताल पहुंचे।

जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी ब्रजराज शर्मा ने बताया कि खाना पकाते समय गैस सिलेंडर लीकेज होने की घटना का मामला सामने आया है। जिसमें एक युवती और एक युवक की मौत हो गई और छह महिला-पुरुष जलकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। उधर मृतक और घायलों के परिवारजनों में कोहराम मच गया।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। नान्ता थाने के उपनिरिक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि सकतपुरा निवासी सागर वर्मा (18) मोटरसाइकिल से किसी कार्यक्रम में शामिल होने बड़गांव गया था।

ट्रोले की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

बीदासर, (निसं)। सीकर-नोखा स्टेट हाईवे न 20 पर गांव बैनाथा के पास मुख्य सड़क मार्ग पर मंगलवार की शाम को ट्रोले की टक्कर से एक मोटरसाइकिल सवार 24 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस थाना के एएसआई विरेन्द्र सिंह घटना स्थल पर पहुंचकर युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए राजकीय टांटिया सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर मृतक का शव मोर्चरी में रखवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस थाना भानीपुरा के गांव भोजासर छोटा हाल निवासी छापर 24 वर्षीय राकेश कुमार नोखा से मोटरसाइकिल पर गांव छापर आ रहा था। राकेश कुमार जब गांव बैनाथा के पास पहुंचा तो बजरी से भरे ट्रोले ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाइकिल चकनाचूर हो गई व युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रोला चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। मृतक युवक छापर में मिठाई सप्लाई का काम करता है। मंगलवार की सुबह वो नोखा किसी पार्टी से मिठाई का भुगतान लेने गया था। रास्ते में आते समय मुख्य सड़क मार्ग पर दुर्घटना होने से मौत हो गई। देर शाम तक पुलिस थाना में मामला दर्ज नहीं हुआ। पुलिस ने मृतक के परिजनों को दूरभाष पर घटना की सूचना दी।

नीट की तैयारी कर रहे छात्र संदिग्ध मौत

कोटा, (निसं)। कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहे एक छात्र मंगलवार सुबह चाय स्टॉल पर अचानक से बेहोश होकर पट्टी से नीचे गिरकर बेसुध हो गया, जिसे उपचार के लिये अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथमदृष्टया से हार्ट अटैक का मामला सामने आ रहा है।

कुन्हाडी थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि पाली जिले के जैतपुर थाना इलाके के गढ़वाल निवासी देवकरण (21) कोटा में रहकर सेल्फ पढ़ाई करके नीट की तैयारी कर रहा था। वह रोज लाईब्रेरी में पढ़ने जाता है। थानाधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह चाय की थड़ी के बाहर बैठा हुआ था अचानक से वह बेहोश होकर गिर गया। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि टीम द्वारा कमरे की तलाशी लेने पर कमरे से हार्ट की दवाएं मिली है। मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया है।

जालोर में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में दो विधायकों का नहीं आना चर्चा का विषय बना

- सम्मेलन में रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी और भीनमाल विधायक डॉ. समरजीत सिंह की गैर मौजूदगी पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविद सिंह डोटासरा ने नाराजगी जताई
- पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और ऐसे मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा, आने वाले दिनों में इस पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे : डोटासरा

जालोर, (कासं)। जालोर जिला कांग्रेस के पुन: निर्मित कार्यालय राजीव गांधी भवन का लोकार्पण एवं जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में रानीवाडा विधायक रतन देवासी और भीनमाल विधायक डॉ. समरजीत सिंह की गैर मौजूदगी पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविद सिंह डोटासरा ने नाराजगी जाहिर की है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविद सिंह डोटासरा ने कहा कि कार्यक्रम सिर्फ औपचारिकता नहीं होता, यह कार्यकर्ताओं के मनोबल और संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक होता है। पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और ऐसे मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में इस पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पार्टी पहले, व्यक्तिगत स्वार्थ बाद में है। प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि दोनों विधायकों को एक दो दिन के बाद दोनों को प्रदेश कार्यालय में बुलाकर बात करुंगा आपको कहा दिक्कत यहां है, वहें दिक्कत है इसको ठीक करना कार्यकर्ता के लिए जरुरी है। हो सकता है कोई ना कोई कमी रही होगी, कोई बात हुई होगी, लेकिन आप जिस सिम्बल पर जीत कर जाते हो कार्यकर्ताओं द्वारा अपने पैसों से कांग्रेस का भवन का निर्माण करवाते हैं लेकिन कारण कोई भी हो, नेताओं द्वारा ऐसे कार्यक्रमों में नेताओं के नहीं आने से कार्यकर्ताओं को ठेस पहुंचती है।

डोटासरा ने कहा कि आने वाले नगर निकाय व पंचायतीराज चुनावों में जिले की कांग्रेस में चल रही आपसी खींचतान को सही कर कांग्रेस कार्यालय में सभी कार्यकर्ताओं को एक जाजम पर लाने का वादा करता हूं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने व आने वाले नगर निकाय चुनावों में सक्रिय कार्यकर्ताओं को ही टिकिट देने की बात कही।

जालोर जिलेभर में कांग्रेस में आपसी गुटबाजी को लेकर जिले की पांच विधानसभा सीटों पर रानीवाडा व भीनमाल ही कांग्रेस की झोली में आई है। जबकि जालोर, सांचौर, आहोर में भाजपा की जीत हुई थी। इसके बाद लोकसभा चुनावों में पुर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत की हार के बाद कार्यकर्ताओं में मतभेद व मनमुटाव उभर कर सामने आ गये थे, लेकिन मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में दो विधायकों के कार्यक्रम में नहीं आना चर्चा का विषय बना रहा तथा जिले की कांग्रेस में गुटबाजी आज खुलेआम सामने आने से प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने भी नाराजगी जाहिर की है।

रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी ने कहा कि मेरे तीन व्यक्तिगत कारणों की वजह से मैं नहीं आ पाया, उसके बारे में संबंधित पार्टी के आला नेताओं से मिलकर अपनी बात रख दुंगा, सार्वजनिक रुप से मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।

भीनमाल विधायक डॉ. समरजीत सिंह ने कहा कि जालोर में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में जानकारी जिलाध्यक्ष ने कल ही दे थी तथा मेरे विधानसभा क्षेत्र में एक कार्यकर्ता की मौत होने और एक अन्य स्थान पर कार्यकर्ता के घर में शादी समारोह होने से मैं वहां चला गया था।

सड़क हादसे में कार सवार युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। खेरोदा थाना क्षेत्र में डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई तथा साथी युवक घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात में खेरोदा थाना क्षेत्र गोखर होटल के समीप डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार जुड्रा कराबड़ निवासी चेनसिंह पुत्र लक्ष्मण चुण्डावत की मौत हो गई तथा साथी जुडा कुराबड निवासी जसवन्तसिंह (50) पुत्र देवीसिंह चुण्डावत घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया। रात में कार लेकर कुराबड़ से उदयपुर की तरफ जा रहे थे, जहां बीच रास्ते में हारदसा हो गया। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल सुनिल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दियां पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सूने खेत से 1.15 करोड़ की शराब जब्त

पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 954 कार्टन बरामद किये

- थाना क्षेत्र के थलवाड गांव में खेत में शराब पकड़ी

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थाना क्षेत्र के थलवाड गांव में एक सूने खेत से पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 954 कार्टन का जखीरा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़15 लाख रूपये बताई गई है।

जानकारी के अनुसार पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार, रेंज जोधपुर के द्वारा अवैध मादक पदार्थ एवं अवैध शराब परिवहन की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे मिशन मदमर्दन के तहत जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब की बड़ी खेप की धरपकड़ एवं बड़े सरगनाओं तथा आपूर्तिकर्ताओं के विरूद्ध कार्रवाई के लिए ऑपरेशन भौकाल एवं ऑपरेशन संपोलिया चलाया जा रहा है। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा एवं पुलिस उपाधीक्षक गौतम कुमार जैन के सुपरविजन में सायला थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह मय जाब्ता द्वारा मुखबिर की सूचना पर थलवाड गांव की सरहद में स्थित शैतानसिंह पुत्र पाबुसिंह राजपूत निवासी थलवाड के सूने खेत में अवैध भण्डारित की गई पंजाब निर्मित अलग-अलग वैरायटी की अंग्रेजी शराब के 954 कार्टन बरामद किए गए।

जुआ खेलते छह गिरफ्तार

नारायणपुर, (निसं)। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देश पर नारायणपुर थाना पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हुए 6 जनों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 26510 रुपए की नगद राशि बरामद की है। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बामनवास कांकड़ में कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाधिकारी के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल धर्मसिंह, मुरलीधर, धनशीराम, सतीश कुमार, राकेश कुमार, शिवराम व योगेश कुमार की टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मुखराम, राजू सिंह चौहान, विक्रम सिंह, पूरणमल शर्मा, सतार खान व राजेन्द्र सिंह मीणा को गिरफ्तार किया गया।

श्रीगंगानगर में रोहित गोदारा गैंग से जुड़े चार बदमाश गिरफ्तार

आरोपियों से तीन पिस्टल, 39 जिंदा कारतूस बरामद किये

- पुलिस बदमाशों के नेटवर्क और अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने रोहित गोदारा गैंग से जुड़े चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों से 3 पिस्टल और 39 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए है।

जिला स्पेशल टीम कोतवाली थाना और जवाहरनगर थाना पुलिस ने मिलकर यह संयुक्त कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान हथियार सप्लाई करने आया एक बदमाश भी पुलिस के हत्थे चढ़ा, जो दिल्ली से हथियार लेकर श्रीगंगानगर पहुंचा था। डीएसटी टीम के निर्मल और आबिद ने इस कार्रवाई में विशेष भूमिका निभाई। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। गिरफ्तार किए गए बदमाशों में एक के खिलाफ पहले से ही 12 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसमें हत्या, लूट, रंगदारी और अवैध हथियार सप्लाई जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस अब इनके नेटवर्क और अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने बताया कि गैंग के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती है। पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ जारी है, जिससे गैंग की कार्यप्रणाली और गतिविधियों का खुलासा हो सकता है।

पकड़े गए चारों बदमाशों में सिकंदर खान (39) पुत्र बुल्लेखान निवासी जानकी नगर श्रीगंगानगर, सुमित सिडाना उर्फ सोनू (36) निवासी सोनी कॉलोनी श्रीगंगानगर, जसविंद्र सिंह (32) पुत्र जोधासिंह निवासी मांझीवाला और लक्ष्मण कुमार नायक उर्फ जेजीबी (28) पुत्र तिलोक चंद नायक वार्ड नं. सात जैतसर शामिल है।

कार्यालय जिला परिषद, धौलपुर

क्रमांक-जिपधौ/स्टोर/2024-25/14 दिनांक-05.04.2025

Notice-Inviting-Bid (NIB)

Bids for Supply of classroom furniture items (desk and chairs) in Government Schools of District Dholpur, Rajasthan of estimated value INR 200.00 Lacs are invited from interested bidders up to 28.04.2025 till 11.00 hrs. Other particulars of the bid may be visited on the https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/ of the state.

UBN No- ZDH2526GLOB00013
NIB No.- ZDH2526A0012
e-Proc ID 2025_PRD_456749_2

(आव्हाद निवृत्ति सोमनाथ)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला परिषद, धौलपुर

DIPR/C/4889/2025

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :—न.प.सु/विकास शाखा/2025/246 दिनांक :— 07.04.2025

:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 21.04.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB01223) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/632 आयुक्त, नगर परिषद सुजानगढ

कार्यालय नगर पालिका बसवा (दौसा)

क्रमांक :— न.पा.ब./2025/1219 दिनांक :— 09.04.2025

BID सूचना

समस्त पंजीकृत संवेदक/सामाजिक संस्थाओ को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका बसवा NIB Code DLB2526A0313, DLB2526SSRC01336 तथा NIB Code DLB2526A0311, DLB2526SSRC01334 कार्य करवाना चाहती है अतः इच्छुक व्यक्ति नियत दिनांक 16.04.2025 को 1:00 बजे तक अपनी दर ऑफलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदा आनलाईन बेबसाईट http://sppp..goverment.gov.in पर देखी जा सकती है। निविंदा से संबंधित शर्ते उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका बसवा

राज.संवाद/सी/25/648

कार्यालय नगरपालिका रावतभाटा,जिला-चित्तौडगढ़(राज.)

क्रमांक/नपारा/स्टोर/निविदा/2025-26/147 दिनाक 07.04.2025

-:: अल्पकालीन ई-निविदा निरस्तीकरण सूचना ::-

समस्त संवेदकों को सूचित किया जाता है कि पालिका स्टोर शाखा द्वारा जारी अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2024-25 क्रमांक 2023 दिनांक 24.03.2025 से 6 प्रकार के विभिन्न कार्यो हेतु अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित कि गयी थी। जिसका NIB Code:- DLB 2425A6921 है। जिसमें से तालिका अनुसार निम्न कार्यो की अपरिहार्य कारणो से अल्पकालीन ई-निविदा निरस्त की जाती है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य का UBN NO.
01.	विद्युत सामग्री क्रय आपूर्ति कार्य।	DLB 2425WSOB22510
02.	पालिका क्षेत्र में स्ट्रीट लाईट चालु-बंद, वायर पैनल, विद्युत मेन्टीनेंस का कार्य।	DLB 2425WSOB22513
03	स्टेशनरी प्रिटिंग आपूर्ति कार्य।	DLB 2425WSOB22519
04.	नगर पालिका भवनों हेतु सामग्री आपूर्ति कार्य।	DLB 2425WSOB22520

प्रशासक
नगर पालिका रावतभाटा
राज.संवाद/सी/25/666

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका रावतभाटा

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/37-39 दिनांक : 04.04.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 3.04.2025 से दिनांक 21.04.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 22.04.2025 को दोपहर 2 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/— का डी.डी "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A0110
UBN:-

DLB2526WSOB00431	DLB2526WSOB00432

राज.संवाद/सी/25/633 अधिशाषी अधिकारी

Office of The Block Development Officer Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.- Gen./17 Dated-05.04.2025

Notice of Inviting Bid

Bid for Rate Contract for Construction Material and Equipments and Work tenders of various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	approximate value of the procurement	UBIN
Bakra	100.00 Lakh	ZJR2526GLRC00038
Bairath	100.00 Lakh	ZJR2526GLRC00037
Keshwana	100.00 Lakh	ZJR2526GLRC00039
Dangra	100.00 Lakh	ZJR2526WSOB00042
Sanfada	100.00 Lakh 100.00 Lakh	ZJR2526GLRC00041 ZJR2526GLRC00040
Dabli	100.00 Lakh	ZJR2526GLRC00036
Sirana	100.00 Lakh	ZJR2526GLRC00035
Narsana	07.00 Lakh	ZJR2526WSOB00043

DIPR/C/4890/2025

Block Development Officer
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

कमांकः निदे/अ.ख.अ. नीलामी / नीलामी (ML Bajri 06)/2025/ई-10493

ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत विभाग के अप्रधान खनिज बजरी के खननपट्टों के आंवटन के लिए निम्नांकित प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	कुल प्लॉट
सवाईमाधोपुर	चौथ का बरवाड़ा	टोरडा	1
झालावाड़	झालरापाटन पचपहाड	भिलवाडा, भिलवाडी	2
व्यावर	बिजयनगर	जालिया-II	1
बांरा	अटरू	मायथा, भवानीपुरा व चौथ्या	1
		मन्यागण, बमोरी व बानपुर	1
सिरोही	शिवगंज	माडानी	1
		ओडा	1
भीलवाडा	माण्डलगढ़	बिलियां, भवानी सिंह जी का खेडा, नन्दराय, पंडेरी	1
	हमीरगढ	खेराबाद व कान्याखेड़ा	2
		बरडोद व खेतहजारियां	1
		मोहनपुरा, भेसाकुण्डल	1
		भेसाकुण्डल	
		जवासियों, सायला व बरड़ौद	1
		गुवारड़ी	1
	सवाईपुर	अमरतियां, गेन्दलियां, करेड़	1
		गेगा का खेड़ा	2
	जहाजपुर	रावतखेड़ा, रामपुरा	1
		केशरपुरा, भरणीकलां	1
		रावतखेड़ा, शक्करपुरा	1
		जामोली रामगढ	1
		जामोली रावलखेड़ा	1
भीलवाडा ब्यावर	हुरडा विजयनगर	हुरडा सेजा नगर	1
पाली	मारवाड जंक्शन	नया गांव व बांता	1
सवाईमाधोपुर	चौथ का बरवाडा	टोरडा	1
जोधपुर	बिलाडा	बाला	1
	पीपाड शहर	पीपाड शहर, खुडेया व नानण	1
		नानण व जालीवाडा कलां	1
जालोर	आहोर	थावता	1
टोंक	टोंक	पालडा	1
		छान, अरनिया नील, अमीरपुर खेडा	1
अजमेर	भिनाय	देवलिया कला	1
योग			34

विशेष नोटः-
1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(दीपक तंवर) निदेशक

DIPR/C/4896/2025

पूर्व मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास के घर पर ई.डी. की छापेमारी

रियल एस्टेट कंपनी के पैसों के ट्रांसफर का मामला

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जयपुर सहित देश के 19 अलग-अलग ठिकानों पर छापा मार रही है। वहीं कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे प्रताप सिंह खाचरियावास के

- **ई.डी.से मिली जानकारी के अनुसार प्रताप सिंह और उनके परिवार के लोगों के नाम पर पी.ए.सी.एल. में घोटाले का पैसा ट्रांसफर हुआ था। अधिकांश पैसा प्रॉपर्टी और अन्य सेक्टर में लगा दिया गया**
- **बड़ी संख्या में खाचरियावास समर्थकों ने की सरकार के खिलाफ नारेबाजी**

सिविल लाईन्स आवास पर भी ईडी ने छापा मारा। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे टीमें खाचरियावास के आवास पर पहुंच गई थीं। यह मामला रियल एस्टेट में निवेश का काम करने वाली पर्ल एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड में हुए 48 हजार करोड़ के घोटाले से जुड़ा है। ईडी से मिली जानकारी के अनुसार प्रताप सिंह और उनके परिवार के लोगों के नाम पर पीएसीएल में घोटाले का पैसा ट्रांसफर हुआ था। अधिकांश पैसा प्रॉपर्टी और अन्य सेक्टर में लगा दिया गया।

पूर्व मंत्री के घर छापेमारी की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में जयपुर के सिविल लाइंस स्थित आवास पर समर्थक पहुंच गए। समर्थकों ने इस कार्रवाई का विरोध किया। मौके पर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने पूर्व मंत्री के आवास के बाहर खड़ी समर्थक की गाड़ी को लेकर आपत्ति जताई। उसी गाड़ी पर खड़े होकर समर्थक नारेबाजी कर रहे थे। इस दौरान समर्थकों की पुलिसकर्मियों से बहस भी हो गई। हालात को देखकर ईडी की टीम ने जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ और पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण (डीसीपी) दिगंत आनंद से बात की। इसके बाद मौके पर तीन थानों की पुलिस फोर्स भेजी गई। इस दौरान खाचरियावास भी आवास से बाहर आए और अपने समर्थकों को समझाया, तब जाकर मामला शांत हुआ। लाखों लोगों के साथ पीएसीएल में धोखाधड़ी हुई थी। इसके बाद यह केस सुप्रीम कोर्ट में चला गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 2 फरवरी 2016 को सेवानिवृत्त सीजेआई आरएम लोढ़ा की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया था। कोर्ट ने कमेटी से कहा था कि पीएसीएल की संपत्तियों को नीलाम करके 6 महीने में लोगों को ब्याज सहित भुगतान करें।

सेबी के आकलन के अनुसार पीएसीएल की 1.86 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है, जो निवेशकों की जमा राशि की तुलना में 4 गुना है। पीएसीएल कंपनी की योजनाओं को अवैध मानते हुए सेबी ने 22 अगस्त 2014 को कंपनी के कारोबार बंद कर दिए थे। इसके चलते निवेशकों की पूंजी कंपनी के पास जमा रह गई। इसके बाद कंपनी व सेबी के बीच सुप्रीम कोर्ट में केस चला और सेबी जीत गई।

17 वर्ष तक राज्य में रियल एस्टेट में निवेश का काम करने वाली पीएसीएल में प्रदेश के 28 लाख लोगों ने करीब 2850 करोड़ और देश के 5.85 करोड़ लोगों ने कुल 49100 करोड़ का निवेश किया था। कंपनी पर बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, असम, कर्नाटक, जयपुर ग्रामीण, उदयपुर, आंध्र प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़ समेत आधे से ज्यादा राज्यों में मुकदमे दर्ज हैं। सबसे पहले जयपुर में इसका खुलासा होने पर मामला दर्ज हुआ था। जानकार सूत्रों की मानें तो इस केस में प्रताप सिंह की भागीदारी करीब 30 करोड़ की बताई जा रही है। ईडी की छापेमारी पूरी होने के बाद ही रिकवरी को लेकर कुछ कहा जा सकता है।हालांकि अभी तक ईडी ने आधिकारिक रूप से कोई गिरफ्तारी नहीं की है।

कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे प्रताप सिंह खाचरियावास ने प्रेस को संबोधित किया।

भाजपा सरकार के खिलाफ बोलते ही भेज देते हैं ई.डी. : खाचरियावास

जयपुर। प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि ईडी केंद्र के अधीन है। इस डबल इंजन की सरकार से ज्यादा उम्मीद नहीं कर सकता। मेरे परिवार के सदस्यों के यहां बेवजह सर्च चल रहा है। हम पूरा सर्च करवाएंगे। ईडी के अफसरों से हम पूरा सहयोग करेंगे। बीजेपी सरकार को मेरे बोलने से इतना दर्द है कि छापे डलवा दिए। मैं पिछले डेढ़ साल से इनके खिलाफ बोल रहा हूं। जो बीजेपी और उनकी सरकार के खिलाफ बोलता है। उसके घर ये ईडी भेज देते हैं। मैं बोल रहा था तो मुझे भी पहले से पता था कि ईडी तो एक दिन पहुंचेगी, यदि पहुंचेगी तो मैं भी तैयार हूं।

खाचरियावास ने बीजेपी नेताओं को चेतावनी देकर कहा कि बीजेपी के लोगों से कहना चाहूंगा आप ही सरकार में नहीं रहोगे। सरकारें बदलती रहती हैं। जमाना बदलेगा। आपने यह कार्रवाई शुरू की है, कल बीजेपी वालों के खिलाफ भी हम यही कार्रवाई करेंगे। डरते थोड़े ही हैं। मेरा नाम प्रताप सिंह खाचरियावास है। मुझे सबका इलाज करना आता है। अगर मेरे घर पर किसी ने गोली चलाई तो मैं भी उसके घर पर गोली चलाऊंगा। अब सड़कों पर उतरकर इसका बदला लिया जाएगा।

ईडी की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस आलाकमान हमलावर हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस रेड को केंद्र सरकार की राजनीतिक साजिश बताया।

जहां भाजपा इस कार्रवाई को कानून के तहत उठाया गया जरूरी कदम बता रही है, वहीं कांग्रेस इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई मान रही है। खाचरियावास जैसे जमीनी नेता की जांच और पीएसीएल जैसे बड़े घोटाले के तार यदि सच में किसी राजनीतिक हस्ती से जुड़ते हैं, तो इसका असर राजस्थान की आगामी राजनीति पर गहरा पड़ सकता है।

कार्रवाई शुरू होने पर प्रताप सिंह खाचरियावास ने घर के दरवाजे पर मीडिया से कहा कि आज यह ईडी की टीम उनके घर पर नहीं आई, बल्कि भाजपा के कद्दावर नेता रहे स्वर्गीय भैरोसिंह शेखावत के भाई के घर पर आई है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार विरोध की आवाज दबाना चाहती है। सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोलने पर ईडी भेजकर उनकी आवाज दबाना चाहती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को शांत करते हुए कहा कि ईडी की टीम सर्च करने आई है। सर्च हो जाने दो ताकि देश को सच्चाई पता चले। प्रताप सिंह डबल इंजन की सरकार से डरता नहीं है। जब भैरोसिंह शेखावत के भाई के घर ईडी आ सकती है तो वह सरकार किसी की सगी नहीं हो सकती है। भाजपा डराना चाहती है,हम डरेंगे नहीं। अब तो प्रदेशभर में घूमकर सरकार के कारनामे उजागर करेंगे।

कांग्रेसी नेताओं द्वारा जांच एंजेसियों पर लगाए जा रहे आरोप निराधार : डॉ प्रेम चंद बैरवा

- **जांच एजेंसियों पर कांग्रेसी नेताओं की बयानबाजी पर भाजपा नेताओं ने दी तीखी प्रतिक्रियाएं**
- **आखिर संवैधानिक संस्थाओं से क्यों घबरा रहे हैं कांग्रेसी नेता : जवाहर सिंह बेढ़म**
- **ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से ना देखें कांग्रेसी : राजेंद्र राठौड़**

जयपुर। भाजपा नेताओं और भजनलाल सरकार के मंत्रियों ने ईडी द्वारा प्रताप सिंह खाचरियावास के घर जांच के बाद नारेबाजी और इस मामले को राजनीति रूप तूल देने के मामले को कांग्रेस की कुत्सित मानसिकता का परिचायक बताया। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कांग्रेस नेता प्रताप खाचरियावास के आवास पर ईडी की छापेमारी पर कहा कि कांग्रेसी नेताओं द्वारा जांच एंजेसियों पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। यह स्वतंत्र एजेंसियां होती हैं, अगर कुछ होगा तो सामने आ जाएगा और नहीं होगा तो सामने आ जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने देश में घृणा और विद्वेष की राजनीति को बढ़ावा दिया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए राहुल गांधी जिस तरह की शब्दावली का प्रयोग कर रहे हैं, वह न सिर्फ प्रधानमंत्री पद की गरिमा का अनादर है, बल्कि उनकी स्वयं की बौखलाहट का परिचायक भी है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने इस प्रकरण पर कहा कि सरकार की एजेंसियां किसी विषय को लेकर जांच करती हैं, तो किसी भी जनप्रतिनिधि को या किसी भी व्यक्ति को उसको राजनीतिक रूप नहीं दिया जाना चाहिए। आज के प्रकरण के अनुसार कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह के यहां ईडी का सर्च अभियान हुआ। यदि किसी विषय को लेकर एजेंसी जांच कर रही है तो उस पर देश के प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री को टारगेट करके नारेबाजी करवाना कुत्सित मानसिकता का परिचायक है। कांग्रेस के नेताओं को इस तरीके के बयान बाजी नहीं करनी चाहिए। इस तरीके की बयान बाजी से कोई जांच कहीं नहीं रुकती है, एजेंसियां जांच स्वतंत्र रूप से करेंगी और दूध का दूध पानी का पानी होगा।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि ईडी की कार्यवाही निष्पक्षता से होती है, आदरणीय भैंरो सिंह शेखावत का नाम जोड़ना निंदनीय हैं, गलत है, एजेंसियां दूध का दूध पानी का पानी कर देगी। इसमें उन्हें सहयोग करना चाहिए। किसी पार्टी का नाम लेना गलत है। हालांकि यह कांग्रेसी नेताओं की आदत है जिस पर भी ईडी की कार्यवाही होती है वह यही कहता है कि राजनीतिक कारणों की वजह से हुई है, लेकिन तथ्य तो सामने आने वाले हैं, मेरा कहना है कि हम ईमानदार हैं तो डर क्यों रहे है। कुछ मिलेगा तो ही टारगेट करेंगे ना, कुछ मिलेगा ही नहीं तो क्या टारगेट करेंगे। इसका अर्थ यह है कि उनके द्वारा कुछ न कुछ छुपाने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि ईडी कार्यवाही कर रहा है तो इसे राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए। जांच एंजेसियों को जांच में सहयोग करना चाहिए। हालांकि स्वतंत्र भारत का इतिहास ऐसी घटनाओं से भरा पड़ा है जिनमें कांग्रेस पार्टी ने एक परिवार के हित के लिए भारत की संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार तोड़ा-मरोड़ा है, इसका दुरूपयोग किया था। आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी ने किस तरह अपने राजनीतिक विरोधियों के साथ-साथ मीडिया और दूसरी संस्थाओं का दमन किया, वह इतिहास के पन्नों में कैद है। राठौड़ ने सवाल उठाया कि डोटासरा का 'स्लीपर सेल' पर बयान क्या पार्टी के भीतर चल रही अंतर्कलह का संकेत है? क्या यह इशारा किसी विशेष गुट की ओर है जो संगठन को कमजोर कर रहा है?

मौसम परिवर्तन के कारण सवाईमानसिंह अस्पताल के आउटडोर धनवंतरी में मौसमी बीमारियों के मरीजों की भीड़ लगी रही।

आयोग में सदस्य नियुक्ति का रास्ता साफ, यथास्थिति का आदेश समाप्त

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य उपभोक्ता आयोग और जिला उपभोक्ता आयोग में सदस्य पद पर नियुक्ति से जुड़े मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही मामले में अंतरिम राहत के रूप में दिया गया यथास्थिति का आदेश भी समाप्त हो गया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश पवन कुमार भारद्वाज की याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि आवेदन पत्र में तय अवधि तक ही संशोधन किया जा सकता था। सुप्रीम कोर्ट भी तय कर चुका है कि भर्ती के बीच नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता। यदि याचिकाकर्ता को किसी शर्त को लेकर शिकायत थी तो उसे चयन प्रक्रिया में भाग लेने से पहले उस पर सवाल उठाना चाहिए था।

याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकार ने 20 दिसंबर, 2024 को राज्य उपभोक्ता आयोग के सात पदों और जिला उपभोक्ता आयोग में सदस्यों के 80 पदों पर नियुक्ति के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया था। याचिकाकर्ता ने सदस्य पद के लिए आवेदन किया, लेकिन इस दौरान गलती से पहली वरीयता में जिला आयोग और दूसरी वरीयता में राज्य आयोग का चयन हो गया। इस पर याचिकाकर्ता ने साक्षात्कार से पूर्व वरीयता में संशोधन के लिए विभाग में अभ्यावेदन पेश किया। वहीं गत 9 नवंबर को जारी परिणाम में याचिकाकर्ता ने मेरिट में उच्च स्थान प्राप्त किया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता की ओर से वरीयता बदलने के संबंध में पेश अभ्यावेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने अदालत को बताया कि नियमानुसार आवेदन में अंतिम तिथि 20 दिसंबर, 2024 के बाद संशोधन नहीं हो सकता था। लिखित परीक्षा का गत 30 जनवरी को परिणाम जारी होने पर याचिकाकर्ता को मेरिट में रहने की जानकारी हो गई थी। ऐसे में उसने 3 फरवरी को कैटेगरी बदलने की कोशिश की। वहीं मेरिट के आधार पर उसे नियुक्त किया जा चुका है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी आज लेंगे कोर सदस्यों की बैठक

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी, सांसद एवं राष्ट्रीय महामंत्री डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में वक्फ जागरूकता कमेटी, भाजपा कोर कमेटी के साथ वक्फ जन जागरण अभियान की बैठक लेंगे। भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भाजपा प्रदेश प्रभारी मंगलवार शाम जयपुर पहुंचेगे। इसके बाद बुधवार को सुबह 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में वक्फ जागरूकता कमेटी की बैठक लेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ प्रेमचंद बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, राव राजेंद्र सिंह शेखावत और विधायकों के साथ कमेटी संयोजक, सह संयोजकों के साथ वार्ता करेंगे।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह आज

- **मुख्यमंत्री आरपीए ग्राउंड में लेंगे परेड की सलामी, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए देंगे पुलिस पदक**

जयपुर। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री शर्मा सेरेमोनियल परेड की सलामी लेंगे तथा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक व पुलिस पदक प्रदान करेंगे। इस समारोह के बाद आरपीए में रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। शाम को जवाहर सर्किल पर पुलिस बैंड का डिस्प्ले होगा। समस्त आयोजनों के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि राज्य स्तरीय समारोह आरपीए में बुधवार सुबह 7 बजे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा आरपीए में पहुंच शहीद स्मारक पर शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद परेड ग्राउंड पर मुख्य समारोह का आयोजन होगा। शर्मा परेड का अभिवादन स्वीकार कर निरीक्षण करेंगे। तत्पश्चात सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को पारितोषिक एवं मेडल प्रदान किया जाएगा।

साहू ने बताया कि आरपीए के परेड ग्राऊंड में आयोजित होने वाली सेरेमोनियल परेड में राजस्थान पुलिस अकादमी, चतुर्थ एवं पांचवी बटालियन आरएसी, हाड़ी रानी बटालियन, एसडीआरएफ, जीआरपी, एमबीसी एवं ईआरटी की एक-एक प्लाटून के अलावा जयपुर पुलिस आयुक्तालय की तीन प्लाटून (निर्भया स्कवॉड प्लाटून, पुलिसकर्मी प्लाटून और यातायात प्लाटून) भाग लेंगी। सेरेमोनियल परेड में आरपीए के सेन्ट्रल बैंड की भागीदारी होगी।

डीजीपी साहू ने बताया कि राज्य स्तरीय समारोह के मौके पर आरपीए की डिस्पेंसरी में आयोजित रक्तदान शिविर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा रक्तदान किया जाएगा।

डीजीपी साहू ने बताया कि इस समारोह के बाद शाम 7 बजे से जयपुर में जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका गेट पर पुलिस बैंड की मनोहारी प्रस्तुति होगी। इसमें राजस्थान पुलिस कें सैन्ट्रल बैंड, हाड़ी रानी बटालियन और ब्रास बैंड द्वारा स्वर लहरियां बिखेरते हुए राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के गौरव का प्रदर्शन किया जाएगा।

वाणिज्यिक न्यायालय के 40 लाख रुपए के जुर्माने पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान स्टेट बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड और यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के बीच शराब खरीद के भुगतान से जुड़े मामले में कमर्शियल कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें अदालत ने यूनाइटेड स्पिरिट्स पर 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। कमर्शियल कोर्ट, द्वितीय ने 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए 20 लाख रुपए की राशि राज्य के समेकित कोष और 20 लाख रुपए रजिस्ट्रार जनरल के जरिए हाईकोर्ट के पक्षकार कल्याण कोष में जमा कराने को कहा था।

अपील में वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर गुप्ता और अधिवक्ता विजय चौधरी ने खंडपीठ को बताया कि कमर्शियल कोर्ट ने आर्बिट्रेटर एक्ट के प्रावधान के क्षेत्राधिकार के परे जाकर यह आदेश दिया है। अदालत ने जो तथ्य रिकॉर्ड पर ही नहीं थे, उसे लेकर आदेश दे दिए। वहीं धारा 34 में जुर्माने का प्रावधान ही नहीं है। ऐसे में कमर्शियल कोर्ट के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कमर्शियल कोर्ट के आदेश पर जुर्माने की हद तक रोक लगा दी है। मामले में यूनाइटेड स्पिरिट्स ने आर्बिट्रेटर के समक्ष वाद दायर कर कहा कि आरएसबीसीएल ने शराब खरीद को लेकर उसके 9.11 करोड रुपए का भुगतान रोक लिया है। ऐसे में उसे यह राशि दिलाई जाए। आर्बिट्रेटर ने यूनाइटेड स्पिरिट्स के पक्ष में निर्णय देते हुए यह राशि लौटाने के आदेश देने के साथ ही आरएसबीसीएल पर दस लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। इस आदेश को आरएसबीसीएल ने कमर्शियल कोर्ट में चुनौती देते हुए आरोप लगाया कि यूनाइटेड स्पिरिट्स ने सीमा शुल्क में कमी की जानकारी छुपाई और 13.61 करोड रुपए से अधिक का लाभ उठाया। कमर्शियल कोर्ट ने मामले में गत दिनों सुनवाई करते हुए आर्बिट्रेटर के अवार्ड पर रोक लगाते हुए यूनाइटेड स्पिरिट्स पर 40 लाख रुपए का हर्जाना लगाया था। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शराब खरीद घोटाले की आशंका जताते हुए प्रकरण को मुख्य सचिव को भेजा था। अदालत ने कहा था कि मामले की सीएजी से विशेष ऑडिट कराई जाए और आवश्यकता होने पर सीबीआई या एंटी करप्शन ब्यूरो में एफआईआर दर्ज करवा कर जांच करवाई जाए।

नामी कम्पनियों के नकली उत्पाद बनाने के मामले में सात गिरफ्तार

जयपुर। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने नामी कम्पनियों के नकली उत्पाद बनाकर बाजार में बेचने के मामले में सात आरोपियों को अरेस्ट किया है। बदमाश सर्फ एक्शल, माहेश्वरी चाय सहित अन्य के नकली उत्पाद बनाकर पैंकिंग कर रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई

- **बदमाश सर्फ एक्शल, माहेश्वरी चाय सहित अन्य के नकली उत्पाद बनाकर पैंकिंग कर रहे थे**

कर इस काम में ली जा रही 3 मशीनों को भी जब्त किया है। पुलिस ने नकली पैकेट तैयार करने के लिए काम में ली जा रही 6 डाई, रोल सहित अन्य सामान भी जब्त किया है।

डीसीपी पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि जयपुर शहर केऔद्योगिक क्षेत्रों में स्थित फैक्ट्रियो में काफी मात्रा मे विभिन्न नकली उत्पादों के निर्माण की सूचना मिल रही थी। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा विश्वकर्माऔद्योगिक क्षेत्र के बढारणा एरिया में वाशिंग ब्राण्ड सर्फ एक्सल का नकली लेबल लगाकर व इसके साथ अन्य नकली उत्पाद बनाने की सूचना मिलने पर टीम कार्रवाई कर 7 अभियुक्तणों को गिरफ्तार करने एवं भारी मात्रा मे नकली उत्पाद तथा नकली उत्पाद बनाने वाली 3 मशीनों को जब्त किया है।

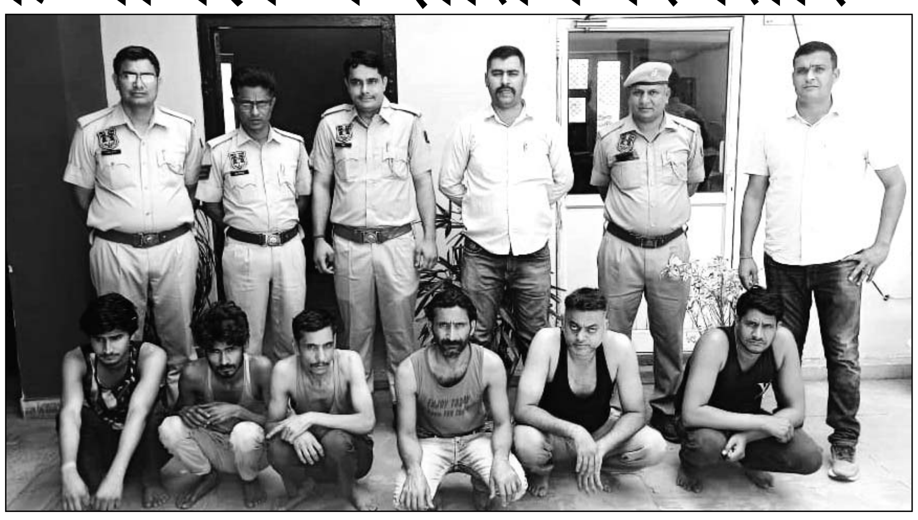

विश्वकर्मा थाना पुलिस ने नामी कम्पनियों के नकली उत्पाद बनाकर बाजार में बेचने के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही के दौरान सफ्फ एक्सल वाशिंग पाउडर के पैकेजिंग रॉल के कुल 54 बन्डल, 500 ग्राम सर्फ एक्सल वाशिंग पाउडर पैकेजिग करने के खाली पाउच कुल 2600 किलो, रोज गोल्ड चाय के प्लास्टिक के कट्टे, माहेश्वरी ब्राण्ड चाय के 250 -250 ग्राम चाय के भरे प्लास्टिक के पैकेट 20, माहेश्वरी ब्राण्ड चाय के 500-500 ग्राम के खाली प्लास्टिक के पैकेट, माहेश्वरी ब्राण्ड चाय 250-250 ग्राम के खाली पैकेट जप्त किए गए। इस मामले में गोविन्द शर्मा निवासी नायन अमरसर, केसर सिंह उर्फ मोनू निवासी गांव गढ़ पोस्ट बिंजारी हाल बढ़ारणा, तेजपाल सैनी निवासी गांव मेड विराटनगर हाल न्यूलोहा मण्डी रोड, लखन सिंह राजपुत निवासी गांव गढ राजगढ हाल बढ़ारणा, सतपाल सिंह उर्फ पिन्टू निवासी बढ़ारणा, मुकेश कुमार निवासी कोटपुतली और विजेन्द्र सिंह निवासी दीपपुरा, टोडी को अरेस्ट किया है।

एकल पट्टा मामले में पाठक को पक्षकार बनाने के मुद्दे पर बहस पूरी

- **अदालत अब बुधवार को राज्य सरकार की रिवीजन याचिका में दोनों पक्षों को सुनेगी**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को पूर्व मंत्री शांति धारीवाल से जुडे चर्चित एकल पट्टा मामले में सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थी रहे अशोक पाठक को पक्षकार बनाए जाने के मुद्दे पर बहस पूरी हो गई। बहस पूरी होने पर सीजे एमएम श्रीवास्तव ने फैसला बाद में देना तय किया। वहीं अदालत अब बुधवार को राज्य सरकार की रिवीजन याचिका में दोनों पक्षों को सुनेगी।

मामले की सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री शांति धारीवाल सहित अन्य के अधिवक्ताओं ने अशोक पाठक को पक्षकार बनाए जाने का विरोध किया। उनकी ओर से कहा गया कि आपराधिक मामले में किसी तीसरे पक्ष को पक्षकार नहीं बनाया जा सकता। वहीं पाठक की ओर से अधिवक्ता वागीश सिंह ने कहा कि मामला भ्रष्टाचार से जुडा है और यह अपराध किसी व्यक्ति विशेष के प्रति नहीं, बल्कि समाज के खिलाफ होता है। ऐसे में उन्हें मामले में पक्षकार बनने का अधिकार है। इस पर सीजे ने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अशोक पाठक को सुना है। वहीं अदालत ने इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। दरअसल राज्य सरकार ने इस मामले में दो अर्जियां दायर की हैं। इनमें कहा है कि ट्रायल कोर्ट के समक्ष दायर क्लोजर रिपोर्ट्स अधूरी व दोषपूर्ण साक्ष्यों पर की गई जांच के आधार पर थी। इसके चलते ही पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को क्लीन चिट दी गई थी। इसकी जांच के लिए गठित हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस आरएस राठौड की कमेटी ने भी मामले की समीक्षा कर दी रिपोर्ट कई गंभीर खामियां बताई थी। क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने में गंभीर चूक हुई थी। इसमें महत्वपूर्ण दस्तावेजों और ठोस सबूतों की अनदेखी की गई है। वहीं दूसरी अर्जी में कहा गया कि राज्य सरकार पूर्व सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा वापस लेने के प्रार्थना पत्र को एसीबी कोर्ट की ओर से खारिज करने पर पेश रिवीजन को वापस लेना चाहती है।

मलसीसर डेम फुल हुआ, गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत नहीं रहेगी

एक से डेढ़ महीने तक होने वाली नहरबंदी का असर भी पानी सप्लाई पर नहीं होगा

झुंझुनूं, (निसं)। गर्मी का मौसम आ गया है, लेकिन झुंझुनूं के तीन विधानसभा क्षेत्र, जहां पर नहरी पानी की सप्लाई होती है, उनमें पानी की कमी का सामना ना करना पड़े, इसके लिए पूरी तैयारियां कर ली गई है। मलसीसर में स्थित डेम को फुल कर लिया गया है। इसी महीने के अंतिम सप्ताह तक नहरबंदी भी होगी, लेकिन एक से डेढ महीने तक होने वाली नहरबंदी का असर भी पानी सप्लाई पर नहीं होगा। इसके लिए सरकार ने पूर्व तैयारियां कर ली है।

जिले के मलसीसर में बने इस पानी के डेम से जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र झुंझुनूं, मंडावा और खेतड़ी के 376 गांवों और छह कस्बों में पीने के पानी की सप्लाई होती है। गत दिनों खेती के समय पंजाब द्वारा पानी बंद किए जाने से ये डेम खाली हो गए थे, तो बड़ी चिंता सताने लग गई थी कि यदि डेम नहीं भरे तो गर्मियों में झुंझुनूं, मंडावा और खेतड़ी विधानसभा में पानी सप्लाई का क्या होगा, क्योंकि ये विधानसभा क्षेत्र जमीनी जल की बजाय सिर्फ और सिर्फ नहरी पानी पर निर्भर है, लेकिन जिला कलेक्टर रामावतार मीणा, पीएचईडी एसई राजपाल गिल तथा योजना के एसई दलीप तारक के प्रयासों से पंजाब से भी पानी आया और तारानगर से भी मलसीसर को अतिरिक्त पानी देकर इन डेम को भर लिया गया है। जिसके बाद अब गर्मियों और खासकर नहर बंदी के समय भी पानी की किल्लत नहीं होगी। यह सुनिश्चित कर लिया गया है।

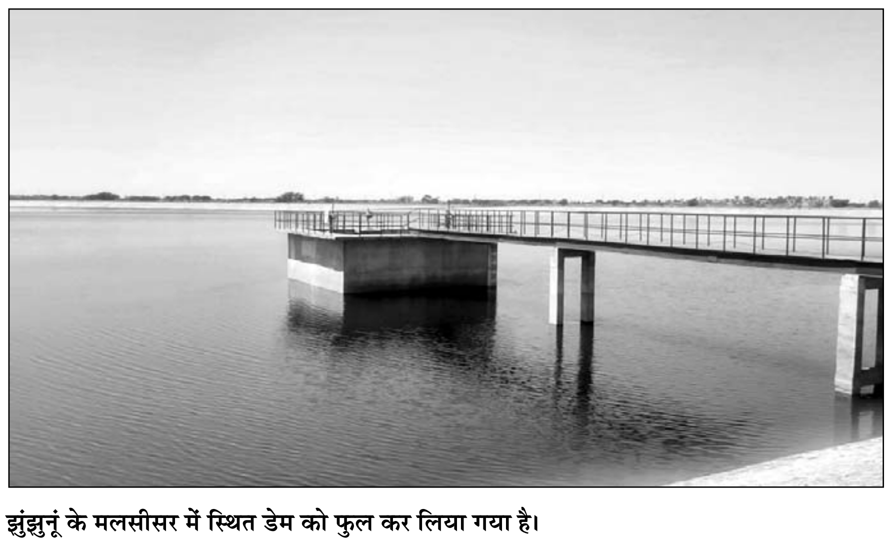

झुंझुनूं के मलसीसर में स्थित डेम को फुल कर लिया गया है।

- डेम से जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र झुंझुनूं, मंडावा और खेतड़ी के 376 गांवों और छह कस्बों में पीने के पानी की सप्लाई होती है

कुंभाराम लिफ्ट कैनाल परियोजना के झुंझुनूं एसई दलीप तारग ने बताया कि झुंझुनूं जिले की इन तीन विधानसभा क्षेत्रों में हर दिन 80 मिलियन लीटर प्रतिदिन पानी की डिमांड है। लेकिन फिलहाल पानी अच्छी मात्रा में मिल रहा है। इसलिए इन इलाकों में 90 मिलियन लीटर प्रतिदिन की सप्लाई की जा रही है। 25 अप्रेल से नहरबंदी के बाद भी 70 से 80 मिलियन लीटर प्रतिदिन पानी सप्लाई की पूरी तैयारी कर ली है।

एसई दलीप तारग ने बताया कि बताया कि तारानगर में झुंझुनूं का 47.88 क्यूसेक पानी रिजर्व है। मलसीसर डेम तक 35.88 क्यूसेक पानी लाया जा रहा है। वहीं 12 क्यूसेक पानी तारानगर में बनी झुंझुनूं जिले की डिग्गी में स्टोर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गत दिनों सभी विभागों का अच्छा सहयोग मिला। वहीं जिला कलेक्टर रामावतार मीणा के साथ-साथ राज्य सरकार ने भरपूर कोशिश की। जिसके कारण अब मलसीसर डेम फुल हो पाया है।

झुंझुनूं शहर में ट्यूबवैलों की संख्या भी तीन गुनी की:- नहरी पानी को फिल्टर करके पाइपों के जरिए ही खेतड़ी, मंडावा और झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचाया जा रहा है। हर दिन 80 मिलियन लीटर पानी की डिमांड इन विधानसभा क्षेत्रों के 376 गांवों और छह कस्बों में होती है। जिन्हें स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पानी मिले। इसके लिए मलसीसर में ही पानी को फिल्टर किया जाता है।

भविष्य को ध्यान में रखते हुए 156 मिलियन लीटर प्रतिदिन, यानि कि लगभग फिलहाल की डिमांड से दोगुने पानी को फिल्टर करने का प्लांट लगाया हुआ है, जिसे निजी कंपनी द्वारा संचालित किया जा रहा है। इधर, झुंझुनूं शहर में गत वर्ष के 30 नलकूपों की बजाय तीन गुना यानी 90 नलकूपों से पेयजल की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित कर ली गई है।

केमिकल से भरा टैंकर एक्सप्रेस हाइवे पर पलटा, हादसा टला

भटिंडा से कांडला जा रहे टैंकर में बेंजिन केमिकल भरा हुआ था

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरनसर में भारतमाला एक्सप्रेस वे पर एक बड़ा हादसा मंगलवार को टल गया। यहां केमिकल से भरा एक टैंकर पलट गया। गनीमत रही कि ज्वलनशील केमिकल से भरे इस टैंकर में आग नहीं लगी। प्रशासन ने बड़ी सावधानी के साथ इस टैंकर को फिर से खड़ा कर दिया।

- एनएचएआई टीम व पुलिस ने टैंकर को हाइड्रा क्रेन की मदद से सीधा कराया

जानकारी के अनुसार लूणकरणसर भारतमाला एक्सप्रेस हाईवे पर नाथवाना रेस्ट एरिया के पास ज्वलनशील केमिकल से भरा टैंकर मंगलवार सुबह पलट गया। टैंकर ड्राइवर ने खुद को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। लूणकरणसर प्रशासन, पुलिस व एनएचएआई टीम टैंकर को हाइड्रा क्रेन के मदद से टैंकर को सीधा करने के प्रयास किए। भटिंडा से कांडला जा रहे इस टैंकर में बेंजिन केमिकल भरा हुआ था। बेंजीन एक अत्यधिक ज्वलनशील रसायन है। यह एक रंगहीन, ज्वलनशील लिक्विड है जिसमें मीठी गंध होती है और यह हवा में बहुत जल्दी वाष्पित हो जाता है। ये बहुत जल्दी आग पकड़ता है। गनीमत रही कि इस हादसे में आग नहीं लगी।

पुलिस ने टैंकर को सीधा करने तक रास्ता बंद कर दिया। दोनों तरफ से आने वाले भारी वाहनों को दूर ही रोक दिया गया। जब तक टैंकर सीधा नहां हुआ, तब तक अन्य वाहनों को इस रास्ते पर नहीं आने दिया गया। इससे एक्सप्रेस वे पर आने वाले वाहनों को विलंब हुआ।

रुई के गोदाम में आग लगी

निवाई, (निसं)। शहर के वार्ड नंबर 21 में स्थित कसाइयों की गली में रुई के गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि मकान की दीवारों में दरारें आ गई और कमरे में लगा हुआ एसी सहित कई घरेलू जलकर राख हो गया। सूचना पर थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा पुलिस जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना मिलने पर नगर पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड टोंक को सूचना दी। इधर आसपास रहने वाले लोगों ने आग को बुझाने का प्रयास किया।

- आग में एसी सहित घरेलू सामान भी जला
- आग की तपन से दीवारों में आई दरारें

पीड़ित आरिफ कुरेशी ने बताया कि अज्ञात कारणों से गोदाम में भीषण आग लग गई जिससे पूरे मकान में दरारें आ गई हैं। मकान के कमरे में लगा एसी सहित अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया है। उन्होंने बताया कि मकान के गोदाम में रुई भरी हुई थी। अग्निशमन वाहन के पहुंचने के बाद आग पर काबू पाया। निवाई फायर ब्रिगेड प्रभारी हनुमान गुर्जर ने बताया कि निवाई नगर पालिका का अग्निशमन वाहन का ब्रेकडाउन होने के कारण उसे मरम्मत के लिए भेजा हुआ है। घटना से कोई भी जनहानि नहीं हुई है।

फर्जी कस्टर केयर सेंटर का मामला : आरोपियों ने कई खुलासे किये

मंडावा, (निसं)। कस्बे में पुलिस द्वारा सोमवार को माइक्रोसॉफ्ट के फर्जी कस्टमर केयर सेंटर का भंडाफोड़ कर 13 युवक-युवतियों को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों को सोमवार को झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर स्थित कोर्ट में पेश किया गया, जिसमें से गिरफ्तार सभी तीन युवतियों को कोर्ट ने जेल भेज दिया है, जबकि शेष गिरफ्तार सभी 10 युवकों को पुलिस को दो दिन के रिमांड के लिए सौंप दिया है।

- गिरफ्तार सभी तीन युवतियों को कोर्ट ने जेल भेजा, जबकि शेष गिरफ्तार सभी 10 युवकों को पुलिस को दो दिन के रिमांड के लिए सौंप दिया
- पुलिस को अब दिल्ली के रहने वाले मास्टरमाइंड मिक्की और फ्रेडी की तलाश

मंडावा एसएचओ रामनिवास ने बताया कि कोर्ट के आदेशों की पालना में अब दो दिनों तक आरोपियों से इस ठगी की वारदात को लेकर पूछताछ की जाएगी। मामले की जांच साइबर थाने के प्रभारी डीएसपी रामखिलाड़ी मीणा कर रहे हैं। इधर, इस मामले को लेकर पुलिस के सामने आरोपियों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस द्वारा की गई अब तक की पूछताछ में सामने आया है कि पकड़े गए 13 आरोपी तो एक तरह से दो मास्टरमाइंड साइबर ठग मिक्की और फ्रेडी के लिए कॉल सेंटर की तरह काम करते थे। एक एप के जरिए ना केवल माइक्रोसॉफ्ट, बल्कि अन्य सोशल मीडिया साइट्स की प्रॉब्लम सॉल्व करने के नाम पर अमेरिकन लोगों को फंसाते थे। जब कोई अमेरिकन फंस जाता था तो उसका कॉल अपने सुपरवाइजर और इस पूरे ठगी के प्लान के मास्टरमाइंड मिक्की और फ्रेडी को ट्रांसफर करते थे, जो आगे साइबर ठगी करते थे। क्योंकि अमेरिकन लोगों के बैंक खातों से ठगी की जाती थी तो ये पैसा डॉलर के रूप में ही ठगा जा रहा था।

पुलिस ने गिरफ्तार सभी आरोपियों को झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर स्थित कोर्ट में पेश किया।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में यह भी सामने आया है कि ये आरोपी 15-20 दिन से ही मंडावा थे। इस दौरान दो से तीन बार दोनों ठग और मास्टरमाइंड मंडावा भी आकर गए बताए, जो बार-बार मंडावा आकर भी इन सभी आरोपियों को ट्रेनिंग देते रहते थे। कोर्ट ने आज साउथ दिल्ली के आकाश वीके, रमेश गुरूंग, दक्षिणी दिल्ली के मौसे चिंगरा, वेस्ट दिल्ली के जंगमिनखय डोंगल, पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग जिले के किस्मत गजनेर, आशीष ओझा, मणिपुर के इम्फाल जिले के अमित पोल, मेघालय के इस्काहिल्स शिलॉन्ग जिले के कुशाल थापा, मिजोरम के आईजोल थाना इलाके के पैट्रिक जोनुसंगा व यूपी के मुरादाबाद जिले के मोनू कुमारी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है, जबकि मणिपुर की जुबलिया, अप्सरा प्रधान तथा नागालैंड की चिइजोतेउ लेचु को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में 13 जनों को गिरफ्तार किया था। वहीं मौके से 21 लैपटॉप, 21 मोबाइल और इसके अलावा इंटरनेट का सामान व अन्य इलेक्ट्रोनिक उपकरण जब्त किए थे।

कार-बाइक की टक्कर में दो बच्चों सहित चार जनों की मौत

हादसे में बाइक सवार दंपती, उनका आठ माह का बेटा और एक अन्य रिश्तेदार की बेटी की मौत हो गई

कोटा, (निसं)। सुलतानपुर थाना इलाके के मोरपा रोड़ पर मंगलवार सुबह कार-बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार दो बच्चों सहित चार जनों की मौत हो गई।

हादसा उस समय हुआ जब एक कार कोटा से मांगरोल-इटावा की ओर जा रही थी और बाइक सवार श्योपुर से भौंरा की ओर रहे थे।मोरपा के पास मैन रोड़ पर कार चालक ने सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर लगने के बाद दोनों वाहन पांच फीट दूर सड़क से नीचे गड्ढे में गिर गये। कार की टक्कर से बाइक सवार दंपती व उनका मासूम आठ माह का बेटा और एक अन्य रिश्तेदार की बेटी की मौत हो गई।

- कार में चालक सहित दो महिलाएं सवार थी, जिसमें से एक महिला के भी चोटें आई है

पुलिस उपअधीक्षक राजेश ढाका ने बताया कि भौंरा निवासी बीरा उर्फ लियाकत (30) अपनी पत्नी सितारा (28) उनका आठ माह का मासूम बेटा और लियाकत के साले की बेटी जोया (17) चारों बाइक से श्योपुर से भोंरा गांव की ओर आते समय मोरपा चौराहा से इटावा रोड़ पर कोटा से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दंपतीं सहित दोनों बच्चों की मौत हो गई। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि कार में चालक सहित दो महिलाएं सवार थी जिसमें एक महिला के भी चोटें आई है। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

मादक पदार्थ के साथ दो गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नशीले 234 ट्रमाडोल कैप्सूल के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि विराटनगर थानाधिकारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कस्बा विराटनगर में अभियुक्त महेश कुमार सैनी उर्फ़ सुन्ना पुत्र रेवडमल व सुभाष उर्फ कालू मीणा पुत्र कैलाश द्वारा बिना लाइसेंस व परमिट के अवैध मादक पदार्थ ट्रमाडोल कैप्सूल रखने पर दोनों को गिरफ्तार किया।

मनरेगा के समय में बदलाव

करौली, (नि.सं.)। गर्मी के मौसम को देखते हुये मनरेगा श्रमिकों के कार्य समय में बदलाव किया गया है। अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ईजीएस एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद शिवचरण मीणा ने बताया कि मनरेगा अधिनियम 2005 की अनुसूची 1 के पैरा 19 के अनुसार 8 घण्टे की कार्य अवधि में 1 घण्टे का विश्रामकाल निर्धारित है। अति.मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग अनुभाग-3 मनरेगा से अधोहस्ताक्षरकर्ता को परिस्थितियों अनुसार अधिनियम के प्रावधान के तहत अपने स्तर से कार्यों का समय परिवर्तन करने की शक्तियां प्रदान की गई है। निर्देशो की पालना में जिले में गर्मी को ध्यान में रखते हुए योजनान्तर्गत कार्यों का समय प्रातः छह बजे से दोहपर एक बजे तक निर्धारित किया गया है। यह व्यवस्था आगामी आदेशों तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने बताया कि यदि कोई श्रमिक समूह समय से पूर्व निर्धारित टॉस्क के अनुसार कार्य पूर्ण कर लेता है तो वह कार्य की मॉप मेट के पास उपलब्ध मस्टररोल में अंकित टॉस्क प्रपत्र में करवाने के उपरान्त एवं समूह के मुखिया के हस्ताक्षर के उपरान्त कार्य स्थल छोड़ सकता है।

घायल उल्लू का रेस्क्यू किया

भीलवाड़ा, (निसं)। पीपल फॉर एनिमल्स के प्रदेश प्रभारी एवं वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व विशेषाधिकारी बाबूलाल जाजू ने कृषि उपज मंडी में होमगार्ड रवि धोबी की सूचना पर घायल उल्लू का रेस्क्यू कर पीपल फॉर एनिमल्स के निराश्रित बीमार पशुग्रह में उसका उपचार कर वन विभाग को सौंपा। जाजू ने बताया कि पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश कास्ट ने घायल उल्लू की चिकित्सा की। चिकित्सा के बाद हरनी नर्सरी में वन्य जीव रेस्क्यू सेंटर में छोड़ा। रेस्क्यू में देवेंद्र गुर्जर एवं शंकर सालवी का सहयोग रहा।

मवेशी को मारकर पेड़ पर लटकाया, लोगों में आक्रोश

मामले को लेकर मौके पर पहुंचे हिन्दू संगठनों ने आक्रोश जताया।

पाली, (नि.सं.)। पाली में एक बाड़े में मंगलवार को एक मवेशी (बछड़े) का शव पेड़ से लटका हुआ मिला, जिसका पेट सिला हुआ था और आंखें निकाली हुई थी और आधा मुंह भी कटा हुआ था। इसकी जानकारी मिलने पर हिन्दू संगठन से जुड़े लोग मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मवेशी (बछड़े) के शव को सुरक्षित रखवाया और उनकी शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की ताकि पता लगाया जा सके कि इस तरह की यह हरकत किसने और क्यों की। घटना के बाद पुलिस ने संदेह के दायरे में आए दो लोगों को हिरासत में लिया है जिससे पूछताछ जारी है।

- पुलिस ने संदेह के दायरे में आए दो लोगों को हिरासत में लिया

जानकारी के अनुसार पाली शहर के चादर वाले बालाजी मंदिर के निकट एक पशुओं के बाड़े में मंगलवार दोपहर को पेड़ से मवेशी (बछड़े) का शव लटका मिला और पेट चीर कर फिर से सीला हुआ था और आंखें भी निकाली हुई थी। इसकी खबर मिलते ही हिन्दू संगठनों से जुड़े लोग और संत मौके पर पहुंचे और पशु के साथ क्रूरता करने और लोगों की भावना आहत करने की बात कहते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना पर सीओ सिटी उषा यादव, तहसीलदार जितेंन्द्र बबेरवाल, कोतवाल अनिल विश्नोई, रामदेव रोड चौकी प्रभारी सूरजाराम मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और मवेशी का शव सुरक्षित रखवाया। घटना को लेकर रामदेव रोड राम नगर निवासी दिनेशसिंह ने लिखित में पुलिस को शिकायत दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस दौरान रामदेव रोड पुलिस चौके बाहर भी लोगों का जमावड़ा लगा रहा। इधर लोगों ने बताया कि जिन तबेले में पेड़ पर लटका हुआ मवेशी (बछड़े) मिला है उनके यहां ओर भी गाय और मवेशी (बछड़े) हैं जिनको गोशाला छोड़ने की बात कही।

करोड़ों की ठगी कर तीन साल से फरार दंपती को उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया

दंपती ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी की थी, पुलिस ने इनाम की घोषणा की थी

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर कोटा सहित अन्य शहरों व मध्यप्रदेश के लोगों से करोड़ों रूपयों की ठगी के मामले में तीन साल से फरार चल रहे दंपती आरोपी पवन जैन (45) व मीना देवी जैन (43) को उत्तरप्रदेश के लखनऊ से गिरफ्तार किया है। भगोड़े दंपती पर दस-दस हजार के इनाम की घोषणा की हुई थी।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि आरोपी पवन जैन केन्द्रीय विद्यालय झालावाड़ में शिक्षक के रूप में कार्यरत था। पवन जैन को ऑनलाइन ट्रेडिंग का शौक लग गया जिस पर पवन जैन ने शेयर व विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग का काम करना शुरू किया, मगर रकम कम होने से ज्यादा मुनाफा नहीं हो रहा था जिस पर उसने अपने जानकार लोगों से पांच प्रतिशत मासिक रिर्टन पर रकम लेकर पहले तो ऑक्टा-एफ.एक्स नाम के ब्रोकर पर फोरेक्स ट्रेडिंग की और ज्यादा मुनाफा कमाने के लिये रूस की नोर्ड-एफ-एक्स कंपनी के नाम के ब्रोकर के साथ ट्रेडिंग की जिसमें लोगों की रकम ट्रेडिंग में लगाई कुछ समय तक तो लोगों को भुगतान करता रहा। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि आरोपी पवन जैन ने कोटा के अलावा झालावाड़, बूंदी, बांरा, भोपाल व इंदौर के लोगों से करीब 10 करोड़ रूपये ट्रेडिंग में लगा दिये, लेकिन नोर्ड-एफ.एक्स. ब्रोकर कंपनी द्वारा विड्रोल भुगतान देना बंद कर दिया तथा वेबसाइट पर बने खाते हैक कर दिया। जिससे लोगों को भुगतान नहीं दे पाया और भुगतान नहीं मिलने पर लोगों ने भुगतान के लिये घर व स्कूल पर पहुंचकर हंगामा करने पर आरोपी परिवार सहित कोटा से फरार हो गया।

करोड़ों की ठगी करने वाले आरोपी दंपती को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि आरोपी ने अपने व पत्नी के नाम से लोगों से रूपये प्राप्त कर अपने बैंक खातों में ट्रांसफर किये थे। मामला सामने आने पर अनंतपुरा थाने में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोटा में 5 व झालावाड़ में 5 मामले दर्ज हैं। आरोपी दंपती द्वारा अपने बैंक खाता पूर्ण रूप से बंद कर देने से कोई भी जानकारी प्राप्त नही हो पा रही थी। दोनों के खिलाफ विभिन्न न्यायालय से स्थाई वारंट भी जारी कर दिये गये थे। दोनों आरोपियों को भगोड़ा घोषित किया गया। शहर एसपी ने बताया कि पत्रावली प्राप्त होने के बाद दोनों आरोपियों की तलाश के लिये पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पासपोर्ट व समस्त बैंक खातों की जानकारी जुटाई गई।

- आरोपी ने अपने व पत्नी के नाम से लोगों से रूपये प्राप्त कर अपने बैंक खातों में ट्रांसफर किये थे

शहर एसपी अमृता दुहन ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिये गठित टीम को सूचना मिली कि आरोपी पवन जैन द्वारा 2020 में प्रयोग किये गये एप्पल के मोबाइल को एक ऐप जो कि पुराने मोबाइल खरीदने के लिये बना है। उस ऐप पर मोबाइल बेचने की जानकारी मिलने पर समस्त डाटा प्राप्त किया गया तो मामले में सामने आया कि उक्त फोन को आरोपी की बेटी ने विक्रय किया तथा फोन के पेमेन्ट को पश्चिम बंगाल के फर्जी खाते में डलवाया मगर ओटीपी के नम्बर के स्थान पर उसने अपने स्वयं के नम्बर दे दिये जिस पर उस नम्बर की निगरानी रखते हुए सीडीआर व लोकेशन ली गई तो वह नम्बर उत्तर प्रदेश के लखनऊ में चलना पाया गया।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में गहनता से विश्लेषण करने पर आरोपी पवन जैन व मीना देवी के नम्बर की लोकेशन प्राप्त कर टीम को उत्तर प्रदेश के लिये रवाना किया गया। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने दंपती को लखनऊ से दस्तयाब किया। आरोपी पवन जैन और मीना देवी जैन को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पवन जैन टयूशन पढ़ाकर व उसकी पत्नी सिलाई करके परिवार का गुजर-बसर कर रहे थे। आरोपी ने एक साल नागपुर में रहकर फरारी काटी थी। बेटी के द्वारा फोन बेचने की वजह से प्राप्त हुये डाटा के विश्लेषण से आरोपी पुलिस गिरफ्त में आया पकड़े गये। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है।

इसे महसूस करने में 18 साल लग गए। कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत के से ही आरसीबी का हिस्सा हैं। वह एक ही फ्रेंचाइजी के लिए 18 सीजन खेलने वाले इकलौते प्लेयर हैं। - **विराट कोहली**

आरसीबी के बल्लेबाज, फैंस को नं. 18 जर्सी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एडम जम्पा

सनराइजर्स हैदराबाद के खेल रहे लेग स्पिनर एडम जम्पा कंधे की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के शेष मैचों से बाहर हो गये है। जम्पा को यह चोट एसआरएच और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गये मैच में गेंदबाजी के समय कंधे में कुछ दर्द हुआ। वे अगले चार मैचों में नहीं खेले और चिकित्सा सलाह के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस चले गए। जम्पा ने टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेला और दो बहुत ही उच्च स्कोरिंग खेलों में 48 रन देकर एक और 46 रन देकर एक विकेट लिया।

क्या आप जानते हैं ?... एक भारतीय फुटबॉलर मुहम्मद शालेल ने 30 सेकेंड में 10 नटमेग बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रनों से हराया

मोहाली, 15 अप्रैल। प्रभसिमरन सिंह (30) और प्रियांश आर्य (22) रनों की पारी के बाद युजवेंद्र चहल (चार विकेट) और मार्को यानसन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत पंजाब किंग्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 31वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रनों से हरा दिया। पंजाब किंग्स की छह मैचों में यह चौथी जीत है।

112 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज सात रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। क्विंटन डी कॉक (दो) और सुनील नारायण (पांच) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने पारी संभालने का प्रयास किया।

दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 55 रनों की साझेदारी हुई। युज़वेंद्र चहल ने आठवें ओवर में अजिंक्य रहाणे (17) को आउट किया उसके बाद 10वें ओवर में अंगकृष रघुवंशी 28 गेंदों में (37) रन को अपना शिकार बना लिया। वेंकटेश अय्यर (सात), रिंकू सिह (दो), रमनदीप सिंह (शून्य), हर्षित राणा (तीन), वैभव आरोड़ा (शून्य) और आंद्रे रसल (17) रन बनाकर आउट हुये। पंजाब किंग्स के गेंदबाजी आक्रमण के आगे कोलकाता नाइट राइडर्स की पूरी टीम 15.1 ओवर में 95 रन ही बना सकी और 16 रनों से मुकाबला हार गई। पंजाब किंग्स की ओर से युजवेंद्र चहल ने चार विकेट लिये। मार्को यानसन को तीन विकेट मिले। जेवियर बार्टलेट, ग्लेन मैक्सवेल और अर्शदीप सिंह ने एक-एक खिलाड़ी को आउट किया। इससे पहले आज यहां पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब के लिए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोडी ने पहले विकेट लिए 39 रन जोड़े। तीसरे ओवर में हर्षित राणा ने पहले प्रियांश आर्य 12 गेंदों में (22) और उसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर(शून्य) को अपना शिकार बना लिया।

रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े में बनेगा स्टैंड

सचिन-गावस्कर के नाम पर भी है स्टैंड

मुंबई, 15 अप्रैल। रोहित शर्मा टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तानों की लिस्ट में शामिल हैं। भारत ने रोहित की कप्तानी में वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक का सफर तय किया था। इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। अब रोहित को लेकर एक बड़ा फैसला लिया गया है। रोहित के होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में एक खास स्टैंड बनेगा, ये रोहित के नाम पर होगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने रोहित के नाम पर वानखेड़े में एक स्टैंड बनाने का फैसला लिया है। एमसीए ने इसको अप्रूव भी कर दिया है। रोहित को सम्मान देने के लिए ये कदम उठाया गया है। रोहित के साथ-साथ शरद पंवार और अजीत वाडेकर के नाम पर भी स्टैंड बनेगा। हालांकि, इसको लेकर अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। एमसीए ने अमोल काले को श्रद्धांजलि देते हुए एमसीए पवेलियन में मैच डे ऑफिस का नाम बदल दिया है। उसे अब एमसीए ऑफिस लाउंज के रूप में जाना जाएगा। रोहित शर्मा ने भारत के लिए हर फॉर्मेट में कमाल का प्रदर्शन किया है। खास बात ये है कि रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने तीनों फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत ने रोहित की कप्तानी में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल मैच खेला। हालांकि, यहां उसे हार झेलनी पड़ी थी। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप का भी फाइनल खेला। उसने इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती। वानखेड़े स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के नाम पर पहले ही स्टैंड हो चुका है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में विराट कोहली के नाम पर एक स्टैंड है। वहीं सौरवा गांगुली के नाम पर भी ईडन गार्डन्स में स्टैंड है। राहुल द्रविड़ के नाम पर बैंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्टैंड है।

राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की गौरवी ने जीता स्वर्ण, लक्षानिया राजावत को कांस्य

जयपुर, 15 अप्रैल। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की गौरवी अजमेरा ने पुणे में संपन्न सीएसके आई-स्क्वैश ओपन 2025 में मिक्स्ड अंडर-9 कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता, वहीं एकेडमी की एक अन्य खिलाड़ी लक्षानिया राजावत ने इसी वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने बताया कि गौरवी ने फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र के शौनिक मल्होत्रा को 11-5, 11-0 से पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। गौरवी ने इससे पूर्व क्वार्टर फाइनल महाराष्ट्र के युगन्दर काले को 11-2, 11-3 और सेमी फाइनल में जयपुर की ही लक्षानिया राजावत को 11-1, 11-3 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी। दूसरी ओर सेमी फाइनल में गौरवी के हाथों हारी 8 वर्षीय लक्षानिया ने महाराष्ट्र के यशोवर्धन रजाले को हरा कांस्य पदक अपने नाम किया।

श्रेयस अय्यर ने जीता आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार

दुबई, 15 अप्रैल। भारत के स्टाइलिश बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च 2025 के लिए आईसीसी पुरुष 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अय्यर को चैंपियंस ट्रॉफी की पांच पारियों में 48.60 की औसत और 79.41 की स्ट्राइक रेट के साथ 243 रन बनाने पर इस पुरस्कार के लिए चुना। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पछाड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया है। अय्यर ने दूसरी बार यह पुरस्कार अपने नाम किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 के फरवरी महीने में भी यह पुरस्कार जीता था। अय्यर के इस पुरस्कार जीतने के साथ ही भारतीय खिलाडियों ने लगातार दो बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले फरवरी में शुभमन गिल ने यह पुरस्कार जीता था। जसप्रीत बुमराह ने हालांकि तीन बार और शुभमन गिल दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। अय्यर ने पुरस्कार जीतने के बाद कहा, मार्च के लिए आईसीसी पुरुष 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने जाने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से खास है, विशेषकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। यह ऐसा पल है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

चेन्नई सुपर किंग्स ने आयुष म्हात्रे को टीम में किया शामिल

लखनऊ, 15 अप्रैल। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई के सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को चोटिल ऋतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में शामिल किया है। म्हात्रे को उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये के बराबर राशि मिलेगी। उन्होंने अभी तक टी-20 क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है, लेकिन सात लिस्ट-ए मैचों में उन्होंने दो शतक जड़े हैं। वह ऑफ स्पिन गेंदबाज भी हैं और उन्होंने चार लिस्ट ए पारियों में सात विकेट लिये हैं। सीएसके के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने कहा, वह चेन्नई में ट्रायल के लिए आए थे और नेट्स में हमारे साथ जुड़े थे। वे सीएसके के तरह निडर होकर क्रिकेट खेलते हैं।

जॉर्जिया वोल ने जीता आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई, 15 अप्रैल। पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को मार्च महीने के लिए आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' खिताब से नवाजा गया हैं। वोल ने हमवतन एनाबेल सदरलैंड और अमेरिका की चेतना प्रसाद को पछाड़ कर यह पुरस्कार जीता है। 21 वर्षीय वोल ने मार्च में व्हाइट फर्न्स पर ऑस्ट्रेलिया की 3-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वोल ने दूसरे छोर पर अनुभवी बेथ मूनी के साथ मिलकर आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की। वोल ने पहले मैच में 31 गेंदों पर 50 रन, दूसरे टी-20 में 20 गेंदों पर 36 रन और अंतिम मैच में 57 गेंदों पर 75 रन बनाये थे। यह लगातार चौथी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने यह मासिक पुरस्कार जीता है। दिसंबर 2024 में एनाबेल सदरलैंड ने, उसके बाद जनवरी में बेथ मूनी और फरवरी में एलन किंग यह पुरस्कार जीता। मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने पर वोल ने कहा, यह पुरस्कार जीतना निश्चित रूप से मेरे और टीम के लिए एक अविश्वसनीय है। न्यूजीलैंड जाकर विश्व चैंपियन के खिलाफ टी-20 सीरीज जीतना सीजन को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका था।

आईसीसी की मीटिंग में शामिल नहीं हुए मोहसिन नकवी

चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर नाराज हैं पीसीबी चीफ

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आईसीसी की वार्षिक तिमाही बैठक हुई जहां पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी नदारद रहे। पाकिस्तान में निजी काम का हवाला देते मोहसिन नकवी हाल की बैठकों के लिए हरारे नहीं जा सके। नकवी संघीय गृह मंत्री भी हैं, जो केंद्र सरकार में एक अहम पद है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के बाद प्राइज डिस्ट्रिब्यूशन सेरेमनी में पीसीबी चेयरमैन को नहीं बुलाया गया था। जिससे कयास लगाए जा रहे हैं को वो कहीं इससे तो नाराज नहीं हैं।पीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि, मोहसिन नकवी स्वेदश में काम के कारण नहीं जा सके और बोर्ड के सीईओ सुमेर अहमद आईसीसी की बैठकों में शामिल हुए। बैठकों के खत्म होने के बाद से पीसीबी ने इस बात पर चुप्पी साधी हुई है कि क्या उसने दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के पुरस्कार वितरण समारोह के लिए मंच पर पीसीबी के प्रतिनिधि को नहीं रखने के लिए आईसीसी के विरोध के आगे बढ़ाया है।पीसीबी ने 19 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद आईसीसी को कई पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा था कि टूर्नामेंट का मेजबान पाकिस्तान होने के बावजूद उसका कोई भी प्रतिनिधि मंच पर क्यों नहीं था। ये समझा जाता है कि आईसीसी कभी कोई आधिकारिक कारण नहीं बताएगा, क्योंकि ट्रॉफी समारोह के लिए केवल आईसीसी चेयरमैन, बोर्ड सदस्य या राष्ट्रध्यक्ष ही मंच पर हो सकते हैं।

एएसएल फुटबाल क्लब जयपुर ने जिंक फुटबाल अकादमी उदयपुर को 1-0 से शिकस्त दी

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान फुटबाल लीग का मैच पहाड़ियों के बीच बना मोहन कुमार मंगलम फुटबाल स्टेडियम जावर माइंस ग्राउंड उदयपुर में खेला गया । राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज एक मैच खेला गया लीग के सभी 110 मैचों को होम अवे के सिद्धांत से खेले जा रहे हैं आज ज़िंक फुटबाल अकादमी के होम मैदान जावर माइंस में 20वा मैच खेला गया । जिसमें ए एस एल फुटबॉल क्लब और जिंक फुटबाल अकादमी उदयपुर के बीच खेले रोमांच भरे मैच में दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल खेला लेकिन पहला हॉफ में दोनों टीमें 0/0 से बराबरी पर रही दूसरे हॉफ में ए एस एल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच के 78वे मिनट में युवराज ने शानदार गोल करके 1/0 से ए स ल टीम को बढ़त दिला दी उसके पश्चात जिंक अकादमी ने आक्रामक खेल खेला और दूसरी टीम पर खूब दबाव बनाया लेकिन गोल नहीं कर पाए आखिर में ए एस एल टीम ने मैच 1/0 जीत लिया । मैच के मुख्य अतिथि अंकुश खंडेलवाल सी ई ओ हिंदुस्तान जिंक जावर माइंस उदयपुर रहे। आगामी फुटबाल लीग के मैच 17 अप्रैल को खेले जाएंगे।

गावस्कर करेंगे विनोद कांबली की मदद, हर माह देंगे मोटी रकम

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली पिछले कुछ साल से निरंतर खराब स्वास्थ्य से जूझते रहे हैं। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कुछ समय पूर्व कांबली की सहायता करने का दावा किया है, गावस्कर ने अब उसी वादे को पूरा करने की ओर बड़ा कदम उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुनील गावस्कर की संस्था चैम्प फाउंडेशन विनोद कांबली को आजीवन 30,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान करेगी, जिससे वो अपने स्वास्थ्य का ख्याल रख पाएं। सुनील गावस्कर की चैम्प फाउंडेशन संस्था की स्थापना साल 1999 में हुई थी। ये संस्था जरुरतमंद एथलीटों को मदद मुहैया करवाती है। गावस्कर की ये संस्था चैम्प विनोद कांबली को पूरी जिंदगी प्रति महीना 30, 000 रुपये की सहायता राशि देगी। कांबली को अप्रैल महीने से ही पैसे मिलने शुरू हो गए हैं और साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी खर्चे के लिए सालाना 30 हजार रुपये अलग से मिलेंगे। सुनील गावस्कर और विनोद कांबली की मुलाकात कुछ समय पहले वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर हुई थी। कांबली ने उस दौरान गावस्कर के पैर छुए थे, जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं।

अरावली क्रिकेट क्लब ने आरसीसी और स्टार क्रिकेट क्लब ने एसजे पब्लिक स्कूल को हराया

जयपुर, 15 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज पूल ए में खेले गए मैच में स्टार क्रिकेट क्लब ने एस जे पब्लिक स्कूल को 158 रनों से हराया तथा पूल बी के मैच में अरावली क्लब ने आर सी सी को 236 रनों से हराया।

जी आर ग्राउंड पर स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आर्यमन शर्मा के शतक 126 रन, आरव कुमार के 62 रन, लवीश शर्मा के 26 रन व योगेश के 18 रन से 49 ओवर में 271 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए समर खान ने 50 पर ने 4, शुभम खंडेलवाल ने 23 पर 3, संभव टांक ने 74 पर 2, विकेट लिए। जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल की टीम जतिन सवारियां के 24 रन, आदेश मीणा के 25 रन, शुभम खंडेलवाल के 12 रन व समर खान के 10 रन से 33.2 ओवर में 113 रन बनाकर आउट हो गई।

स्टार क्रिकेट क्लब के लिए आशीष चोपड़ा ने 21 पर 4, लक्ष्मण सिंह बिष्ट ने 29 पर 3, मोहित, आरव व देवांश ने एक - एक विकेट लिया। अरावली ग्राउंड पर खेले गए मैच में अरावली क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए देवेंद्र शर्मा के 67 रन, अमन शर्मा के 56 रन, ओमांश शर्मा के शतक 111 रन, आर्यन भारद्वाज के 30 रन व सौरव के 27 रन से 50 ओवर में 6 विकेट पर 364 रन बनाए।

आर सी सी के लिए सचिन गुर्जर ने 78 पर 3, मौलिक झरवाल व दक्ष ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में आर सी सी की टीम मोहम्मद जैद के 57 रन, कृष्णा सिंह के 18 रन व सचिन गुर्जर के 16 रनों से 26.1 ओवर में 128 रन बनाकर आउट हो गई। अरावली क्रिकेट क्लब के लिए हंसराज रोलानिया ने 28 पर, जुनेद अगवान ने 7 पर 4, शोभित मिश्रा व क्षितिज शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

रितिक सरन के नाबाद शतक की बदौलत स्टार एकेडमी सात विकेट से जीती

जयपुर, 15 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज डॉ. सोनी क्रिकेट ग्राउण्ड कालवाड़ रोड़, पर खेले गये पूल-डी के मैच में रितिक सरन के नाबाद शतक 105 रन (52 गेंद, 8 चौके, 4 छक्के) की बदौलत स्टार क्रिकेट एकेडमी ने बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हरा कर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये कविश गुणावत 32 रन, सय्यैद अली कोनैन चिश्ति 27 रन, कौस्तुभ बढाना 21 रन, रजत गुजराती 19 रन, मिरान खान 11 रन, आकिब खान 10 रन नाबाद की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खो कर 145 रन बनाये। स्टार क्रिकेट एकेडमी की ओर से संदीप सिंह 21 रन पर 2 विकेट, दीपक खरतला 24 रन 2 विकेट, हर्ष शर्मा 44 रन 2 विकेट तथा विजय 38 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। जवाबी पारी में रितिक सरन के नाबाद शतक 105 रन (52 गेंद, 8 चौके, 8 छक्के) की बदौलत स्टार क्रिकेट एकेडमी ने विजय लक्ष्य 146 रन, 3 विकेट खोकर, 17.3 ओवर में हासिल कर 7 विकेट से जीत दर्ज कर लीं। गेंदबाजी में बाउण्ड्री ब्रेकर एकेडमी की ओर से रजत गुजराती 27 रन पर 2 विकेट तथा पार्थ 19 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच रितिक सरन 100 रन नाबाद स्टार क्रिकेट एकेडमी रहे।

दो दिवसीय अंडर-14 कैंप यतीश शर्मा व सचिन मीणा के शानदार शतक

जयपुर, 15 अप्रैल। मध्य क्षेत्र राज सिंह डूंगरपुरअंडर14 टॉफीके संभावितों के चयन हेतु जयपुर में राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित किये जा रहे अंडर 14 प्रशिक्षण शिविर के दौरान आज से खेले जा रहे 2 दिवसीय मैच के अंतिम दिन का स्कोर :-

पहला मैच टीम - टीम
(टीम को पहली पारी में बढ़त)

टीम पहली पारी 176 आल आउट, टीम के लिए कौस्तव 46, शौर्य 37 वनारायण 27 रनो का योगदान दिया। टीम के गेंदबाज अरहान 13 / 3 विकेट प्राप्त किये।टीम के लिए वशिष्ठ शर्मा 100 रनो की शानदार शतकीय पारी खेली व विवेक बगड़ी 79, अनमोल 70 रनो की अर्धशतकीय पारी खेली तथा अदितराज 36, यतीश 21 रनो का योगदान दिया।टीम के गेंदबाज हिमांशु, विवान व रक्षितप्रत्येक 2-2 विकेट प्राप्त किये।टीम के लिए कौस्तवधनकड़ 86, पुनीत 61, माधव गोपाल 51 व शौर्य 21 रनो का योगदान दिया। टीम के गेंदबाज अथर्व 36 / 5 व यतीश 32 / 2 विकेट प्राप्त किये।

दूसरा मैच - टीम - टीम
(टीम बी को पहली पारी में बढ़त), टीम के लिए रियानसेबेस्टियन ने शानदार 100 रनो की शतकीय पारी खेली व आर्यन सिंह नाबाद 62, अली हैदर 66, अमरनाथ32 रनो का योगदान दिया। टीम के गेंदबाज जीशान 62/2 विकेट प्राप्त किये।टीम के लिए सचिन मीणा 100 रनो की शानदार शतकीय पारी खेली व गौरव डागर 86, प्रयाग बिश्नोई 67 ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर टीम को पारीमें महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। टीम के गेंदबाज अली हैदर 32 / 3 विकेट प्राप्त किये।टीम के लिए नलिन दुलार नाबाद 47 व अमरनाथ नाबाद 42 रनो का योगदान दिया।

धोनी ने बीते मैच में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिलने पर जताई हैरानी, नूर को बताया हकदार

लखनऊ, 15 अप्रैल। महेंद्र सिंह धोनी को हमेशा से वो कप्तान माना जाता रहा है जो पर्दे के पीछे रहकर, खिलाड़ियों को सपोर्ट करते हैं और उन्हें उनके हक की हर उपलब्धि देते है। सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडिम में खेले गए मुकाबले में एमएस धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को पांच विकेट के मात दे दी। अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान एमएस धोनी ने कहा कि इस अवॉर्ड को लेते हुए उन्हें हैरानी हो रही है। इससे पहले अंतिम बार उन्होंने 2019 में ये खिताब हासिल किया था। महेंद्र सिंह धोनी को जब ये खिताब मिला तो वो खुद भी काफी हैरान दिखे। उन्होंने इस अवॉर्ड को लेने पर हैरानी जताते हुए बताया कि असल में इस खिताब का असली हकदार कौन है।

पारी की बढ़त से जीती डीएसजे इलेवन

केएम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी

जयपुर, 15 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में आज खेले गए मैच में दूसरे दिन के स्कोर 8 विकेट पर 164 रन से आगे खेलते हुए 54.1 ओवर में 176 रन बनाकर आउट हो गई। डी एस जे टीम के लिए दिव्यांश शर्मा ने 22 पर 3, हिमांशु राणा ने 36 पर 2, अभिजय भंडारी ने 28 पर 3, अमित वर्मा व राहुल चौधरी ने 1 - 1 विकेट लिए।

डी एस जे टीम को पहली पारी में 388 रनों की बढ़त प्राप्त हुई। डी एस जे टीम ने दूसरी पारी में दक्ष खंडेलवाल के 73 रन, सचिन देव सिंघल के 15 रन, मानेंद्र सिंह के 22 रन, योगेंद्र यादव के 30 रन व तोषित भाटिया के नाबाद 50 रन से 40.5 ओवर में 7 विकेट पर 231 रन बनाए।

आर एच एल सी सी टीम के लिए अर्जुन ऋषि ने 48 पर 3, विवेक सैनी ने 47 पर 2, पूरव शर्मा व हिमान्य भारद्वाज ने एक-एक विकेट लिया। चाय काल के समय दोनों कप्तानों ने हाथ मिला कर मैच ड्रा पर समाप्त कर लिया। प्रतियोगिता में सभी टीमों ने 3-3 दिन के 3 मैच खेले हैं। जिसमे डी एस जे टीम ने एक आउट राइट जीत के साथ कुल 13 पॉइंट्स लेकर विजेता बनी तथा एस के आई टी इलेवन की टीम एक आउट राइट जीत व एक ड्रॉ के साथ कुल 9 प्वाइंट लेकर उपविजेता बनी। प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, संजय व्यास, पूर्व आर सी ए उपाध्यक्ष मोहम्मद इकबाल, पूर्व जेडीसीए सचिव मुकुंद रूंगटा, रोहित झालानी ने विजेता टीम के कप्तान मानेंद्र सिंह को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर एडहॉक कमेटी सदस्य महेश सैनी, मनीष, पीयूष रूंगटा, मोहम्मद असलम, राहुल कांवट, ओम शर्मा, गौरव शर्मा, पंकज गुप्ता, सलीम खान, श्रीवास मंडल, महेंद्र सिंह राजवी, सलीम कामरेड सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सर्व श्रेष्ठ बल्लेबाज आर्यन जैन, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज निखिल कोहली, सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपर कुणाल गौतम तथा मेन ऑफ दी सीरीज हिमांशु राणा रहे।

50वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर प्रतियोगिता का पारितोषिक वितरण सम्पन्न

जयपुर, 15 अप्रैल। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आर.सी.ए. एकेडमी में आयोजित 50वे स्वर्ण जयन्ती राज्य स्तरीय शर्मा माथुर स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के परितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि किशोर रूंगटा (पूर्व बी.सी.सी.आई. कोषाध्यक्ष एवं पूर्व आर.सी.ए. सचिव) जितेन्द्र नरूका वरिष्ठ खेल प्रशासक (स्पोर्टस अथोरिटी ऑफ इण्डिया) मोहम्मद यासिन पूर्व उपाध्यक्ष राजस्थान खेल परिषद एवं वरिष्ठ खेल पत्रकार तथा पूर्व मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहाकार, चन्द्र मोहन माथुर, राजस्थान रॉयल्स के राजीव खन्ना (विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में सम्मिलित हुये)

विजेता राज क्रिकेट क्लब को विजेता कप, उप विजेता जयपुर ब्लूज को उप विजेता कप। मैन ऑफ दा टुर्नामेन्ट विनय ओमेरिया 2100/-बेस्ट बेटसमेन प्रशान्त माली 1100/-बेस्ट बॉलर दानिश भाम्बू 1100/-। बेस्ट फील्डर रिषी 1100/-रुपये। स्व. अमन चौबे की स्मृति में उभरते खिलाड़ी का पुरस्कार यर्थाथ भारद्वाज को दिया गया हैं। यह सभी पुस्कार सभी अतिथियों ने बारी-बारी प्रदान किये।

इस समारोह में सचिव एस.एम. माथुर के अलावा एन. के. जैन, कुलदीप मिश्रा, मुरारी चर्तुवेदी व सुहाश न्यासे (दोनों पत्रकार) मनोज शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, भगवान शर्मा, दिनेश सोयेला, प्रध्युमन शर्मा, सुरेन्द्र चोबे, हरिपुरी डॉ ताहिर उलहसन, डॉ उषा माथुर, डॉ लीला माथुर, डॉ. रिचा, कुसुम चोबे, विजेता राजक्लब तथा उपविजेता जयपुर ब्लूज के खिलाड़ियों सहित अनेक लोग समारोह में उपस्थित हुये। समारोह के अन्त में बनीपार्क क्रिकेट क्लब के सचिव एस.एम. माथुर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुये अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट किये।

आमजन को पेयजल की आपूर्ति की समीक्षा पर मुख्यमंत्री स्वयं ध्यान देंगे

बजट घोषणाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल ने पेयजल व सिंचाई को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विभिन्न विभागों की वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विकास कार्यों एवं योजनाओं की क्रियान्विति में संबंधित अधिकारी द्वारा लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये।

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर पूर्ण पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित किया जाये। इस कार्य में लापरवाही करने पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये।

जयपुर, 15 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न विभागों की वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं कीप्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर पूर्ण पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित किया जाए। विकास कार्यों एवं योजनाओं की क्रियान्विति में संबंधित अधिकारी एवं संवेदक द्वारा लापरवाही करने पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों के लिए समयबद्ध भू-आवंटन सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। पेयजल की आपूर्ती के बारे में मुख्यमंत्री बहुत संवेदनशील हैं, इसलिये यह माना जा रहा है कि इसकी समीक्षा पर वे स्वयं ध्यान देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को पर्याप्त पेयजल आपूर्ति और किसानों को सिंचाई हेतु पानी सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 सहित विभिन्न कार्यों में देरी ना हो, नियमित मॉनिटरिंग करके कार्यों की प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को पेयजल पाइपलाइन एवं सीवर लाइन को बिछाने के कार्य में परस्पर बेहतर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी निर्देशित किया, जिससे सड़कों को बार-बार क्षति नहीं पहुंचे और राजस्व की हानि भी ना हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने 'कॉल बिफोर यू डिग' ऐप लॉन्च किया है, जिसके माध्यम से संबंधित विभाग और एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हैं और सड़कों को कम से कम क्षति होती है।

उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी (बालोतरा) से निकलने वाले डाउन स्ट्रीम प्रोडक्ट्स आधारित उद्योगों के लिए राजस्थान पेट्रो ज़ोन की स्थापना में गति लाई जाए। साथ ही, ऊर्जा विभाग की लंबित घोषणाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने आम उपभोक्ताओं की सहूलियत के लिए विद्युत संबंधी कार्यों की दरें नियत करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को अविलम्ब लंबित बजट घोषणाओं को पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने नगरीय विकास, स्वायत्त शासन, जल संसाधन, सिंचित क्षेत्र विकास, खेल एवं युवा मामलात, पर्यटन एवं वित्त विभाग सहित विभिन्न विभागों की लंबित घोषणाओं की समीक्षा की।

बैठक में संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

सलमान को धमकी, आरोपी मयंक पंड्या गिरफ्तार

■ पुलिस ने कहा मुम्बई यातायात पुलिस के वॉट्सअप लिंक पर धमकी भेजने वाला आरोपी मयंक मानसिक रुप से अस्थिर है।

मुंबई, 15 अप्रैल। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सलमान खान को कथित रुप से धमकी भरा संदेश भेजने वाला आरोपी मानसिक रुप से अस्थिर है। पुलिस ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। पुलिस ने धमकी भरा संदेश मिलने के बादद्ध गुजरात के वडोदरा से मयंक पांड्या (26) को हिरासत में लिया। आरोपी ने सलमान को वॉट्सअप के जरिए कथित रुप से जान से मारने की धमकी दी थी।

अधिकारियों ने कहा कि यह व्यक्ति मानसिक रुप से अस्थिर है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस विभिन्न कोणों से मामले की जांच कर रही है।

सूत्रों ने कहा कि पांड्या ने मुंबई यातायात पुलिस के वॉट्सऐप हेल्पलाइन पर भेजे धमकी भरे संदेश में कहा 'हम तुम्हारे घर में घुसेगें और तुम्हें मार देंगे' और कहा कि सलमान खान की कार में भी बम लगा दिया गया है।

'डीजीपी झुंझुनूं, प्रतापगढ़ की सीसीटीवी हार्ड डिस्क अपने कब्जे लें'

राज्य मानवाधिकार आयोग ने हिरासत में मौत की घटनाओं का स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया

■ आयोग ने कहा है कि दोनों जिलों में एसडीएम, डिप्टी सीएमएचओ, पुलिस निरीक्षक व चिकित्सक टीम बनाकर जाँच करें।

■ यह भी कहा है कि सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाये। डीवायएसपी हर माह फुटेज देखकर रजिस्टर में एंट्री करें।

जयपुर, 15 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने झुंझुनूं और प्रतापगढ़ जिले में पुलिस हिरासत में मौत के मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, आयोग ने दोनों जिलों के मजिस्ट्रेट को कहा है कि मामले में जांच के लिए एसडीएम, डिप्टी सीएमएचओ, पुलिस निरीक्षक और चिकित्सक की टीम बनाकर दोषियों के खिलाफ जांच कराएं। वहीं, आयोग ने डीजीपी को कहा है कि वे अपने स्तर पर दोनों स्थानों के सीसीटीवी फुटेज की हार्ड-डिस्क अपने कब्जे में लें। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश मामले में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए दिए।

आयोग ने गृह सचिव, डीजीपी और वित्त सचिव को कहा है कि वे अपने स्तर पर आदेश जारी करें कि हर सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग को प्रत्येक वर्ष प्रति माह के लिए आरक्षित रखा जाए और इसके लिए तीन टीवी तक क्षमता वाली हार्ड डिस्क का उपयोग किया जाए। इसके अलावा थाने में लगे सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग हर माह डीवाईएसपी देखें और रजिस्टर में एंट्री करें कि थाने में कोई उत्पीड़न की घटना तो नहीं हुई है। आयोग ने हर जिला पुलिस अधीक्षक को कहा है कि वे थाने में सीसीटीवी का संचालन सुनिश्चित करें।

वहीं, आयोग ने संबंधित अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। आयोग ने कहा कि देश में विधि का शासन है और कानून को अपने हाथ में लेने की अनुमति विधि किसी को नहीं देती।

आयोग ने इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि झुंझुनूं के खेतड़ी थाने में ग्वार चोरी के मामले में युवक को बिना गिरफ्तारी दिखाए हिरासत में रखा और मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। इसी तरह, प्रतापगढ़ की जिला जेल में भी एक कैदी की मौत हो गई, जिसके परिजनों ने मारपीट का आरोप लगाया है।

खड़गे की पहल पर, आर.जे.डी. की टीम ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलाव सुनिश्चित है। अगले चुनावों में, बिहार भाजपा तथा उसके अवसरवादी गठबंधन से मुक्त हो जायेगा।"

खड़गे, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने दावे के साथ कहा कि युवा, किसान, मजदूर, अति पिछड़े वर्ग तथा समाज के अन्य सभी वर्ग राज्य में "महागठबंधन" सरकार चाहते हैं।

इस बीच, पत्रकारों से बात करते हुये, आरजेडी नेता यादव ने कहा, "हमारी चर्चा बहुत सकारात्मक रही। कांग्रेस और आजेडी 17 अप्रैल को वामपंथी दलों तथा वीआईपी सहित, गठबंधन के अन्य दलों के साथ पटना में मीटिंग करेंगे। हम पूरी तरह तैयार हैं। हम बिहार को आगे बढ़ाने के लिये कटिबद्ध हैं।" उन्होंने केन्द्र की भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर बिहार के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया।

आरजेडी नेता ने कहा, "हम (जनता से संबंधित) मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। हम सब का दायित्व है कि हम जनता के बीच जायें तथा लोगों को सरकारकी खामियाँ बतायें।"

इस प्रश्न, कि क्या वे "महागठबंधन" के मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, के उत्तर में उन्होंने कहा, "इस बिन्दु पर हम बैठकर चर्चा करेंगे।" बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुये, उन्होंने कहा, "नीतीश जी हाइजैक किये जा चुके हैं। अमित शाह जी ने कहा था कि चुनाव उनके (कुमार) नेतृत्व में लड़ा जायेगा, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि मुख्यमंत्री कौन होगा। इस बार, बिहार में एनडीए सरकार नहीं बनायेगा। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने हैं।

दिन भर गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम्पनी बनाई गई थी तथा एजेएल की सम्पत्तियाँ यंग इंडियन को ट्रांसफर कर दी गई थीं, उस समय डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने गांधी परिवार के खिलाफ एक केस दायर किया था। ज्ञातव्य है कि राहुल तथा सोनिया गांधी यंग इंडियन के बड़े शेयर होल्डर थे। इस कम्पनी की सम्पत्तियों की कीमत 2000 करोड़ रु. से अधिक है।

वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि मोदी और शाह की सोच व मानसिकता के आधार पर यह कहा जा सकता है कि इस चार्जशीट का एकमात्र मतलब राहुल गांधी के लिये परेशानियाँ खड़ी करना है।

'आप बोइंग कम्पनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खबर दी कि चीन ने एयरलाइनों को बोइंग विमानों की डिलीवरी रोकने का भी आदेश दिया है। ब्लूमबर्ग ने लोगों के हवाले से बताया कि बीजिंग ने अपनी विमान कंपनियों को कहा है कि हवाई जहाज में काम आने वाले सामान व पार्ट्स अमेरिका की कंपनियों से खरीदना बंद करें।

इस बीच, एक अन्य समाचार एजेंसी, एएफजी ने इस मुद्दे पर टिप्पणी के लिए बोइंग और चीन के विदेश मंत्रालय से संपर्क किया है।

अमेरिकी आयात पर बीजिंग के रैसिप्रोकल टैरिफ के कारण अमेरिका में निर्मित हवाई जहाज व उनके पार्ट्स खरीदना काफी महंगा सौदा हो गया है।

ब्लूमबर्ग ने कहा कि चीनी सरकार लीज़ पर बोइंग जैट लेने वाली और उच्च लागत का सामना करने वाली विमान कंपनियों की मदद करने पर विचार कर रही है।

ट्रम्प द्वारा शुल्कों की बौछार ने विश्व बाजारों को हिला दिया है, तथा सहयोगियों और विरोधियों, दोनों के साथ कूटनीतिक व्यवहार को उलट दिया है। अस्थिर स्वभाव वाले अमेरिकी नेता ने पिछले सप्ताह आगे की बढ़ोतरी पर अचानक रोक लगाने की घोषणा की, लेकिन बीजिंग को कोई तत्काल राहत नहीं दी। अमेरिका ने चीन पर लगाये गये टैरिफ की सूची से चीन में निर्मित स्मार्ट फोन, सैमिकण्डक्टर्स व कम्प्यूटर्स को निकाल कर, चीन को राहत पहुँचाने की कोशिश जरुर की है।

मुर्शिदाबाद दंगा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

माल की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्देश देने और हिंसा भड़काने वाले भड़काऊ भाषण देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अशांति के दौरान तीन लोगों की जानें गईं। कलकत्ता उच्च न्यायालय पहले ही हस्तक्षेप करते हुए मुर्शिदाबाद जिले में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए केन्द्रीय बलों की तैनाती का आदेश दे चुका है।

मानसून में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी दी है। उन्होंने कहा, "भारत में चार महीने (जून से सितंबर) के मानसून के मौसम में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है और कुल वर्षा 87 सेंटीमीटर के दीर्घावधि औसत का 105 प्रतिशत रहने का अनुमान है।"

इसके अलावा आईएमडी प्रमुख ने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में इस बारे मानसून के दौरान अल नीनो जैसी स्थिति बनने की संभावना नहीं है। बता दें कि इस बार मानसून के दौरान सामान्य से अधिक बारिश का पूर्वानुमान देश के लिए एक बड़ी राहत है।

अमरनाथ यात्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के दौरान श्रद्धालुओं को दोनों रास्तों के लिए अलग-अलग रंग की पर्ची मिलेगी। रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड होना जरूरी है। श्रद्धालुओं का बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन भी किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के लिए हैल्थ सर्टिफिकेट भी जरूरी है। हेल्थ सर्टिफिकेट 8 अप्रैल या उसके बाद का होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून की वैधता पर सुनवाई आज

संसद द्वारा हाल ही में पारित इस कानून के खिलाफ 10 याचिकाएं दायर की गई हैं

■ मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बैंच याचिकाओं की सुनवाई करेगी। इस कानून के खिलाफ कई संगठनों व राजनैतिक दलों ने याचिकाएं दर्ज की हैं।

नई दिल्ला, 15 अप्रैल। नए वक्फ कानून पर देशभर में जारी सियासी गर्माहट के बीच, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट वक्फ (संशोधन) अधिनियम2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है।

इस कानून के खिलाफ एआईएम आईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी समेत कई बड़े नेताओं और संगठनों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच, जिसमें न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन शामिल हैं, ने अब तक इस मामले में10 याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को कई नेताओं ने चुनौती दी है। ओवैसी के अलावा जिन नेताओं और संगठनों ने याचिका दायर की है, उनमें आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान, एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अरशद मदनी, समस्त केरल जमीयतुल उलेमा, अंजुम कादरी, तैय्यब खान सलमानी, मोहम्मद शफी, मोहम्मद फजलुर्रहीम और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा शामिल हैं। इन सभी संगठनों और नेताओं द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि नया वक्फ कानून मुस्लिम समुदाय के धार्मिक अधिकारों में हस्तक्षेप करता है और संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है, जो धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं।

बता दें कि नए वक्फ कानून के विरोध में और भी कई नई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई हैं, जिन्हें जल्द ही सूचीबद्ध किया जाएगा। इन याचिकाओं में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा और समाजवादी पार्टी के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क की याचिकाएं प्रमुख हैं। साथ ही आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), और तमिलनाडु के अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने भी इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

कर्नाटक का पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो... कुछ लोगों को अपनी जान कुर्बान करने दो... हर शहर में आठ से दस मौतें होनी चाहिए, जैसे संदेश देकर वह लोगों को भडकाने का काम कर रहा था। साथ ही उसने कहा था कि पोस्टर और याचिकाओं से कोई मदद नहीं मिलेगी, केवल विनाश ही होगा। वीडियो वायरल होने के बाद कर्नाटक सहित अन्य क्षेत्रों में आक्रोश फैल गया था। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों ने हिंसा भडकाने वाले बयान की कड़ी निंदा की थी।

अभी विश्व के अधिकांश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोशिश कर रहा है। भारतीय और अमेरिकी व्यापार अधिकारियों के बीच बातचीत पहले ही शुरु हो चुकी है।

भारत के बारे में विदेशी भावनाएं इस उम्मीद पर आधारित हैं कि चीन से अलग, भारत एक व्यवहार्य वैकल्पिक मैन्युफैक्चरिंग केन्द्र होना चाहिए। अब तक, चीन दुनिया का कारखाना रहा है, विकसित से लेकर विकासशील देशों तक के बाज़ारों में भारी मात्रा में आपूर्ति कर रहा है। इसी ने चीन की घरेलू नीतियों की ओर अर्थशास्त्रियों का ध्यान आकर्षित किया।

अर्थशास्त्रियों द्वारा व्यापक रूप से यह माना जाता है कि चीन ने अन्य देशों की कीमत पर अपने निर्यात को अनुचित रूप से बढ़ाने के लिए डब्ल्यूटीओ प्रणाली का शोषण किया है। अब हिसाब-किताब का समय आ गया है।

हालांकि, अगर भारत को आपूर्ति के लिए एक उचित वैकल्पिक स्रोत के रूप में उभरना है और एक नई आपूर्ति श्रृंखला पेश करनी है, तो उसे अपनी निर्माण ताकत विकसित करनी होगी। यहीं पर मुश्किल आती है।

"मेक इन इंडिया" को जोर-शोर से प्रोजैक्ट किया गया, पर उस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी निर्माण आधार विकसित करने के लिए भारत को निर्माण उद्योगों के विकास में कुछ मौलिक सुधार करने की आवश्यकता है।

देश में एक निर्माण इकाई स्थापित करना अभी भी बेहद मुश्किल है, औद्योगिक भूमि की कमी पहली बड़ी बाधा है। निर्माण इकाइयों के लिए औद्योगिक भूमि की पेशकश करने के लिए कानूनों को बदलना होगा। नए उद्योगों की आवश्यकता के अनुरुप रोज़गार कानूनों को भी उपयुक्त रूप से बदलना होगा।

अंत में, खनन जैसे बुनियादी उद्योगों के लिए नए क्षेत्रों को खोलने से संबंधित कानूनों को ठीक करना होगा। देश में एक बड़ा, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी निर्माण आधार विकसित करने के भारत के प्रयास में ये बिन्दु बाधा साबित हुए हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट को धमकी भरा ई-मेल, जांच शुरु

अयोध्या, 15 अप्रैल। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले संदिग्ध मेल की जांच तेज कर दी गयी है। सुरक्षा एजेंसियों के अलावा, राम मंदिर ट्रस्ट की आई.डी. टीम भी इस मेल की जांच करने में जुटी है।

ट्रस्ट के सूत्रों के अनुसार, सोमवार की रात रामजन्मभूमि ट्रस्ट के मेल पर धमकी भरा मेल आया था। ट्रस्ट ने रामजन्मभूमि थाने में एफआईआर दर्ज करा दी है, हालांकि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट तथा पुलिस व सुरक्षा से जुड़े अधिकारी इसको लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। राम मंदिर ट्रस्ट ने इतना जरूर कहा है कि मंदिर की सुरक्षा अभेद्य है, परिसर के अंदर घुसपैठ संभव नहीं है। मेल के जरिये तमिलनाडु के एक व्यक्ति की ओर से राम मंदिर की सुरक्षा के प्रति आगाह किया गया है। श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा ने बताया कि मेल की जांच ट्रस्ट की आई.डी. टीम कर रही होगी। उन्हें कुछ नहीं पता है। परिसर की सुरक्षा को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। राम मंदिर परिसर की सुरक्षा अभेद्य है। आधुनिक उपकरणों का प्रयोग सुरक्षा के लिये किया जाता है। उन्होंने बताया कि परिसर के लिए कोई खतरा न हो, इसके इंतजाम प्रदेश सरकार ने कर रखे हैं।

'जजों को महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में अनुचित टिप्पणी नहीं करनी चाहिए'

सुप्रीम कोर्ट की इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकार और नसीहत

नयी दिल्ली, 15 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि न्यायाधीशों को महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में अनुचित टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 17 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश (जिसमें दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को जमानत देते समय की गई टिप्पणी) पर स्वत: संज्ञान सुनवाई करते हुए आपत्ति जतायी और नसीहत दी। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई, जिन्होंने दुष्कर्म के एक आरोपी को जमानत देते समय टिप्पणी की थी कि पीड़िता ने 'खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया और इसके लिए वह जिम्मेदार है।'

पीठ (शीर्ष अदालत) ने कहा, इस उच्च न्यायालय (इलाहाबाद उच्च न्यायालय) में क्या हो रहा है? अब उसी उच्च न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश ने ऐसी बातें कही हैं... हां, जमानत दी जा सकती है। लेकिन यह क्या बात हुई कि उसने खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया।

इससे पहले, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक ऐसी टिप्पणी की थी, जिससे पूरे देश में भारी आक्रोश फैल गया था। हाईकोर्ट के एक जज ने कहा था कि एक नाबालिग के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं है।

पीठ ने 15 अप्रैल को मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि जमानत देना न्यायाधीश का विवेकाधिकार है, जो प्रत्येक मामले के तथ्यों पर निर्भर करता है, लेकिन शिकायतकर्ता के खिलाफ इस तरह की अनुचित टिप्पणियों से बचना चाहिए।

पीठ ने इस साल मार्च में उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें दिसंबर 2024 में दिल्ली के हौज खास के एक बार में मिली एक महिला के कथित दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किए गए एक आरोपी को जमानत दी गई थी।

स्टालिन ने राज्य सरकारों के अधिकारों को भी चुनावी मुद्दा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कानूनो, नीतियों व संवैधानिक प्रावधानों की समीक्षा करेगी और राज्यों की स्वायत्तता तथा संघवाद को मजबूत करने के लिए सुझाव देगी।

विधानसभा में नियम 110 के तहत स्वप्रेरित घोषणा करते हुए स्टालिन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कुरियन की अध्यक्षता में समिति गठित की। सेवानिवृत्त आईएएस अफसर व भारतीय समुद्री विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के अशोक वर्धन रेड्डी और ाराज्य योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष एम नागनाथन समिति के सदस्य होंगे।

समिति संवैधानिक प्रावधानों कानूनो, नियमों और केन्द्र राज्य सम्बंधों से सम्बंधित नीतियों की समीक्षा करेगी। राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानान्तरित किए गए विषयों को पुन: राज्य सूची में लाने के तरीके सुधाएगी और राज्यों को प्रशासनिक चुनौतियों से उबरने के लिए उपाय प्रस्तावित करेगी तथा देश की एकता अंखड़ता से समझौता किए बिना राज्यों के लिए अधिकतम स्वायत्तता सुनिश्चित करने के सुझाव भी देगी। तथा केन्द्र राज्य सम्बंधों पर गठित राजमन्नार समिति के अन्य आयोगों के सुझावों पर भी विचार करेगी।

अब, समिति का गठन निश्चित रुप से विधानसभा चुनावों के दौरान मीडिया की रुचि का विषय होगा, और इस तरह, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नियमित मीडिया कवरेज के साथ इस मुद्दे को जीवित रखा जा सकता है।

और, संघवाद या केन्द्र की मनमानी से संबंधित कोई भी मुद्दा - जैसे, उदाहरण के लिए, तमिलनाडु के शिक्षा कोष को रोकना-केवल इस मुद्दे को गर्म रखेगा और द्रमुक के 'केन्द्र-विरोधी' आख्यान को मजबूत करेगा, जो तमिलनाडु में काफी प्रभावित हो।

और इससे अन्नाद्रमुक की स्थिति भी मुश्किल हो जाएगी, क्योंकि इस पहलू पर उनके विचारों पर भी मतदाताओं द्वारा बारीकी से नजर रखी जाएगी।

भारत के स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए, स्टालिन ने कहा, एक ऐसे देश में जहां लोग विभिन्न भाषाएं बोलते हैं, विभिन्न जातीय समूहों से संबंधित हैं, विविध संस्कृतियों का पालन करते हैं, यहां संविधान लोगों के अधिकारों की रक्षा करता है। स्टालिन ने कहा, "मतभेदों की बहुतायत के बावजूद, हम सभी सद्भाव से रहते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हमारे संविधान निर्माताओं, डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व में, हमारे देश के राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचे को एकात्मक राज्य के रुप में नहीं, बल्कि संघवाद के सिद्धांतों का पालन करते हुए, राज्यों के संघ के रुप में तैयार किया। हालांकि, आज राज्यों के अधिकारों का लगातार क्षरण हो रहा है। राज्य सरकारों को केन्द्र सरकार से बुनियादी अधिकारों के लिए भी लड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, "राष्ट्र की प्रगति के लिए प्रत्येक राज्य को स्वायत्तता दी जानी चाहिए। तमिलनाडु लगातार अधिक स्वायत्तता की मांग कर रहा है। ऐसे समय में जब भारत में किसी अन्य राज्य ने स्वायत्तता पर कोई पहल नहीं की थी तब एम. करुणानिधि थे जिन्होंने 1969 में केन्द्र-राज्य संबंधों की समीक्षा के लिए न्यायमूर्ति पी.वी. राजमन्नार की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया। वर्ष 1971 में, राजमन्नार समिति ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और 16 अप्रैल, 1974 को, तमिलनाडु विधानसभा ने उस रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशों को अपनाते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।"

उन्होंने कहा, इसके बाद, केन्द्र सरकार ने 1963 में सरकारिया आयोग और बाद में 2004 में पुंछी आयोग का गठन किया ताकि केन्द्र-राज्य संबंधों की विस्तृत जांच की जा सके। इन आयोगों ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, हालांकि, अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि वर्तमान केन्द्र सरकार राज्य सूची के स्वास्थ्य, कानून और वित्त जैसे कुछ महत्वपूर्ण विषयों को समवर्ती सूची में स्थानांतरित करने के लिए प्रयास कर रही है।

भाजपा सहयोगी तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) के अध्यक्ष जी.के. वासन ने स्टालिन के इस कदम की आलोचना की और कहा कि यह तमिलनाडु के हितों के खिलाफ होगा। उन्होंने एक बयान में कहा कि केन्द्र सरकार राष्ट्रीय एकता के हित में सभी राज्यों के अधिकारों की रक्षा कर रही है और तमिलनाडु के विकास के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं प्रदान कर रही है।

वासन ने कहा, "ऐसी स्थिति में, केन्द्र सरकार की आलोचना करना और राज्य के विकास में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को छिपाकर और उसे एक विपक्षी दल के रुप में मानते हुए मुख्यमंत्री ने केन्द्र-राज्य संबंधों का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा की है, जो अनावश्यक और अनुचित है।"

बहराइच में बस ने ऑटो को टक्कर मारी

बहराइच, 15 अप्रैल। उत्तर प्रदेश में बहराइच के पयागपुर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर तेज रफ्तार डबल डेकर बस की चपेट में आने से ऑटो रिक्शा में सवार दो मासूम बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गयी जबकि दस अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया हुजूरपुर क्षेत्र निवासी 16 लोग एक रिसैप्शन में शामिल होने के लिये ऑटो रिक्शा पर सवार होकर जा रहे थे कि रास्ते में इमलिया के पास तेज रफ्तार बस ने ऑटो को ठोकर मार दी।

इस हादसे में आटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गये और सभी यात्री गंभीर रुप से घायल हो गये।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908